



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्रधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

स. 24]

नई दिल्ली, मंगिवार, जून 12, 1993/ज्येष्ठ 22, 1915

No. 24]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 12, 1993/JYAISTHA 22, 1915

इस भाग में भिन्न पहल संख्या वी आसी है जिससे कि उस वर्ष संकाश वे हय पर  
रक्षा या सर्के

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

भाग II—कांड 3—उप-कांड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

भारत सरकार के संवादों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गये वार्तिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India (other than  
the Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

सूचना

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1993

का. ना. 1198.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना वी जाती है कि श्री मोहन प्रकाश मित्तल एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे कोटा सिटी (राजस्थान राज्य) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चांदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(22)/93-न्यायिक]

पौ. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS  
(Department of Legal Affairs)  
(Judicial Section)  
NOTICE!

New Delhi, the 12th February, 1993

S.O. 1198.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956

1211 GL/93-1

(1725)

that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Mohan Parkash Mittal Advocate for appointment as a Notary to practise in Kota City (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(22)/93-Judl.]  
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1993

का. ना. 1199.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना वी जाती है कि श्री जिले मिह एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे हासी, जिला हिसार, (हरियाणा राज्य) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चांदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(29)/93-न्यायिक]

पौ. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 19th February, 1993

S.O. 1199.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Zile Singh Advocate for appointment as a Notary to practise in Hansi, Distt. Hissar (Haryana).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(29)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1993

का. घा. 1200.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री धर्म पाल एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उमे नवां शहर (पंजाब) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(28)/93—न्यायिक]  
पी. सी. कण्णन, मक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 19th February, 1993

S.O. 1200.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Dharam Paul Advocate for appointment as a Notary to practise in Nawanshahar (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(28)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेशन मंत्रालय

(कार्मिक और ब्रिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 27 मई, 1993

का. घा. 1201.—केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्ताक गवर्नरमेंट सेक्रेटरीएट, विधान सभा, होम डिपार्टमेंट संबंधा-एच. डी. 18(iii)पी.सी.आर-92 दिनांक 20-11-1992 द्वारा प्राप्त कर्ताक राज्य की सहमति से पूर्वसर समस्त अधिसूचनाओं और समय-समय पर हुए सभी संबोधनों के अधिकार में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण विभिन्न राज्य और केन्द्रीय अधिनियमों के अंतर्गत सभी प्रकार के आपराधिक मामलों के अन्वेषण के लिए सम्पूर्ण कर्ताक राज्य पर करती है।

[संख्या 228/46/91—ए. धी. डी.-II]  
ए. सी. शर्मा, अवार सचिव

## MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES

## AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 27th May, 1993

S.O. 1201.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), and in supersession of all earlier notification and their amendments from time to time, the Central Government with consent of the State of Karnataka vide Karnataka Government Secretariate, Vidhana Soudha, Home Department No. HD 184 PCR 92 dated 20-11-1992 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment within the State of Karnataka for the investigation of all types of criminal cases under different State and Central Acts.

[No. 228/46/91-AVD. II]

A. C. SHARMA, Under Secy.

## वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1992

आयकर

का. घा. 1201.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा “नई तालीम समिति, सेवाग्राम, वर्धा” को कर-निर्धारण घर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के लिए निम्न-लिखित शर्तों के अधीन रहने हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण घर्षों में संगत पूर्ववर्ती वयों की किसी भी अवधि के द्वारा धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अर्थवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रब्ब-रब्बाव में स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार में प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9077/ का. सं. 197/166/91-  
आयकर नि.-I]

शरत चन्द्र, अवार सचिव

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Revenue)  
(INCOME-TAX)

New Delhi, the 28th August, 1992

S.O. 1202.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies "Nai Talim Samiti Sevagram, Wardha" for the purposes of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9077/F. No. 197/166/91-ITA-1]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1992

(ग्राहक)

का.आ. 1203—ग्राहक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं दूसरा "स्पास्टिक्स सोसाइटी आफ ईस्टर्न इंडिया" कलकत्ता को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक दुंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इस की निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा

ऐसे कारोबार के संबंध में प्रलग से लेखा-पृस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9087/फा.सं. 197/92/92-  
ग्राहक नि.-1]

शरत चन्द्र, मवर सचिव

New Delhi, the 8th September, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1203.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies "Spastics Society of Eastern India, Calcutta for assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9087/F. No. 197/92/92-IT(AI)]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1992

ग्राहक

का.आ. 1204.—ग्राहक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं दूसरा "दि ब्राह्मे गांधी स्मारक निधि, बंबई" की कर-निर्धारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहने हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक दुंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाम के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त-कर-निधारिति के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में ग्रलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हैं।

(iv) यह अधिसूचना धारा 11 की उपधारा (3) के कारण ऊपर उल्लिखित कर-निधारण वर्षों में कर-प्रभार्य आय के संबंध में भी लागू नहीं होगी।

[अधिसूचना सं. 9088/फा.सं. 197/

184/91-प्रायकर (नि. 1)]

शरत चन्द्र, भवर सचिव

New Delhi, the 8th September, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1204.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Bombay Gandhi Smarak Nidhi, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objects of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.
- (iv) this notification will also not apply in relation to income chargeable to tax in above mentioned assessment years by virtue of sub-section (3) of section 11.

[Notification No. 9088/F. No. 197/184/91-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1993

प्रायकर

का. प्रा. 1205.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा "हरियाणा डिफेंस एंड सिक्युरिटी रिलीफ फंड कमेटी, हरियाणा" को कर-निधारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के प्रधार्थीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, प्रथतः—

- (i) कर-निधारिति इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका

संबंध पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर-निधारिति ऊपर उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्विट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, कर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक बांदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिति के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में ग्रलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हैं।

[अधिसूचना सं. 9091/फा.सं. 197/

169/91-प्रायकर (नि.-1)]

शरत चन्द्र, भवर सचिव

New Delhi, the 15th September, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1205.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Haryana Defence and Security Relief Fund Committee, Haryana" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objects of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9091/F. No. 197/169/91-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1992

प्रायकर

का. प्रा. 1206.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार

एतद्वारा "दिल्ली सोसाइटी फार दि बेसफेयर आफ मेनटली रिटारिड चिल्ड्रन, नई दिल्ली" को कर-निधारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अध्ययीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निधारिती ऊपर उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिश्चित किसी एक अथवा एक से अधिक दो अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-खात में स्वैच्छिक अंशदान में भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9092/फा. सं. 197/87-प्रायकर नि.-1]

प्रत चन्द्र, प्रबर सचिव

New Delhi, the 15th September, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1206.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Delhi Society for the Welfare of Mentally Retarded Children, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9092/F. No. 197/87/92-IT (AI)]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1992

प्रायकर

क.आ. 1207 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "ब्यूरो आफ इंडियन स्टैडर्ड्स, नई दिल्ली" को कर-निधारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अध्ययीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निधारिती ऊपर उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिश्चित किसी एक अथवा एक से अधिक दो अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-खात में स्वैच्छिक अंशदान में भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-खाता-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9093/फा. सं. 197/47/87-प्रायकर (नि. 1)]

प्रत चन्द्र, प्रबर सचिव

New Delhi, the 21st September, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1207.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies "Bureau of Indian Standards, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects of the assessee and separate books of account for which it is established ;

- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9093/F. No. 197/47/92-IT (AI)]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1992

प्रायकर

का.आ. 1206—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा “विवेकानन्द निधि, कलकत्ता” को कर-निधारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निधारिती ऊपर उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ठंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहरात फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक ग्रंथदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में भलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हो ।

[अधिसूचना सं. 9096 /फा.सं. 197/79/92-प्रायकर नि-1]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 21st September, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1208.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies “Vivekananda Nidhi, Calcutta” for the purpose of the said

sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9096/F. No. 197/79/92-IT (AI)]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1992

प्रायकर

का.आ. 1209—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा “दि आगा खान फाउण्डेशन, नई दिल्ली” को कर-निधारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निधारिती ऊपर उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ठंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहरात फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक ग्रंथदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में भलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हो ।

[अधिसूचना सं. 9100 /फा.सं. 197/195/91-प्रायकर (नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 24th September, 1992.

## (INCOME-TAX)

S.O. 1209.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies "The Agha Khan Foundation, Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9100/F. No. 197/195/91-IT (AI)]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 मितम्बर, 1992

आयकर

का. आ. 1210.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा "बैंकर भूमि के विकास के संवर्धन के लिए सोसायटी, नई दिल्ली" को करनिधारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित गतों के अध्यधीन रहने हुए उक्त उपखंड के प्रयोगनार्थ प्रधिसूचित करती है, अर्थात्—

- (i) करनिधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) करनिधारिती ऊपर उल्लिखित करनिधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहारात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रखरखाव में स्वैल्हिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह प्रधिसूचना किसी ऐसी आय के मंचवार में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार में प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त करनिधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारो-

बार के संबंध में अलग से लंबा-प्रस्तावित नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9103/फा.सं. 197/24/92-आयकर (मि.-1)]

प्रत्यक्ष घन्ड, अवर सचिव

New Delhi, the 25th September, 1992

## (INCOME-TAX)

S.O. 1210.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies "Society for Promotion of Westelands Development, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of account are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9103/F. No. 197/24/92-IT (AI)]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 मितम्बर, 1992

आयकर

का. आ. 1211.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हाए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा "राष्ट्रीय इन्डिया गांधी कनाकेन्द्र, नई दिल्ली" को करनिधारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहने हुए उक्त उपखंड के प्रयोगनार्थ प्रधिसूचित करती है, अर्थात्—

- (i) करनिधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) करनिधारिती ऊपर-उल्लिखित करनिधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहारात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रखरखाव में स्वैल्हिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी धार्य के संबंध में जागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिति के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसा कारोबार के संबंध में शता लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9105/फा. स. 197/8/92-प्रायकर (नि-1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 29th September, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1211.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies "Indira Gandhi National Centre for the Arts, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objects of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9105/F. No. 197/8/92-IT (AI)  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई विल्ली, 15 अक्टूबर, 1992

प्रयोक्ता

का आ. 1212.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा "रेलवे बैंकेस सेंट्रल आर्गेनाइजेशन नड़दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्याधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है, ग्रथतः—

- (i) कर-निर्धारिति इसकी धार्य का इस्तेमाल अधिकारी इसकी धार्य का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिति ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अधिकारी के द्वारा धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अधिक एक से अधिक तीन अधिकारी

तरीकों से फिल्हे तरीकों से इसकी निर्धारण (जैवर अवाहिरात, फनीचर धार्य के रूप में प्राप्त रेल-रसायन में स्वैच्छिक अंशदाता से भिन्न) का निर्वेष नहीं करेगा अधिकारी उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी धार्य के संबंध में जागू नहीं होगी जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिति के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9109/फा. स. 197/124/91-प्रायकर (नि-1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 15th October, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1212.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies "Railway Women's Central Organisation, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objects of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9109/F. No. 197/124/91-IT (AI)  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई विल्ली, 23 अक्टूबर, 1992

प्रयोक्ता

का आ. 1213.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार "रमना महर्षि मेष्टर कार एनिंग", बंगलौर को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्याधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, ग्रथतः—

- (i) कर-निर्धारिति इसकी धार्य का इस्तेमाल अधिकारी इसकी धार्य का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिति ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अधिकारी

- दोस्रा धारा 11 की उपधारा (5) में विनियमित फिरी एक समय का एक से अधिक छंग प्रथमा नहीं गे भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा प्रथमा उसे जसा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के सम्बन्ध में में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त करनिधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के सम्बन्ध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना संख्या 9114 /फा. सं. 197/97/92-आयकर (नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd October, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1213.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies "Ramana Maharsi Centre for Learning", Bangalore for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objects of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business,

[Notification No. 9114/F. No. 197/97/92-IT (AI)]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1992

(आयकर)

का. आ. 1214.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (IV) द्वारा प्रदन शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एटद्वारा "इण्टरनेशनल कमीशन ऑफ इरीगेशन एण्ड डेवेलपमेंट, नई दिल्ली" को कर-निधारण वर्ष 1989-90 से 1990-91 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्—

- (i) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल प्रथमा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका अन्तर्यान पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के

लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

- (ii) कर-निधारिती ऊपर उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दोस्रा धारा 11 की उपधारा (5) में विनियमित फिरी एक अयश एक ते शक्तिकाल अयश तरीकों से भिन्न तरीकों से इतनी निधि (जेवर जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा प्रथमा उसे जसा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना संख्या 9120 /फा. सं. 197/3/89-आयकर (नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 4th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1214.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "International Commission of Irrigation and Drainage, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1989-90 to 1990-91 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9120/F. No. 197/3/89-IT (AI)]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1992

आयकर

का. आ. 1215.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उप-

खंड (IV) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा "हमवर्व दवाखाना, नई दिल्ली" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निधारण वर्ष 1988-89 से 1989-90 तक के लिए अधिसूचित करती है।

[अधिसूचना संख्या 9123 /फा. सं. 197/156/87-आयकर नि.-1]

शरत चन्द्र, अमर सचिव

New Delhi, the 12th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1215.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Hamdard Dawakhana, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 to 1989-90.

[Notification No. 9123/F. No. 197/156/87-II (AI)]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy

नई दिल्ली, 16 नवंबर, 1993

आयकर

का. आ. 1216.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (IV) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा "ग्रान्ट अश्रम ट्रस्ट, कानहनगढ़, केरल" को कर-निधारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित गतों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निधारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-खात में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के सम्बन्ध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे

कारोबार के संबंध में अन्य से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9126 /फा. सं. 197/22/92-आयकर (नि.-1)]

शरत चन्द्र, अमर सचिव

New Delhi, the 16th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1216.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Anandashram Trust, Kanhagad, Kerala" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous year relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9126/F. No. 197/22/92-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 नवंबर, 1992

(आयकर)

का. आ. 1217.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा "नवाज बाई रतन टाटा ट्रस्ट, बम्बई" को कर-निधारण वर्ष 1989-90 से 1991-92 तक के लिए निम्नलिखित गतों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निधारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-खात में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(iii) यह प्रधिसूचना किसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा प्रभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिति के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में घलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[प्रधिसूचना सं. 9127 / फा. सं. 197/10/91-  
आयकर (नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

(INCOME-TAX)

New Delhi, the 19th November, 1992

S.O. 1217.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Navjai Bai Ratan Tata Trust, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1989-90 to 1991-92 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous year relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9127/F. No. 197/10/91-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 नवंबर, 1992

(आयकर)

का. आ. 1218.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा "फिरोजशा गोदरेज फाउंडेशन, बम्बई" को कर निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के प्रध्याधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है, अर्थात्—

- (i) कर-निर्धारिति इसकी आय का इस्तेमाल प्रथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इस की स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिति ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी प्रविधि के द्वारा धारा 11 की उप-धारा (5) में विनियिष्ट किसी एक प्रथवा एक से प्रधिक बंग प्रथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निपिं (जेवर-

जवाहिरात, फर्नीचर प्रादि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक प्रांशुदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा प्रथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ।

(iii) यह प्रधिसूचना किसी ऐसी आय के सम्बंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा प्रभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिति के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में घलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[प्रधिसूचना सं. 9128 (फा. सं. 197/114/91-  
आयकर (नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 19th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1218.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Pirojsha Godrej Foundation, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous year relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9128/F. No. 197/114/91-ITA-II]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy

नई दिल्ली, 19 नवंबर, 1992

(आयकर)

का. आ. 1219.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा "आर्गेनाइजेशन आफ फार्मस्युटिकल प्रोड्यूसर्स आफ इंडिया, बम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 से 1991-92 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के प्रध्याधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है, अर्थात्—

- (i) कर-निर्धारिति इसकी आय का इस्तेमाल प्रथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्विष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के सम्बन्ध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त नाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त-कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9129/फा. सं. 197/37/92-प्राप्तकर (नि.-I)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 19th November, 1992  
(INCOME-TAX)

S.O. 1219.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Organisation of Pharmaceutical Producers of India, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1989-90 to 1991-92 subject to the following conditions, namely :—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous year relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9129/F. No. 197/37/92-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1992

प्राप्तकर

का. आ. 1220.—प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उप-खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "विकटोरिया टेक्निकल इंस्टीट्यूट, मद्रास" को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोगमार्य अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करते के लिए इसका

संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(ii) कर निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्विष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में नागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त नाभ तथा अभिलाभों के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना संख्या : 9130/फा. संख्या 197/200/91-प्राप्तकर (नि.-I)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 19th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1220.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Victoria Technical Institute, Madras" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous year relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9130/F. No. 197/200/91-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1992

प्राप्तकर

का. आ. 1221.—प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उप-खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "वि.स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स ऑफ गोवा, पणजी" को कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 से 1991-92 तक के लिए

निम्नलिखित शर्तों के अध्ययन रहते हुए उक्त उपचार के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिति इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिति अपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिति के उद्देश्यों की प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से नेत्रा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9132/फा. सं. 197/57/92—  
प्रायकर नि.-I]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 19th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1221.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Sports Authority of Goa, Panaji" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1989-90 to 1991-92 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous year relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9132/F. No. 197/57/92-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1992

प्रायकर

का. आ. ...1222.—प्रायकर अधिनियम, 1961  
1961 का 43 की आरा 10 के उपचार (23-ग) के उप-

चंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "चिल्ड्रन्स फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्ययन रहते हुए उक्त उपचार के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिति इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिति अपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभों के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिति के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से नेत्रा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना संख्या : 9133/फा. संख्या 197/2/91-  
प्रायकर (नि.-I)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 19th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1222.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Children's Film Society of India, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous year relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9133/F. No. 197/2/91-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 1992

आयकर

का. आ. 1223.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “इंडियन एक्स-सर्विसेज लीग, नई दिल्ली” को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित गतों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्मीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त-लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9135/फा. सं. 197/91/92-आयकर (नि.-I)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 25th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1223.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Indian Ex-services League, New Delhi” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture, etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than

in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9135/F. No. 197/91/92-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 1992

आयकर

का. आ. 1224.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “महाराणा प्रताप स्मारक समिति उदयपुर” को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित गतों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्मीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना संख्या-9137/फा. संख्या 197/81/

92-आयकर (नि.-I)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 25th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1224.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby

notifies "Maharana Pratap Smarak Samiti, Udaipur" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9137/F. No. 197/81/92-ITA-II]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1992

(आयकर)

का. आ. 1225.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा "वोलंटरी हैल्प एसोसिएशन आफ इंडिया नई दिल्ली" को कर-निधारण वर्ष 1989-90 से 1991-92 तक के लिए निम्नलिखित गतों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निधारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-खात्र में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में लागू से लेखा पुस्तकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना चंच्चा-9143/का. सं. 197/96/  
92-आयकर (नि. I)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 30th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1225.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Voluntary Health Association of India, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1989-90 to 1991-92 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9143/F. No. 197/96/92-ITA-II]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1992

(आयकर)

का. आ. 1226.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा "इंडियन कार्डिल फार रिसर्च आन इन्टरनेशनल इकामीमिक रिसेशन्स, नई दिल्ली" को कर-निधारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 तक के लिए निम्नलिखित गतों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् —

- (i) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निधारिती ऊपर उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-खात्र में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की

प्राप्ति के लिए प्राप्तिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से नेत्रा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9145/फा. सं. 197/49/92-  
आयकर (नि.-I)]  
शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 17th December, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1226.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Council for Research on International Economic Relations, New Delhi," for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9145/F. No. 197/49/92-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1992

(आयकर)

का. प्रा. 1227.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उप-खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "फेडरेशन आफ एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशन, नई दिल्ली" को कर-निधारण वर्ष 1989-90 से 1991-92 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निधारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी प्रवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनियुक्त किसी एक प्रथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का

निवेद नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में पाया नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त नाभ नथा अभिलाभ के रूप में हो जब कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्राप्तिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से नेत्रा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना संख्या 9146/फा. सं. 197/300/87-  
आयकर (नि.-I)]  
शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 17th December, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1227.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Federation of Indian Export Organisation, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1989-90 to 1991-92 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9146/F. No. 197/300/87-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1992

(आयकर)

का. प्रा. 1228.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उप-खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "हरिजन नेवक संघ, दिल्ली" को कर-निधारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(ii) कर-निधारिती ऊरुलिलिखित कर-निधारण वर्षों में योग्य पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अधिकार के द्वारा न घारा 11 की अप-घारा (5) में निनिधिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निवि (जैव-जाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रब-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्राप्तिगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना नं. 9147/फा. सं. 197/198/91-  
आयकर (नि.- 1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 18th December, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1228.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Harilal Sevak Sangh, Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely,—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9147/F. No. 197/198/91-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 विसम्बर, 1992

(आयकर)

का.आ. 1229.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 10 के खंड (23-सी) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा "परिवार नियोजन फाउण्डेशन, नई दिल्ली" को कर-निधारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित गतों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:-

- (i) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन

पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी उपलब्धता भी गई है;

(ii) कर-निधारिती ऊरुलिलिखित कर-निधारण वर्षों से लगते व गुरुवर्षी वर्षों की किसी भी घारा के द्वारा न घारा 11 की अप-घारा (5) में निनिधिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निवि (जैव-जाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त अथवा रब-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के सम्बन्ध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्राप्तिगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के सम्बन्ध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना नं. 9151/फा. सं. 197/85/92-आयकर  
(नि.- 1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 28th December, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1229.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Family Planning Foundation, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9151/F. No. 197/85/92-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 विसम्बर, 1992

(आयकर)

का.आ. 1230.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा "मुनिवर आशाद चेरीटेबल ट्रस्ट, बंबई" को कर-निधारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक

के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिति इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संबंधन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिति ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से मिल्ने तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशवान से मिलन) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा।
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिति के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9153/फा. सं. 197/56/91-आयकर  
(नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 30th December, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1230.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Muniwar Abad Charitable Trust", Bombay for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9153/F. No. 197/56/91-JT(AI)]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर 1992

(आयकर)

का.आ. 1231.—आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-सी) के

उपखंड (iv) द्वाय प्रदत्त शर्तों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार पुनरद्वारा "प्रशियाई परिवहन विकास संस्थान, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिति इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संबंधन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिति ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से मिल्ने तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशवान से मिलन) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिति के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9154/फा. सं. 197/101/92-आयकर  
(नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 31st December, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1231.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (IV) of clause (23C) of Section 10 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Asian Institute of Transport Development, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9154/F. No. 197/101/92-ITA-II]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई विल्ली, 31 दिसम्बर, 1992

(आयकर)

का.आ. 1232.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा “राष्ट्रीय जल स्रोत विकास अभियान संघ, पुणे” को कर-निधारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्—

- (1) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निधारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निधारण वयों से संगत पूर्ववर्ती वयों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशवान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभियान के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसा कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9159 / फा.सं. 197/165/91-आयकर (नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 31st December, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1232.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (IV) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “National Association of Water Resources Development Agencies, Pune” for the purpose of the said sub-clause of the assessment year 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than

in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9159/F. No. 197/165/91-IT(AI)]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई विल्ली, 31 दिसम्बर, 1992

(आयकर)

का.आ. 1233 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा “कामनवेत्य पालिशमेटरी एसोसिएशन, महाराष्ट्र शाखा” को कर-निधारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्—

- (1) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निधारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निधारण वयों से संगत पूर्ववर्ती वयों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशवान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभियान के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसा कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9157/फा. सं. 197/111/92—आयकर-नि.-1]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 31st December, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1233.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (IV) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Commonwealth Parliamentary Association, Maharashtra Branch” for the purpose of the said sub-clause for

the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9157/F. No. 197/111/92-IT(AI)]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 दिसंबर, 1992

(आयकर)

का. आ. सं. 1234 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शर्कियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा “प्रदर्शन सोसाइटी हैदराबाद, ग्रान्थ प्रदेश” को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित घर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जबाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हैं।

[अधिसूचना सं. 9160 / का. सं. 197/134/92—आयकर (भि.—1)]

शरत चन्द्र, आयकर सचिव

New Delhi, the 31st December, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1234.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (IV) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Exhibition Society, Hyderabad, A.P.” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9160/F. No. 197/134/91(IT(AI)]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1993

(आयकर)

का. आ. सं. 1235 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शर्कियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा “राष्ट्रीय ग्रन्थी विकास निधि, गुवाहाटी” को कर-निर्धारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के लिए निम्नलिखित घर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों इसकी निधि (जेवर-जबाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा

तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अन्वग में नेत्रा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना नं. 9163/ फा. मं. 197/115/92—प्रायकर)  
नि.—।]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 4th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1235.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (IV) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Rashtriya Gramin Vikas Nidhi, Guwahati" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9163/F. No. 197/115/92-IT(AI)]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1993

( प्रायकर )

फा. आ. मं. 1236 :—प्रायकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) की धारा 10 के खंड ( 230ग ) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त नियमों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा “इंडियन एसोसिएशन आंक पालियामेन्टरियन्स ग्रान पापूलेशन एंड डेवलपमेन्ट नई दिल्ली” दिल्ली को करनिधारण वर्ष 1989-90 से 1991-92 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, :—

- करनिधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा ( 5 ) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि ( जेवर, जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशवान से भिन्न ) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा भकेगा;
- यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में नागू नहीं होगी, जो कि कारोबार में प्राप्त नाभ

तथा अभिलाभ के रूप में हो जवतक कि ऐसा कारोबार उक्त करनिधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अन्वग में नेत्रा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना नं. 9167 / फा. मं. 197/181/91—प्रायकर  
( नि.—।)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 6th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1236.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (IV) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Association of Parliamentarians on Population and Development New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1989-90 to 1991-92 subject to the following conditions, namely :—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 ;
- this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9167/F. No. 197/181/91-IT(AI)]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1993

( प्रायकर )

फा. आ. 1237 :—प्रायकर अधिनियम 1961 ( 1961 का 43 ) की धारा 10 के खंड ( 23ग ) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त नियमों का प्रयोग करते हुए बेंद्रीय सरकार एवं द्वारा “मद्रास काउन्सिल फाउन्डेशन, मद्रास” को करनिधारण वर्ष 1991-92 से 1993-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड से प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- करनिधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- करनिधारिता अपर-उल्लिखित करनिधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा ( 5 ) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि ( जेवर, जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशवान से भिन्न ) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा भकेगा;

- (ii) रखा-रखाव में स्वेच्छक अंगदान से भिन्न ) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9168 / का. सं. 197/48 ए/91-आयकर (नि०-१)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 11th January, 1993  
(INCOME-TAX)

S.O. 1237.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (IV) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Madras Craft Foundation, Madras" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9168/F. No. 197/48-A/91-IT(A)  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली 11 जनवरी, 1993

(आपकर)

का. आ. सं. 1238.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "सेंटर फॉर रिसर्च इन रूरल इंडस्ट्रियल डिवेलपमेंट चंडीगढ़" को कर निर्धारण वर्ष 1992 से 1993-94 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसकी संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है।

- (ii) कर-विधारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्ष के मंगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ठंग अथवा तारीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निविजेवर जावाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रखा-रखाव में स्वेच्छक अंगदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं रखा सकेगा।

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्य की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तकाएं नहीं रखो जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9169/का. सं. 197/168/85 आयकर नि-१]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 11th January, 1993  
(INCOME-TAX)

S.O. 1238.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Centre for Research in Rural Industrial Development, Chandigarh" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9169 (F. No. 197/168/85-IT(A))  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1993

(आपकर)

का. आ. 1239.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (—) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "सेंटर फॉर रिसर्च इन रूरल इंडस्ट्रियल डिवेलपमेंट चंडीगढ़" को कर निर्धारण वर्ष 1987-88 से 1989-90 तक के लिए निम्नलिखित

शर्तों के प्रधानीन रहने हुए उक्त उपलब्ध के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करनी है, प्रथम् :—

- (i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक दो अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के स्वप्न में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा, अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त नाभ तथा अभिनाभ के स्वप्न में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रामाणिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अनन्य अन्य ने लेवा पुस्तिकार्य नहीं रखी जाती है।

[अधिसूचना सं. 9170 /फा. सं. 197 168/85  
आयकर नि. ——1]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 14th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1239.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Centre for Research in Rural Industrial Development, Chandigarh" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1987-88 to 1989-90 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment year mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9170 (F. No. 197/68/85-ITA-I)]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली 14 जनवरी, 1993

(आयकर)

का० आ० 1240—आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के

उपलब्ध (iv) द्वारा प्रदत्त शर्तों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार पानद्वारा "प्रशियादिक गोमाहरी, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के प्रधानीन रहने हुए उक्त उपलब्ध के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करनी है, प्रथम् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट एक अथवा एक से अधिक दो अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों में इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के स्वप्न में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;—
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त नाभ तथा अभिनाभ के स्वप्न में हो जब तक नि-ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रामाणिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के खंड में अनन्य ने लेवा पुस्तिकार्य नहीं रखी जाती हो।

[अधिसूचना सं. 9171 /फा. सं. 197  
45 92—आयकर नि——1]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 14th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1240.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Asiatic Society Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9171 (F. No. 197/45/92-ITA-I)]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली 14 जनवरी, 1993

(आयकर)

का. आ. 1241.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा “बाला मंदिर कामराज ट्रस्ट, मद्रास” को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित भांति के अध्यधीन रहते हुए उक्त प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारित उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के स्पष्ट में प्राप्त तथा रस्तरखाब में स्वेच्छिक अंगदान में भिन्न) का निषेध नहीं करेगा अथवा ऐसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (ii) वह अविसूचना किसी ऐसी आय के भवंध में लाग नहीं होगी, जो कि कारोबार में प्राप्त लाभ तथा अभिनाश के स्पष्ट में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिति के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अन्य में लेखा पुस्तिकाण नहीं रखी जाती हों।

[अविसूचना सं. 9173 / फा. सं. 197/119/92-आयकर-नि. -1]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 14th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1241.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Bala Mandir Kamraj Trust Madras” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless

the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9173 (F. No. 197/119/92-ITA-I)  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.]

नई दिल्ली 18 जनवरी, 1993

(आयकर)

का. आ. 1242.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा “मेंट्रल फॉर सोशल स्टडीज, सूरत गुजरात” को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1989-90 तक के लिए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[अविसूचना सं. 9174/फा. सं. 197/109/84-आयकर नि. 1-]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 18th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1242.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies ‘Centre For Social Studies, Surat, Gujarat, for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1985-86 to 1989-90,

[Notification No. 9174(F. No. 197/109/84-ITA-I)  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.]

नई दिल्ली 18 जनवरी, 1993

(आयकर)

का. आ. 1243.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा “संजीवनी ट्रस्ट, एवरेस्ट, बंबई” को कर निर्धारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के लिए निम्नलिखित भांति के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है।
- (ii) कर निर्धारिती उपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के सिए स्पष्ट में

- प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान में भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिति के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9175 / फा. सं. 197 / 147/92 आयकर-नि. -1]

शरत चन्द्र, अवार सचिव

New Delhi, the 18th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1243.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sanjivani Trust, Everest, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-clause (5) of Section 11;
- this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9175 (F. No. 197/147/92-ITA-I)]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली 18 जनवरी, 1993

(आयकर)

का. आ. 1244.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "संगीत महाभास, रती, बंबई" को कर निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- कर-निर्धारिति इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

- कर-निर्धारिति उपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जंघाहिरान, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रखा रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

- यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिति के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9176/फा. सं. 197/55/91—  
आयकर-नि. -1]

शरत चन्द्र, अवार सचिव

New Delhi, the 18th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1244.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sangit Mahabharati, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9176/F. No. 197/55/91-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1993

(आयकर)

का. आ. 1245.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों कर प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "जीवाहुरलाल नेहरू मेमोरियल फण्ड, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96

तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपचांड के प्रयोगनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है।
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तकाएँ नहीं रखी जाती हो।

[अधिसूचना सं. 9177/फा. सं. 197/118/  
92-आयकर नि.-1]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 18th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1245.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Jawaharlal Nehru Memorial Fund, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9177] F. No. 197/118/92-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1993

(आयकर)

का. प्रा. सं. 1246.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपचांड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "तिब्बतन होमस फाउंडेशन, दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपचांड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9178/फा. सं. 197/124/92-आयकर नि.-1]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 18th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1246.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Tibetan Homes Foundation, Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless

the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9178/F. No. 197/124/92-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1993

(आयकर)

का.आ. 1247.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “स्वामीनारायण अक्षरपीठ, शाहीबाग रोड, अहमदाबाद” को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित ग्रन्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिति इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिति ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनियोगित किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रखरखाव में स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिति के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9179/फा.सं. 197/30/92-आयकर नि.-I]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 18th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1247.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Swaminarayan Aksharpith, Shahibaug Road, Ahmedabad” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise

than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9179/F. No. 197/30/92-ITA-II]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1993

(आयकर)

का.आ. 1248.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “राजा राममोहन राय लायब्रेरी फाउन्डेशन, कलकत्ता” को कर-निर्धारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के लिए निम्नलिखित ग्रन्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिति इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करते हुए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिति ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनियोगित किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रखरखाव में स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिति के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9181/फा.सं. 197/31/92-आयकर नि. I]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 18th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1248.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Raja Ram Mohan Roy Library Foundation, Calcutta” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9181] F. No. 197/31/92-ITA-I]

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1993

(आयकर)

का.आ. 1249.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “समीक्षा ट्रस्ट, बम्बई” को कर-निर्धारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अथवा:—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हों जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसा कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9183/फा.नं. 197/74/91-आयकर (नि. 1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 28th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1249.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sameeksha Trust, Bombay” for the purpose of the

said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established,
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9183] F. No. 197/74/91-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1993

(आयकर)

का.आ. 1250.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “श्रागा खाँ रुरल सोर्ट प्रोग्राम (इंडिया), नई दिल्ली” को कर-निर्धारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अथवा:—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसा कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9184/फा. सं. 197/13/93-आयकर (नि. -1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 28th January, 1993

## (INCOME-TAX)

S.O. 1250.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Aga Khan Rural Support Programme (India), New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books if accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9184/F. No. 197/13/93-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1993

(ग्राहकर)

का.आ. 1251.—ग्राहकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संपकार एवं द्वारा "महाराष्ट्र स्टेट भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स, बन्ड्स" को कर-निर्धारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ठंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्पैनिश ग्रंथादान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के स्पष्ट में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए

प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[प्रधिसूचना सं. 9185 /फा.सं. 197/137/92-त्पायकर (नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 28th January, 1993

## (INCOME-TAX)

S.O. 1251.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Maharashtra State Bharat Scouts & Guides, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books if accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9185/F. No. 197/137/92-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1993

(ग्राहकर)

का.आ. 1252.—ग्राहकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा "ગुजरात इकोलाजिकल एजूकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, गांधीनगर" को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों की संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ठंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में

- स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसा कारोबार के संबंध में अलग से नेया-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9186 फा.सं. 197/135/92-आयकर  
(नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 28th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1252.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Gujarat Ecological Education and Research Foundation, Gandhinagar" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9186(F. No. 197/135/92-ITA-I)]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1993

(आयकर)

का.आ. 1253.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री राज राजेष्वरी देवस्थानम द्रस्ट, बंगलौर" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन बूर्जतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिरिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ठंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जबाहिरात, फर्मिचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रखरखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से नेया-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9187 फा.सं. 197/113/92-आयकर  
(नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 28th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1253.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Raja Rajeswari Devasthanam Trust, Bangalore" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9187(F. No. 197/113/92-ITA-I)]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1993

(आयकर)

का.आ. 1254.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्रद्धानन्द महिलाश्रम, बम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निधारिती ऊपर उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9188/फा.सं. 197/12/91-आयकर (नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 28th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1254.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Shradhanand Mahilashram, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
  - the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
  - this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.
- [Notification No. 918/F. No. 197/12/91-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 38 अनवरी, 1993

(आयकर)

का.आ. 1255—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रबल गणितों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "तूरीकोरिन मल्टी पर्सनल सर्विस सोसाइटी,

"तूरीकोरिन" को कर-निधारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अधारीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोगनार्थ अधिसूचित करती है अर्थात् —

- कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- कर-निधारिती ऊपर उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9189/फा.सं. 197/12/92-आयकर (नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 28th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1255.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Turicorin Multipurpose Social Service Society, Turicorin" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9189/F. No. 197/12/92-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1993

(आयकर)

का.आ. 1256—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट, नई दिल्ली” को कर-निधारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिये निम्नलिखित गतों के अध्याधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निधारिती ऊपर उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासादिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9190/फा.सं. 197/123/

92-आयकर (नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवार सचिव

New Delhi, the 28th January, 1993  
(INCOME-TAX)

S.O. 1256.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Indira Gandhi Memorial Trust, New Delhi” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books if accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9190/F. No. 197/123/92-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1993

(आयकर)

का.आ. 1257—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “दि कोयस्बटूर डायोमिस सोसाइटी कोयस्बटूर” को कर-निधारण वर्ष 1992-93 से 1993-94 तक के लिये निम्नलिखित गतों के अध्याधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निधारिती ऊपर उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासादिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना संख्या 9191/फा.सं. 197]

170/91-आयकर (नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवार सचिव

New Delhi, the 28th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1257.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The Coimbatore Diocese Society, Coimbatore” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;

(ii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9191/F. No. 197/170/91-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy

नई दिल्ली, 28 जानवरी, 1993

(आधिकार)

का.आ. 1258.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा “दि कोथम्बटूर डायोसिल सोसाइटी कोथम्बटूर” को कर-निधारण वर्ष 1989-90 से 1991-92 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (1) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निधारिती ऊपर उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, कर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रब-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में में लाभ नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिनाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्राप्तिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना संख्या 9192/फा.सं. 197/170/91-आयकर (नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवार सचिव

New Delhi, the 28th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1258.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The Coimbatore Diocese Society, Coimbatore” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1989-90 to 1991-92 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

1211 GL/93-5.

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9192/F. No. 197/170/91-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy

नई दिल्ली, 28 जानवरी, 1993

(आधिकार)

का.आ. 1259.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा “महाराष्ट्र इनर्जी डिवेलपमेंट एजेंसी, बम्बई” को कर-निधारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (1) कर-निधारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करते के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निधारिती ऊपर उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी (जेवर-जवाहिरात, कर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रब-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लाभ नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिनाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्राप्तिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना संख्या 9193/फा.सं. 197/132/92-आयकर (नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवार सचिव

New Delhi, the 28th January, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1259.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Maharashtra Energy Development Agency, Bombay” for the

purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9193/F. No. 197/132/92-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1993

(आयकर)

का.आ. 1260.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “भारतीय मानक छ्यूरो, नई दिल्ली” को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 और 1991-92 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहारात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यदि अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9195/फा.सं. 197/47/92-आयकर (नि.-I)]

शरत चन्द्र, भ्रवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 1993

#### (INCOME-TAX)

S.O. 1260.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Bureau of Indian Standards, New Delhi” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 and 1991-92 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9195/F. No. 197/47/92-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1993

आयकर

का.आ. 1261.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “दि.एसीसीएन फार दि बेलफेयर आफ परसंसं विद ए मेटल हैंडिकॉप इन महाराष्ट्र” को कर-निर्धारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहारात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

(i) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-

निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9196/फा. सं. 197] 131/  
92-आयकर (नि.-I)]

शरत चन्द्र, अवृत्त सचिव

New Delhi, the 10th February, 1993  
(INCOME-TAX)

S.O. 1261.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Association for the Welfare of Persons with a Mental/Handicap in Maharashtra" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9196/F. No. 197/131/92 ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली 10 फरवरी, 1993

( आयकर )

का. आ. 1262.—आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपर्युक्त (iv) धारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा "हर्टकेयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली" को कर-निधारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 तक के लिए निम्न-लिखित शर्तों के अधार्वात् रहते हुए उपर्युक्त उपर्युक्त के द्वयोग्यार्थ प्रधिसूचित करती है, अर्थात्—

- कर-निधारिती इसकी गय का इस्तेपाल अयवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- कर-निधारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के द्वारा धारा 11 की उन्नारा (5) में विविदिष्ट किसी एक अयवा एक से अधिक छंग अयवा तरीकों से

भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात,) फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अयवा उसे जमा नहीं करवा सकता ;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अमिनाम के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती ने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्राप्तिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अन्य से लेकर पुस्तकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना संख्या 9198/फा. संख्या 197/15/93-आयकर नि--1]

शरत चन्द्र, अवृत्त सचिव

New Delhi, the 10th February, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1262.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Heartcare Foundation of India, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate, books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9198/F. No. 197/15/93-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1993

( आयकर )

का. आ. 1263.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपर्युक्त (iv) धारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा 'महाराष्ट्र प्रताप स्वारक संस्थान, उदयपुर, राजस्थान' को कर-निधारण

वर्ष 1989-90 के लिए उक्त उपचांड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[अधिसूचना नं/9199 फा सं 197/81/92  
आपकर (नि. I)]

शरत चन्द्र मंत्री अवृत्ति

New Delhi, the 10th February, 1993  
(INCOME-TAX)

S.O. 1263.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Maharanapratap Smarak Samiti, Udaipur, Rajasthan" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[Notification No. 9199/F. No. 197/81/92-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1993  
(आपकर)

का.आ.सं. 1264.—आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपचांड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार प्रदाया 'रीचिंग दि अनील्ज ऑफ थिलेज इंडिया, मुम्' को कर निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित गतों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपचांड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अति:—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल भवता इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेण, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वधों से संभव पूर्ववर्ती वधों की किसी भी प्रवधि के बीचन धारा 11 की उपधारा (5) में विनियिष्ट किसी एक अधवा एक से प्रधिक है अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, कलींप, आदि के रूप में प्राप्त तथा रखरखाव में स्थेन्डिक अंशशाल से भिन्न) का निवेश नहीं करेण अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेण;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में ही जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्राप्तिक नहीं ही तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हैं।

[अधिसूचना सं 9290/फा०, सं 198/10/93-आ.फ.नि.-1]  
शरत चन्द्र, अवृत्ति

New Delhi, the 10th February, 1993  
(INCOME-TAX)

S.O. 1264.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Reaching the Unreached of Village India, Madurai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9200/F. No. 197/10/93-ITA-II]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1993

(आपकर)

का.आ.सं. 1265.—आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपचांड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "फैंडस ऑफ मोरल रिपब्लिक (इंडिया), वैचानी, महाराष्ट्र" को कर निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित गतों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपचांड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अति:—

- (1) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेण, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वधों से संभव पूर्ववर्ती वधों की किसी भी प्रवधि के बीचन धारा 11 की उपधारा (5) में विनियिष्ट किसी एक अधवा एक से प्रधिक है अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, कलींप, आदि के रूप में प्राप्त तथा रखरखाव में स्थेन्डिक अंशशाल से भिन्न) का निवेश नहीं करेण अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेण;

- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में ही जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्राप्तिक नहीं ही तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हैं।

[अधिसूचना नं. 9201/टा.नं. 197/143/92-आपकर नि.-1]

शरत चन्द्र, अवृत्ति

New Delhi, the 10th February, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1265.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Friends of Moral Re-Armament (India), Panchgani, Maharashtra" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely:

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the

objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9201/F. No. 197/113/92-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1993

(प्राप्तकर)

का.आ.नं. 1266.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा “विवेकानन्द राम मेमोरियल एंड विवेकानन्द केन्ड्र, मद्रास” को कर निर्धारण कर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित घटों के अध्यात्म रहने हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्—

- (1) कर निर्धारिती इसकी आय का इसेमाल अवयव इसकी आय का इसेमाल करने के लिए इसका मंजूरात पूर्णता तथा अनन्यता उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपाधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अवयव एक से अधिक द्वारा अवयव नरीकों से विवर सरीकों से इसकी निपत्र (जेवर-जवाहिरात पर्सीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-खात्र में स्वेच्छाक अंशदान में भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अवयव उसे जरा नहीं करका सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के मंजूर नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त साध सभा अभिलाष के रूप में ही जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्राप्तिक नहीं हो सका ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9-02/पा.सं. 197/17/93-नायकर (नि-1)]

शरत चन्द्र, प्रबंध सचिव

New Delhi, the 10th February, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1266.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Vivekananda Rock Memorial and Vivekananda Kendra, Madras” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9202/F. No. 197/17/93-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1993

(प्राप्तकर)

का.आ.सं. 1267.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) प्राप्त प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा “हरिजन रेवाह नंग, दिल्ली” को कर निर्धारण कर्ष 1990-91 तक के लिए निम्नलिखित घटों के प्रध्यायों रहने हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्—

(1) कर निर्धारिती इसकी आय का इसेमाल अवयव इसकी आय का इसेमाल करने के लिए इसका मंजूरात पूर्णता तथा अनन्यता उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(2) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपाधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अवयव एक से अधिक द्वारा अवयव नरीकों से विवर सरीकों से इसकी निपत्र (जेवर-जवाहिरात पर्सीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-खात्र में स्वेच्छाक अंशदान में भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अवयव उसे जरा नहीं करका सकेगा;

(3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के मंजूर नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त साध सभा अभिलाष के उपरांत तथा अन्य विवर से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9-02/पा.सं. 197/198/91-प्रायकर (नि-1)]

शरत चन्द्र, प्रबंध सचिव

New Delhi, the 10th February, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1267.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Harijan Sevak Sangh, Delhi” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9203/F. No. 197/198/91-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1993

(प्राप्तकर)

का.आ.सं. 1268.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा “कलकत्ता जोरेस्ट्रियन स्क्री मंडल, कलकत्ता” को कर निर्धारण कर्ष 1992-93 से 1994-95 तक के लिए निम्नलिखित घटों के अध्यात्म रहने हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्—

- (1) कर निर्धारिती इसकी आय का इसेमाल अवयव इसकी आय का इसेमाल करने के लिए इसका मंजूरात पूर्णता तथा अनन्यता उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपाधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अवयव एक से अधिक द्वारा

अधिकारीकों से भिन्न तरीकों से दसकी मिथि (जेवर जडाहिरात कर्नाचर धार्दि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक अंशदाता दि भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे अमा नहीं करना चाहेगा;

- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाम के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिति के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेक्षा-पुस्तिकार्य नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9205/फा.सं. 197/35/92-आयकर (नि I)]

शरत चन्द्र, भवर सचिव

New Delhi, the 10th February, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1268.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Calcutta Zoroastrian Street Mandal, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 and 1991-1992 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any person being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9204/F. No. 197/35/92-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 फरवरी 1993

(आयकर)

का.गा. सं. 1269.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के बंड (23-ग) के उपलब्ध (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का अधोग करते हुए केन्द्रीय गवर्नर एवं दूसरा "कलकत्ता जीरोस्टियन स्वी-मंडल, कलकत्ता" को कर निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1991-1992 तक के लिए निम्नलिखित घटों के अध्याधीन रहते हुए उक्त उपलब्ध के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अधीन :—

- (1) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करते के लिए इसका संबंधन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर निर्धारिती ऊर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से नाना पूर्ववर्ती घटों की किसी भी अवधि के दौरान धारा II की उप धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छन अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी मिथि (जेवर-जडाहिरात, कर्नाचर धार्दि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक अंशदाता से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा, अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाम के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेक्षा-पुस्तिकार्य नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9205/फा.सं. 197/35/92-आयकर (नि I)]  
शरत चन्द्र, भवर सचिव

New Delhi, the 10th February, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1269.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Calcutta Zoroastrian Street Mandal, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9205/F. No. 197/35/92-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 फरवरी 1993

(आयकर)

का.गा. सं. 1270.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के बंड (23-ग) के उपलब्ध (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं दूसरा "भारतीय प्रशासनालैंड्रीय प्रामीण सांस्कृतिक केन्द्र, नई दिल्ली" को कर निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित घटों के अध्याधीन रहते हुए उक्त उपलब्ध के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अधीन :—

- (1) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करते के लिए इसका संबंधन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर निर्धारिती ऊर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संबंध पूर्ववर्ती घटों की किसी भी अवधि के दौरान धारा II की उप धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छन अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी मिथि (जेवर-जडाहिरात, कर्नाचर धार्दि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक अंशदाता से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा, अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाम के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेक्षा-पुस्तिकार्य नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9207/फा.सं. 197/40/93-आयकर (नि.-I)]

शरत चन्द्र, भवर सचिव

New Delhi, the 16th February, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1270.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "India International Rural Cultural Centre, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment

ment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9207[F. No. 197]40/93-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1993

(प्राप्तकर)

का.आ. 1271.—प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त प्रतिपदों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एसडूटारा "हण्डियन काउंसिल फार रिसर्च आन इन्डियनल इकाइमिक रिसेलन्स, नई दिल्ली" भी करनिर्बाचन वर्ष 1990-91 से 1991-92 तक के लिए निम्नलिखित घोटों के अध्ययन रखते हुए उपर्युक्त के प्रयोगनार्थ प्रधिसूचित करती है, भर्यात् :—

- (1) कर निर्वाचिती इसकी आय का इस्तेमाल आवश्यक इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संबंध पूर्णतया तथा अत्यन्त उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थानता की गई है;
- (2) कर निर्वाचिती कार-उल्तिकित कर निर्वरण घोटों से संबंध पूर्ववर्ती घोटों की किसी भी अवधि के दौरान धारा II की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक आवश्यक एक से अधिक ठंडा आवश्यक तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, कर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रक्षरखात में स्वेच्छिक अवशालन से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा आवश्यक उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) मह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अधिनाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उन कर निर्वाचिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए दार्शनिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में प्राप्त लाभ से लेकर पुस्तकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9209 का. सं. 197/23/93-प्राप्तकर (नि-)]

शरत चन्द्र, प्रबन्ध सचिव

New Delhi, the 16th February, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1271.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Kasturba Gandhi Kanya Gurukulam, Vedarapuram, Tanjavur, Tamil Nadu" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9209[F. No. 197]23/93 ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1993

(प्राप्तकर)

का.आ. 1272.—प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त प्रतिपदों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एसडूटारा "हण्डियन काउंसिल फार रिसर्च आन इन्डियनल इकाइमिक रिसेलन्स, नई दिल्ली" भी करनिर्बाचन वर्ष 1990-91 से 1991-92 तक के लिए निर्माणित। यहाँ के अध्ययन रखते हुए उन उपखंड के प्रयोगनार्थ प्रधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) करनिर्वाचिती इसकी आय का इस्तेमाल आवश्यक इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संबंध पूर्णतया तथा अत्यन्त उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थानता की गई है;
- (2) करनिर्वाचिती आर-डिलिभिशन करनिर्बाचन घोटों से संबंध पूर्ववर्ती घोटों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक आवश्यक एक से अधिक ठंडा आवश्यक तरीकों से इसको निधि (जेवर-जवाहिरात, कर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रक्षरखात में स्वेच्छिक अवशालन से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा आवश्यक उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के उद्देश्य में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अधिनाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उन करनिर्वाचिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्राप्तिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेकर नुस्खाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 92126/I. सं. 197/49/92-प्राप्तकर, (नि.-I)]

शरत चन्द्र, अधर प्रधिवेश

New Delhi, the 16th February, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1272.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Council for Research on International Economic Relations, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1991-92 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11,

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9212] [F. No. 197/49/92-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1993

(आधिकार)

का. आ. सं. 1273.—आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा "मुख्या नागरिक कल्याण (टी.बी., कैसर तथा लेपरोसी) निधि, नई दिल्ली", को करनिधारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के प्रधान्यात् रहने हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अधिकृतः—

- (1) करनिधारिती इसकी आय का हस्तेमाल भवान इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्ततया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) करनिधारिती ऊपर-उल्लिखित करनिधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के द्वारीन धारा 11 की उप-धारा (5) में विनियिट किसी एक व्यक्ति एक से अधिक छोटे व्यक्ति वर्गों से भिन्न वर्गों में इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, कर्निचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रक्त-दवाव में स्वैच्छिक अंशदान गे मिल) का निवेश नहीं करेगा अवश्य उन जमा नहीं करका रक्तों के लिए,
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में नहीं होगी, जो कि कारोबार में प्राप्त तथा अन्याय के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त करनिधारिती के उद्देश्यों का प्राप्ति के लिए प्राप्तिकर नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में भलग से लेश्वा-युक्तिकाएँ नहीं रखी जाती हैं।

[अधिसूचना नं. 9214 / का. सं. 197/109/92-आधिकार (नि.-1)]

शरत चन्द्र, भवर मन्त्री

New Delhi, the 16th February, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1273.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Defence Civilians Welfare (T.B. Cancer & Leprosy) Fund, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9214] [F. No. 197/109/92-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1993

(आधिकार)

का.आ. 1274.—आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा "इण्डियन पालियामेंटरी ग्रूप, नई दिल्ली" को करनिधारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के प्रधान्यात् रहने हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अधिकृतः—

- (1) परनिधारिती इसकी आय का हस्तेमाल अवदा इसकी आय का हस्तेमाल करते के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्ततया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) करनिधारिती ऊपर-उल्लिखित करनिधारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के द्वारीन धारा 11 की उप-धारा (5) में विनियिट किसी एक व्यक्ति एक से अधिक छोटे व्यक्ति वर्गों से भिन्न वर्गों में इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, कर्निचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रक्त-दवाव में स्वैच्छिक अंशदान से मिल) का निवेश नहीं करेगा अवश्य उन जमा नहीं करका रक्तों के लिए;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में नहीं होगी, जो कि कारोबार में प्राप्त तथा अन्याय के रूप में हो अथ तक कि ऐसा कारोबार उक्त करनिधारिती के उद्देश्यों का प्राप्ति के लिए प्राप्तिकर नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में भलग से लेश्वा-युक्तिकाएँ नहीं रखी जाती हैं।

[अधिसूचना संख्या 9215 / का.सं. 197/71/92-आ. कर (नि.-1)]

जयर खंड, ग्रदर मन्त्री

New Delhi, the 17th February, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1274.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Parliamentary Group, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9215] [F. No. 197/71/92 ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy

नई दिल्ली, 18 फरवरी 1993

(आधिकार)

का.आ. 1175.—आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त

शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं उच्चारा "नेशनल कार्डिनल अप्लाइड इकानॉमिक रिसर्च, नई विल्ली" की कर्तव्यांगण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित गतों के अधिकार रखते हुए उक्त उपबोर के प्रयोजनार्थी अधिसूचित करती है, प्रयोगतः—

- (i) कर्तव्यांगिती इसकी आय का इस्तेमाल अवश्य इसकी आय का इस्तेमाल करते के लिए इसका संबंध पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर्तव्यांगिती ऊपर उल्लिखित कर्तव्यांगिती से संपत्ति पूर्ववर्ती वर्षों को किसी भी अधिक के द्वारा धारा 11 की उपदारा (5) में विनियोगित किसी एक अवश्या एक से अधिक ढंग अवश्या तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैव-जैवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा राष्ट्रस्वाव में स्वैच्छिक अंशादान से भिन्न) का नियेश नहीं करेगा अवश्या उसे जमा नहीं करता सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अविभाग के रूप में ही जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर्तव्यांगिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसा कारोबार के संबंध में अलग से लेनानुसिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9216 (फा.म. 197/93/92-आयकर नि.-1)]

भारत चार्च, अवर सचिव

New Delhi, the 18th February, 1993  
(INCOME-TAX)

S.O. 1275.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "National Council of Applied Economic Research, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9216/(F. No. 197/93/92-ITA-I)]

SARAT CHANDRA, Under Secy.

नई विल्ली, 19 फरवरी, 1993

(आयकर)

का.मा. 1376—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपबोर (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं उच्चारा "विंडिंग बिल्डिंग इंस्युल, लिमिटेड" की कर्तव्यांगण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित गतों के अधिकार रखते हुए उक्त उपबोर के प्रयोजनार्थी अधिसूचित करती है, प्रयोगतः—

(i) कर्तव्यांगिती इसकी आय का इस्तेमाल अवश्य इसकी आय का इस्तेमाल करते के लिए इसका संबंध पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर्तव्यांगिती ऊपर उल्लिखित कर्तव्यांगिती वर्षों से संतान पूर्ववर्ती वर्षों को किसी भी अवश्य के द्वारा धारा 11 की उपदारा (5) में विनियोगित किसी एक अवश्या एक से अधिक ढंग अवश्या तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैव-जैवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा राष्ट्रस्वाव में स्वैच्छिक अंशादान से भिन्न) का नियेश नहीं करेगा अवश्या उसे जमा नहीं करता सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के गंदंघ में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अविभाग के रूप में ही जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर्तव्यांगिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसा कारोबार के उद्देश्य में अवश्य से लेनानुसिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9218 / फा.सं. 197/30/93-आयकर नि.-1]  
ग्राम चार्च, अवर सचिव

New Delhi, the 19th February, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1276.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Khelaghlar Shishu Nivas & Shiksha Kendra, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9218] F. No. 197/30/93-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई विल्ली, 17 मार्च, 1993

(आयकर)

का.मा. 1277—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपबोर (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं उच्चारा "विंडिंग बिल्डिंग इंस्युल, लिमिटेड" की कर्तव्यांगण वर्ष 1992-93 के लिए निम्नलिखित गतों के अवश्यों रहते हुए उक्त उपबोर के प्रयोजनार्थी अधिसूचित करती है, प्रयोगतः—

- (i) कर्तव्यांगिती इसकी आय का इस्तेमाल अवश्य इसकी आय का इस्तेमाल करते के लिए इसका संबंध पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) करनिधीरिती ऊरु-उल्लिखित करनिधारण घटों से साता पूर्वकी घटों की किसी भी अवधि के द्वारा नाम 11 की उम्मीद (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अवधि एक जिविक ढंग अवधि नामों से बिन्न तरीकों से इसको निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाय में स्थैतिक अंगठत में बिन्न) का निवेश नहीं करेगा। अवधि उसे जाना नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिनाम के रूप में हो जय तक कि ऐसा कारोबार उस करनिधीरिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्राप्तिक नहीं हो तथा ऐसी जारीशास्त्र के संबंध में असाम से लेखा-मुस्तकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9249/फा.सं. 197/54/93-आयकर (नि.-I)]

शरत चंद्र, अवर सचिव

New Delhi, the 17th March, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1278.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Indian Gypsy Works Fellowship Trust, Tamil Nadu" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9249/F. No. 197/54/93-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1993

(आयकर)

का.पा. 1278.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (5) वारा प्रदत्त शर्तों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा "बोफ लानमा बीवन, प्रनृत्यार" को करनिधारण वर्ष 1988-89 से 1990-91 तक के लिए निम्नलिखित घटों के अवधीन रहने हुए उस उपखंड के प्रयोगवार अधिसूचित करती है, शर्ति :—

- (i) करनिधीरिती उसकी आय का इनेमल अवधि इसकी आय का इनेमल करने के लिए इसका संबंध पूर्णतया तथा अन्यथा उस उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थावराकी गई है;
- (ii) करनिधीरिती ऊपर उल्लिखित करनिधारण घटों से साता दूर्व घटों की निसी भी अवधि के द्वारा नाम 11 की उम्मीद (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अवधि एवं से अधिक दौर अवधि तरीकों से बिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाय में स्थैतिक अंगठत में बिन्न) का निवेश नहीं करेगा अवधि उसे जाना नहीं करवा सकेगा;

(i) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिनाम के रूप में हो जय तक कि ऐसा कारोबार उस करनिधीरिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्राप्तिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अवधि से लेखा-मुस्तकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9262/फा.सं. 197/80/87-आयकर (नि.-I)]  
शरत चंद्र, अवर सचिव

New Delhi, the 30th March, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 1278.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Chief Khalsa Diwan, Amritsar" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 to 1990-91 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9262/F. No. 197/80/87-ITA-I]  
SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1993

(आयकर)

का.पा. 1278.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (5) वारा प्रदत्त शर्तों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा "बोफ लानमा बीवन, प्रनृत्यार" करनिधारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के लिए निम्नलिखित घटों के अवधीन रहने हुए उस उपखंड के प्रयोगवार अधिसूचित करती है, शर्ति :—

- (i) करनिधीरिती इसकी आय का इनेमल अवधि इसकी आय का इनेमल करने के लिए इसका संबंध पूर्णतया तथा अन्यथा उस उद्देश्यों के लिए नहीं, जिनके लिए इसकी स्थावराकी गई है;
- (ii) करनिधीरिती ऊरु-उल्लिखित करनिधारण घटों से साता पूर्वकी घटों की निसी भी अवधि के द्वारा नाम 11 की उम्मीद (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अवधि एवं से अधिक दौर अवधि तरीकों से बिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाय में स्थैतिक अंगठत में बिन्न) का निवेश नहीं करेगा अवधि उसे जाना नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिनाम के रूप में हो जय तक कि ऐसा कारोबार करनिधीरिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्राप्तिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अवधि से लेखा-मुस्तकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9263/फा.सं. 197/80/87-आयकर (नि.-I)]  
शरत चंद्र, अवर सचिव



एन्ड्राधारा भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक श्री वी. ए. च. रुद्रा को उनके द्वारा कार्यभार प्रहण करने को तारीख से 28 फरवरी 1995 तक की प्रबंधि के लिए विडिकेट बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. एफ 9/17/92 बी.ओ.आई. (II)]  
के. जी. गोयल, निदेशक

New Delhi, the 17th May, 1993

S.O. 1283.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 3, clause 7 and sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri B. L. Chadha, Chief General Manager, State Bank of India, as the Chairman and Managing Director of the Syndicate Bank, for a period commencing with the date of his taking charge and ending with 28th February, 1995.

[F. No. 9/17/92-B.O.I. (II)]  
K. G. GOEL, Director

नई दिल्ली, 17 मई, 1993

का. आ. 1284—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकौर्ण उपबंध) स्कीम 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिज़िस्ट्रेशन बैंक से परामर्श करने के पश्चात एन्ड्राधारा श्री आर. मर्चेंट वर्तमान महाप्रबंधक, देना बैंक को उनके कार्यभार प्रहण करने की तारीख से 31 मार्च, 1995 को समाप्त होने वाली प्रबंधि तक के लिए बैंक आफ बड़ोदा के पूर्णकालिक निदेशक (कार्यकारी निदेशक के रूप में पदनामित) के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. एफ 9/28/92 बी. ओ. -I(i)]  
के. जी. गोयल, निदेशक

New Delhi, the 17th May, 1993

S.O. 1284.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri P. R. Merchant, presently General Manager, Dena Bank as a whole-time Director (designated as the Executive Director) of the Bank of Baroda for a period commencing with the date of his taking charge and ending with 31st March, 1995.

[F. No. 9/28/92-B.O.I. (i)]  
K. G. GOEL, Director

नई दिल्ली, 17 नई, 1993

का. आ. 1285—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकौर्ण उपबंध) स्कीम 1970 के खण्ड 8 उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय रिज़िस्ट्रेशन बैंक से परामर्श करने के पश्चात एन्ड्राधारा श्री एस. सिंह, वर्तमान महाप्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक को उनके कार्यभार प्रहण करने की तारीख से 31 जुलाई, 1996 को समाप्त होने वाली प्रबंधि तक के लिए इलाहाबाद बैंक के पूर्णकालिक निदेशक (कार्यकारी निदेशक के रूप में पदनामित) के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. एफ 9/28/92-2 बी ओ -I (ii)]  
के. जी. गोयल, निदेशक

New Delhi, the 17th May, 1993.

S.O. 1285.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Dr. S. Singh, presently General Manager of Punjab National Bank, as a whole-time Director (designated as the Executive Director) of the Allahabad Bank for a period commencing with the date of his taking charge and ending with 31st July, 1996.

[F. No. 9/28/92-B.O.I. (ii)]  
K. G. GOEL, Director

नई दिल्ली, 17 मई, 1993

का. आ. 1286—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकौर्ण उपबंध) स्कीम 1980 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय रिज़िस्ट्रेशन बैंक से परामर्श करने के पश्चात एन्ड्राधारा श्री. जी. नारायण, वर्तमान महाप्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक को उनके कार्यभार प्रहण करने की तारीख से पांच वर्ष की प्रबंधि के लिए भू. वै. आफ इंडिया के पूर्णकालिक निदेशक (कार्यकारी निदेशक के रूप में पदनामित) के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. एफ 9/28/92-बी. ओ. I (iii)]  
के. जी. गोयल, निदेशक

New Delhi, the 17th May, 1993

S.O. 1286.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri G. Narayanan, presently General Manager, Punjab National Bank, as a whole-time Director (designated as the Executive Director) of the New Bank of India for a period of five years commencing with the date of his taking charge.

[F. No. 9/28/92-B.O.I. (iii)]  
K. G. GOEL, Director

नई दिल्ली, 17 मई, 1993

का. आ. 1287—राष्ट्रीय बैंक (प्रबंध और प्रकौर्ण उपबंध) स्कीम 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय रिज़िस्ट्रेशन बैंक से परामर्श करने के पश्चात एन्ड्राधारा श्री डी. डी. अवारी, वर्तमान महाप्रबंधक, बैंक आफ इंडिया को उनके कार्यभार प्रहण करने की तारीख से 31 मार्च, 1994 को समाप्त होने वाली प्रबंधि तक के लिए केनरा बैंक के पूर्णकालिक निदेशक (कार्यकारी निदेशक के रूप में पदनामित) के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. एफ. 9/28/92 बी ओ -I (iv)]  
के. जी. गोयल, निदेशक

New Delhi, the 17th May, 1993

S.O. 1287.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri D. D. Avari presently General Manager of Bank of India, as a whole-time Director (designated as the Executive Director) of the Canara Bank for a period commencing with the date of his taking charge and ending with 31st October, 1994.

[F. No. 9/28/92-B.O.I. (iv)]  
K. G. GOEL, Director

मई विस्ती, 17 मई, 1998

का. पा. 1288, —राष्ट्रीयकृषक बैंक (प्रबंध और प्रक्रिया उपबंध) स्थिरीय, 1980 के अन्त 3 के उपलब्ध (1) के साथ पटिया अन्त 3 के उपलब्ध (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात एवं प्रदर्शन आई बी. पी. तनेजा, वर्तमान भारतीयप्रबंधक, रंजाक नेहरान से बैंक को उनके कार्यविधार ग्रहण करने की तारीख से 30 सितम्बर, 1994 को समाप्त होने वाली प्रधान तक के लिए अनुग्रह बैंक के पूर्णकालिक नियोक्त (कार्यकारी नियोक्त के काप में प्रवर्तनित) के हाथ में नियुक्त करती है।

[सं. एफ ०/२८/९२-वी. प्री. -I(v)]

के. जी. गोयल, मिशनरी

New Delhi, the 17th May, 1993

S.O. 1235.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri V. P. Taneja, presently General Manager of Punjab National Bank, as a whole-time Director (designated as the Executive Director) of the Andhra Bank for a period commencing with the date of his taking charge and ending with 30th September, 1994.

[F. No. 9/24/92-B.O.I. (v)]

**K. G. GOEL, Director**

नई विस्तो, 20 मई, 1993

का. पा. 1289.——भारतीय भौतिक विज्ञान से क्या प्रभावितपन, 1964 (1964) का 18 की घटा 9 की उप घटा (1) के बांड (म) के उन-जगह (i) भीर (iii) तथा कण (g) भीर (g क) होता प्रदत्त लक्षणों का प्रयोग करते हुए केवल सरकार एवं दूसरे उन वस्तुओं के प्रयोगात्मक भौतिक विज्ञान मिलके आक बनन, दोन एवं दारा एवं नापर हवली ति. की विस्तृत तंत्रों के क्षेत्र में प्रविशित करती है।

[पा. सं. ६(३) /पार्ट-एक-II/९३)]

New Delhi, the 20th May, 1993

S.O. 1289.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (i) and (iii) of clause (a) and clauses (c) and (ca) of sub-section (1) of section 9 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government hereby notifies that Central Industrial Development Corporation of Daman, Diu and Dadra and Nagar Haveli Limited as a financial institution for the purposes of those clauses.

[F. No. 6(3)/IP-H/93]  
**B. E. SACHIDEVA**, Under Secy.

मुख्य आयकर आयत  
कलानी, 19 मई, 1993

सं. १९३-९४

का. आ. 1290.—मुख्य भाष्यकर भाष्यकृत, कलकत्ता, मुख्य भाष्यकर भाष्यकृत-II कलकत्ता और मुख्य भाष्यकर भाष्यकृत-III कलकत्ता द्वारा प्रियत पूर्व भाष्यकृत संस्कृत 7/82-93 दिनांक 23-2-1993 के अधिक संबोधन करते हुए और भाष्यकर अधिकारीयम् 1981-1981

का 43) की धारा 120 की उपधारा (1) व (2) के द्वारा प्रदर्श शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर दीर्घ, नई विली के एक संख्या 261/3/92-प्राई. टी.जे. के प्रधिकूलना संख्या-9149 विनांक 21-12-92 और एस.ओ. संख्या-39 (६) विनांक 7-1-93 द्वारा प्रदर्श शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस बारे में सुन्न प्रवर्तन प्रथम शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस बारे में पूर्व प्रधिकूलनाओं का प्रतिक्रियण करते हुए, ऐसे प्रधिकृतम् के पूर्व किए गए प्रथम छोड़ दिए मग्न कार्यों को छोड़कर, मैं सुन्न आयकर प्राप्तका-II, कलकाता एवंद्वारा निर्देश देता हूँ कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खण्ड (ए) से (एच) तक, घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) को धारा 25 की उपधारा (ए) के खण्ड (ए) से (भी) तक, घनकर प्रधिनियम, 1958 (1958 का 18) की धारा 22 की उपधारा (ए) के खण्ड (ए) से (ई) तक, कमाई (साम) आतिकर प्रधिनियम, 1984 (1984 का 7) की धारा 11 की उपधारा 1, आज कर अधिनियम, 1974 (1974 का 46) को धारा 15 की उपधारा 1 और आज कर अधिनियम, 1987 (1987 का 35) को धारा 22 को उपधारा 1 और सन्दर्भ गुप्त प्रशिक्षियम, 1953 की धारा 62 में विधिः अद्वेष्यों के भ्रातृपाल स्थान 3 में विनियिष्ट आयकर प्राप्तिकारियों / निर्वारण प्रधिकारियों द्वारा आयकर अथवा घनकर अथवा वानकर अथवा अतिकर अववा आज कर अववा अथवा कर अथवा सन्दर्भ गुप्त देने वाले प्रसंगुष्ट निव्रित्तियों के बारे में संलग्न अनुदूषी के स्तम्भ 2 में उल्लिखित इस लेव के आयकर प्राप्तक (प्रपोल) अपने कार्यों का निवादन करेंगे।

2. जहाँ एक आयकर सरकार, वाहँ अथवा विशेष रेंज अथवा उनके अंतर्गत इस अधिकारीका के अनुसार एक प्रभार से बूसरे में स्थानांतरित हो यहे हों इस अधिकारीका के जारी होने के तुरंत पहले आयकर वाड़/सरकारी/स्टेशन रेंज अथवा उनके द्वारा मैं ही निर्धारित सन्दर्भीय अपील सम्बिल द्वारा तो इस अधिकारीका के प्रभावशाली होने की तिथि से वे आयकर आयुक्त (अपील) विभाग करेंगे जिनके प्रधानमंत्र उक्त वाड़/सरकार/स्टेशन रेंज अथवा उनके अंतर्गत सभी स्थानांतरित किए गए हैं।

3. यह अधिकार दिनांक 3-5-1993 से लाग है।

प्रसादी

मु. भा. भा. II, कलकत्ता के भेद में आद्यकर  
धार्यकृत (अपील) का भेदाधिकार

क्रम सं. आधिकार प्रायुक्त (अपोल) का पदनाम शेषाधिकार

1	2	3
1. आयकर आयुक्त (अपील)-II कलकत्ता।	(क) आयकर उपायुक्त, रेज-2, कलकत्ता के प्रधीन कार्यरत सभी निधीरण भविकारी।  (ख) आयकर उपायुक्त स्पेशल रेज - 4, कलकत्ता और आयकर उपायुक्त स्पे. रेज-4, कलकत्ता के प्रधीनस्थ सभी निधीरण भविकारी।	
2. आयकर आयुक्त (अपील) - 4, कलकत्ता	(क) आयकर उपायुक्त रे-12, कलकत्ता के प्रधीन कार्यरत सभी निधीरण भविकारी।	
3. आयकर आयुक्त(अपील)- 5 कलकत्ता।	(क) आयकर उपायुक्त रे-8, कलकत्ता के प्रधीन कार्यरत सभी निधीरण भविकारी।  (ख) आयकर उपायुक्त रे-18 कलकत्ता	

1	2	3	1	2	3
(न) आयकर उपायुक्त सेवा रेज कलकत्ता और आयकर उपायुक्त स्पेशल रेज-9, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी नियंत्रण अधिकारी।			कलकत्ता और आयकर उपायुक्त स्पेशल रेज-17, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी नियंत्रण अधिकारी।		
(प) आयकर उपायुक्त सेवा रेज-15 कलकत्ता और आयकर उपायुक्त सेवा रेज-15, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी नियंत्रण अधिकारी।					क्र. स. मा. / पुका / मिस्ट्री / 30-93(94) नियोजित दिन, १५ अप्रैल १९९३]
4. आयकर आयकर (प्रमाण)-X	(क) आयकर उपायुक्त रेज-14, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी नियंत्रण अधिकारी।		SO. 1290.—In partial modification of earlier orders Nos. 7/92-93 dated 23-2-1993 passed by the Chief Commissioner of Income-tax, Calcutta, Chief Commissioner of Income-tax-II, Calcutta and Chief Commissioner of Income-tax-III, Calcutta, and in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 120 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in exercise of powers conferred on me by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, vide its Notification No. 9149 in F. No. 261/2/92-ITJ, dated 21-12-1992 and S. O. No. 29(E), dated 7-1-1993 and all other power enabling me in this behalf and in supersession of all earlier notifications made in this behalf, except in respect of things done or omitted to be done before such supersession, I, the Chief Commissioner of Income-tax-II, Calcutta, hereby direct that the Commissioners of Income-tax (Appeals) of this Region as specified in column 2 of the schedule attached hereto, shall perform their functions in respect of such persons assessed to Income-tax or Wealth-tax or Gift-tax or Sur-tax or Interest-tax or Expenditure-tax or Estate Duty by the Income-tax authorities/Assessing Officers specified in column 3 thereof as are aggrieved by any orders mentioned in clauses (a) to (h) of sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961 clauses (a) to (o) of sub-section (1-A) of Section 23 of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) clauses (a) to (e) of sub-section (1-A) of Section 22 of the Gift-tax Act, 1958 (18 of 1958), sub-section 1 of Section 11 of the Companies (Profit) Sur-tax Act, 1984 (7 of 1984), sub-section 1 of Section 15 of the Interest-tax Act, 1974 (45 of 1974) and sub-section 1 of Section 22 of the Expenditure-tax Act, 1987 (35 of 1987) and Section 62 of the Estate Duty Act, 1953.		
	(र) आयकर उपायुक्त रेज-17, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी नियंत्रण अधिकारी।				
	(स) आयकर उपायुक्त से, रेज-3 कलकत्ता और आयकर उपायुक्त से, रेज-3, के अधीनस्थ सभी नियंत्रण अधिकारी।				
	(द) आयकर उपायुक्त सेवा रेज-13 कलकत्ता और आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेज-13, कलकत्ता के सभी नियंत्रण अधिकारी।				
	(ह) आयकर उपायुक्त से, रेज-16 कलकत्ता और आयकर उपायुक्त सेवा रेज-19 कलकत्ता के अधीनस्थ सभी नियंत्रण अधिकारी।				
	(घ) आयकर उपायुक्त सेवा रेज-19 कलकत्ता और आयकर उपायुक्त से, रेज-19, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी नियंत्रण अधिकारी।				
5. आयकर उपायुक्त (अपील)-10	(क) आयकर उपायुक्त रेज-3, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी नियंत्रण अधिकारी।		2. Where an Income-tax Circle, Ward or Special Range or part thereof stands transferred by this notification from one charge to another apical arising out of the assessments made, in this Income-tax Ward/Circle/Special Range or part thereof and pending immediately before the date from which this notification takes effect, before the Commissioner of Income-tax (Appeals) from whose charge that Income-tax Ward/Circle/Special Range or part thereof is transferred shall, from the date from which this notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Commissioners of Income-tax (Appeals) to whom the said Ward/Circle/Special Range or part thereof is transferred.		
	(ख) आयकर उपायुक्त से, रेज-14, कलकत्ता और आयकर उपायुक्त रेज, रेज-14, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी नियंत्रण अधिकारी।				
	(ग) आयकर उपायुक्त से, रेज-17		3. This notification takes effect from 3-5-1993.		

## SCHEDULE

## JURISDICTION OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX (APPEALS) IN THE REGION OF C.C.I.T.-II, CALCUTTA

Sl. Designation of Commissioner No. of Income-tax (Appeals)	Jurisdiction	
1	2	3
1. Commissioner of Income-tax (Appeals)-II, Calcutta.	(a) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, R-2, Calcutta.	

1

7

1

3

2. Commissioner of Income-tax (Appeals)-IV, Calcutta. (a) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, R-12, Calcutta.

3. Commissioner of Income-tax (Appeals)-V, Calcutta. (a) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, R-8, Calcutta.  
(b) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, R-16, Calcutta.  
(c) Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-9, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-9, Calcutta.  
(d) Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. R-15, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. R-15, Calcutta.

4. Commissioner of Income-tax (Appeal)-X, Calcutta. (a) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, R-14, Calcutta.  
(b) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, R-17, Calcutta.  
(c) Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. R-3, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-3, Calcutta.  
(d) Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-13, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-13, Calcutta.  
(e) Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-16, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-16, Calcutta.  
(f) Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-19, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-19, Calcutta.

5. Commissioner of Income-tax (Appeals)-XI, Calcutta. (a) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax Range-3, Calcutta.  
(b) Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-14, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-14, Calcutta.  
(c) Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-17, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-17, Calcutta.

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के प्रधान  
समाहर्ता का कार्यालय  
मद्रास, 19 मई, 1993  
[स. 19/93—सी. ए. (एन. टी.) एम. जैड. ओ.

का. आ. 1291.—एतत् द्वारा भारत सरकार, वित्त  
मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली के दिनांक 18-6-1990  
की अधिसूचना सं. 34/90—सी.ए. (एन. टी.) के अंतर्गत  
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सीमा शुल्क अधिनियम  
1962 (1962 का 52) की धारा 9 के अधीन जारी किए  
गए और भारत सरकार के उत्थाने मंत्रालय के अधोगिक  
अनुमोदन संबिलालय, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित तजिमनाडु  
राज्य के बीच—एम. जी. आर. जिले के भूखात्तकम् तहसील  
के “मंगलम्” गांव को शत-प्रतिशत निर्यातोन्मुख उपकरण  
स्थापित करते के लिए भाण्डागार केन्द्र घोषित किया जाता  
है।

[सी. स. 1/111(48) 39/93—एम. जैड. ओ.]  
जे. रामकृष्णन, प्रधान समाहर्ता

#### OFFICE OF THE PRINCIPAL COLLECTOR OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Madras, the 19th May, 1993  
[C. No. VIII/48/39/93-MZO]

S.O. 1291.—In exercise of the powers conferred by Notification No. 34/90-Customs(NT) dated 18-6-1990 of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi, “Mangalam” village of Madurantakam Taluk, Chengal-MGR District in the State of Tamil Nadu, is hereby declared to be a warehousing station under Section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) for the purpose of setting up of 100 per cent Export oriented units approved by the Government of India, Ministry of Industry, Secretariat for Industrial Approvals, New Delhi.

J. RAMAKRISHNAN, Principal Collector,

वित्त मंत्रालय

(व्यवस्थापन)

नई दिल्ली, 21 मई, 1993

का. आ. 1292.—राष्ट्रपति, भारत के संविधान के अनुच्छेद 77 के खण्ड (3) के अनुसरण में, वित्तीय शक्तियों का प्रस्थायोजन नियम, 1978 का और संशोधन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वित्तीय शक्तियों का प्रस्थायोजन (दूसरा संशोधन) नियम, 1993 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वित्तीय शक्तियों का प्रस्थायोजन नियम, 1978 की अनुसूची 7 में, “मोटर यानों और मोटर साइकिलों का निष्प्रयोज्य ठहराया जाना” से संबंधित प्रविष्टि के सामने स्तम्भ 3 के नीचे पैरा (क) में, “यानों की किस्म” मण्डों से प्रारम्भ होने वाले और “5” अंक पर समाप्त होने वाले भाग के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“यानों की किस्म”	किलोमीटर	वर्ष
(i) भारी वाणिज्यिक मोटर	4,00,000	10
(ii) मोटर यान, जिसमें 20 प्रश्व 3,00,000	8	
शक्ति (आर. ए. सी.) तक के इंजन लगे हैं।		
(iii) मोटर साइकिल, जिसमें 3.5 प्रश्व शक्ति (आर. ए. सी.) या अधिक के इंजन लगे हैं;	1,20,000	7
(iv) मोटर साइकिल, जिसमें 3.5 प्रश्व शक्ति (आर. ए. सी.) से कम के इंजन लगे हैं।	1,20,000	6

[स. एफ. 1(21)-ई-II(ए)/90]  
अनुराधा प्रसाद, प्रबन्ध सचिव

टिप्पणः—अधिसूचना संख्या का. आ. 2(3) तारीख 22 जुलाई,  
1978 द्वारा प्रकाशित वित्तीय शक्तियों का प्रस्थायोजन  
नियम, 1978 के बाद में निम्नलिखित द्वारा संशोधन  
किया गया है :—

- (1) अधिसूचना सं. का. आ. 1887 तारीख 9-6-1979
- (2) अधिसूचना सं. का. आ. 2942 तारीख 1-9-1980
- (3) अधिसूचना सं. का. आ. 2611 तारीख 4-10-1980
- (4) अधिसूचना सं. का. आ. 2164 तारीख 15-8-1981
- (5) अधिसूचना सं. का. आ. 2304 तारीख 5-9-1981
- (6) अधिसूचना सं. का. आ. 3073 तारीख 4-9-1982
- (7) अधिसूचना सं. का. आ. 4171 तारीख 11-12-1982
- (8) अधिसूचना सं. का. आ. 1314 तारीख 26-2-1983
- (9) अधिसूचना सं. का. आ. 2502 तारीख 4-8-1984
- (10) अधिसूचना सं. का. आ. 22 तारीख 5-1-1985
- (11) अधिसूचना सं. का. आ. 1958 तारीख 11-5-1985
- (12) अधिसूचना सं. का. आ. 3082 तारीख 6-7-1985
- (13) अधिसूचना सं. का. आ. 3974 तारीख 24-8-1985
- (14) अधिसूचना सं. का. आ. 6641 तारीख 21-12-85
- (15) अधिसूचना सं. का. आ. 1548 तारीख 19-4-1986
- (16) अधिसूचना सं. का. आ. 3183 तारीख 20-8-1986
- (17) अधिसूचना सं. का. आ. 3787 तारीख 8-11-1986
- (18) अधिसूचना सं. का. आ. 2508 तारीख 19-9-1987
- (19) अधिसूचना सं. का. आ. 3092 तारीख 7-11-1987
- (20) अधिसूचना सं. का. आ. 3581 तारीख 10-12-1988
- (21) अधिसूचना सं. का. आ. 641 तारीख 17-3-1990
- (22) अधिसूचना सं. का. आ. 1469 तारीख 26-5-1990
- (23) अधिसूचना सं. का. आ. 2173 तारीख 18-8-1990
- (24) अधिसूचना सं. का. आ. 3033 तारीख 17-11-90
- (25) अधिसूचना सं. का. आ. 3414 तारीख 22-12-1990
- (26) अधिसूचना सं. का. आ. 534 तारीख 23-2-1991
- (27) अधिसूचना सं. का. आ. 2235 तारीख 24-8-1991
- (28) अधिसूचना सं. का. आ. 547(अ) तारीख  
24-7-1992
- (29) अधिसूचना सं. का. आ. 466 तारीख 13-3-1993

**MINISTRY OF FINANCE**  
**(Department of Expenditure)**  
New Delhi, the 21st May, 1993

S.O. 1292.—In pursuance of clause (3) of article 77 of the Constitution of India, the President hereby makes the following rules further to amend the Delegation of Financial Powers Rules, 1978, namely:—

1. (1) These rules may be called the Delegation of Financial Powers (Second Amendment) Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Schedule VII to the Delegation of Financial Powers Rules, 1978, against the entry relating to condemnation of motor vehicles and motor cycles, under column 3, in para (a), for the portion beginning with the words "Types of vehicles", and ending with the figures "5", the following shall be substituted, namely:—

Type of vehicles	Kilometers	Years
(i) Heavy commercial motor vehicles	4,00,000	10
(ii) Motor vehicles fitted with engines upto 20 H.P. (R.A.C.)	2,00,000	8
(iii) Motor Cycles fitted with engines of 3.5 H.P. (R.A.C.) or above.	1,20,000	7
(iv) Motor cycles fitted with engines of less than 3.5 H.P. (R.A.C.)	1,20,000	6

[No. F. 1(21)-E-II (A) 90]

ANURADHA PRASAD, Under Secy.

Note:- The Delegation of Financial Powers Rules, 1978 published vide Notification No. S.O. 2131, dated 22nd July, 1978 have subsequently been amended by:—

- (i) Notification No. SO. 1887, dated 9-6-1979.
- (ii) Notification No. SO. 2942, dated 1-9-1980.
- (iii) Notification No. SO. 2611, dated 4-10-1980.
- (iv) Notification No. SO. 2164, dated 15-8-1981.
- (v) Notification No. SO. 2304, dated 5-9-1981.
- (vi) Notification No. SO. 3073, dated 4-9-1982.
- (vii) Notification No. SO. 4171, dated 11-12-1982.
- (viii) Notification No. SO. 1314, dated 26-2-1983.
- (ix) Notification No. SO. 2502, dated 4-8-1984.
- (x) Notification No. SO. 22, dated 5-1-1985.
- (xi) Corrigendum No. S.O. 1958, dated 11-5-1985.
- (xii) Notification No. SO. 3082, dated 6-7-1985.
- (xiii) Notification No. SO. 3974, dated 24-8-1985.
- (xiv) Notification No. SO. 5641, dated 21-12-1985.
- (xv) Notification No. SO. 1548, dated 19-4-1986.
- (xvi) Notification No. SO. 3183, dated 20-9-1986.
- (xvii) Notification No. SO. 3787, dated 8-11-1986.
- (xviii) Notification No. SO. 2508, dated 19-9-1987.
- (xix) Notification No. SO. 3092, dated 7-11-1987.
- (xx) Notification No. SO. 3581, dated 10-12-1988.
- (xxi) Notification No. SO. 641, dated 17-3-1990.
- (xxii) Notification No. SO. 1469, dated 26-5-1990.
- (xxiii) Notification No. SO. 2173, dated 18-8-1990.
- (xxiv) Notification No. SO. 3033, dated 17-11-1990.
- (xxv) Notification No. SO. 3414, dated 22-12-1990.
- (xxvi) Notification No. SO. 534, dated 23-2-1991.
- (xxvii) Notification No. S.O. 2235, dated 24-8-1991.
- (xxviii) Notification No. SO. 547 (E), dated 24-7-1992.
- (xxix) Notification No. SO. 466, dated 13-3-1993.

## वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 मई, 1993

का. आ. 1293.—केन्द्रीय सरकार ने, नियर्ति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड-3, उपखंड (ii) तारीख 9 मार्च, 1991 में प्रकाशित भारत सरकार वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 678, तारीख 21 फरवरी, 1991 द्वारा विस्तारित मैटल स्टील की चहरों का नियर्ति करने से पूर्व निरीक्षण करने के लिए, मैसर्से रेल इंडिया टैक्नीकल एंड इकोनोमिक सर्विसेज लिमिटेड एफ 2/2, गिलैंडर हाउस, 8 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-700001 को अभिकरण के रूप में मान्यता दी थी;

और केन्द्रीय सरकार ने नियर्ति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के प्रादेश सं. का. आ. 81, तारीख 20 दिसम्बर, 1991 के अधीन विस्तारित मैटल स्टील की चहरों से संबंधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 4574, तारीख 19 दिसम्बर, 1967 को विब्लिष्ट कर दिया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, नियर्ति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विस्तारित मैटल स्टील की चहरों का नियर्ति करने से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्से रेल इंडिया टैक्नीकल एंड इकोनोमिक सर्विसेज लिमिटेड, एफ 2/2, गिलैंडर हाउस, 8 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-700001 को अभिकरण के रूप में दी गयी मान्यता को वापस लेती है।

[फाईल सं. 5/7/90-ई आई एण्ड ई पी]

कुमारी सुमा सुब्बणा, निदेशक

## MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 24th May, 1993

S.O. 1293.—Whereas in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government had recognised M/s. Rail India Technical and Economic Services Ltd., F-2/2, Gillander House, 8, Netaji Subhash Road, Calcutta-700001 as an agency for the inspection of Expanded Metal Steel Sheets prior to export vide Notification of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S. O. 678, dated 21st February, 1991 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), dated 9th March, 1991;

And whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government has rescinded the Notification of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S. O. 4574, dated 19th December, 1967 relating to Expanded Metal Steel Sheets under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S. O. 81, dated 20th December, 1991;

Now, therefore, in exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby withdraws the recognition granted to M/s. Rail India Technical and Economic Services Ltd., F-2/2, Gillander House 8, Netaji Subhash Road, Calcutta-700001 as an agency for inspection of Expanded Metal Steel Sheets prior to export.

[F. No. 5/7/90-EI&EP]  
KUM. SUMA SUBBANNA, Director,

नई दिल्ली, 24 मई, 1993

का. आ. 1294.—केन्द्रीय सरकार ने, नियर्ति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 9 मार्च, 1991 में प्रकाशित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 681, तारीख 21 फरवरी, 1991 द्वारा विस्तारित मैटल स्टील की चहरों का नियर्ति करने से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्से रेल इंडिया टैक्नीकल एंड इकोनोमिक सर्विसेज लिमिटेड, सी—1, कम्प्यूनिटी सेंटर, आई-आई टी गेट के सामने, एस. डी. एसिया, नई दिल्ली-110016 को अभिकरण के रूप में मान्यता दी थी;

और केन्द्रीय सरकार ने, नियर्ति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के प्रादेश सं. का. आ. 81, तारीख 20 दिसम्बर, 1991 के अधीन विस्तारित मैटल स्टील की चहरों से संबंधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 4574, तारीख 19 दिसम्बर, 1967 को विब्लिष्ट कर दिया है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, नियर्ति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विस्तारित मैटल स्टील की चहरों का नियर्ति करने से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्से रेल इंडिया टैक्नीकल एंड इकोनोमिक सर्विसेज लिमिटेड, सी—1, कम्प्यूनिटी सेंटर, आई-आई टी गेट के सामने, एस. डी. एसिया, नई दिल्ली-110016 को अभिकरण के रूप में दी गयी मान्यता को वापस लेती है।

[फाईल सं. 5/7/90-ई आई एण्ड ई पी]  
कुमारी सुमा सुब्बणा, निदेशक

New Delhi, the 24th May, 1993

S.O. 1294.—Whereas in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government had recognised M/s. Rail India Technical and Economic Services Ltd., C-1, Community Centre, Opposite I.I.T. Gate, S. D. Area, New Delhi-110 016 as an agency for the inspection of Expanded Metal Steel Sheets prior to export vide

Notification of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S. O. 681, dated 21st February, 1991 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated 9th March, 1991;

And whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (77 of 1963), the Central Government has rescinded the Notification of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S. O. 4574, dated 19th December, 1967 relating to Expanded Metal Steel Sheets under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S. O. 81, dated 20th December, 1991;

Now, therefore, in exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby withdraws the recognition granted to M/s. Rail India Technical and Economic Service Ltd., C-1, Community Centre, Opposite I. I. T. Gate, S. D. Area, New Delhi as an agency for the inspection of Expanded Metal Steel Sheets prior to export.

[File No. 5/7/90-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director.

कोयला मंत्रालय

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 14 मई, 1993

का. आ. 1295.—भारत के राजपत्र, तारीख 19 सितम्बर, 1992 के भाग-2, खंड 3, उपखंड (ii) में पृष्ठ क्र. 3762 से 3765 तक प्रकाशित भारत सरकार, कोयला मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2415 तारीख 19 अगस्त, 1992 में :—

पृष्ठ क्र. 3762—

अधिसूचना में—

पंक्ति 2—“भाग 3” के स्थान पर “भाग 2” पढ़ें।

नई दिल्ली, 14 मई, 1993

का०आ० 1296 :—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संलग्नांक का०आ० 607 (अ), तारीख 7 अगस्त, 1992 द्वारा, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 7 अगस्त, 1992 में प्रकाशित की गई थी, उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वित्तिशिष्ट परिषेत की भूमियों का और उन पर के अधिकारों का अर्जन करने के अपने आपमें की सूचना दी थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और मध्य प्रदेश सरकार से परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि,—

(क) इससे संलग्न अनुसूची “क” में वर्णित 13.691 हेक्टर (लगभग) या 33.83 एकड़ (लगभग) भाग की भूमि का और

(ख) इससे संलग्न अनुसूची “ख” के भाग 1, भाग 2, भाग 3 और भाग 4 में वर्णित 735.740 हेक्टर (लगभग) या 1818.06 एकड़ (लगभग) भाग की भूमि में खनिजों का खनन करने, खदान करने, बोर करने, उनकी खुदाई करने और उनकी खोज करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों का, अर्जन किया जाना चाहिए।

पृष्ठ क्र. 3763—

तालिका में, तहसील स्तंभ के नीचे—

ऋग संख्या 2—“सोसागपुर” के स्थान पर “सोहागपुर” ढेंप। और जहाँ कहीं भी “सोसागपुर” शब्द प्रयुक्त हुआ हो, वहाँ “सोहागपुर” पढ़ें।

पृष्ठ क्र. 3764—

ग्राम मर्डिकापा (भाग) में अर्जित किये जाने वाले ज्लाट संख्यांक में— पंक्ति 1—“755 से 754” के स्थान पर “755 से 758” पढ़ें।

पृष्ठ क्र. 3765—

सीमा वर्णन में,

रेखा छ—क, पंक्ति 1—“447, 445, 445, 437” के स्थान पर “447, 446, 445, 437” पढ़ें।

[सं. 43015/9/90—एल एस डब्ल्यू]

बी बी राव, अवर सचिव

#### MINISTRY OF COAL CORRIGENDUM

New Delhi, the 14th May, 1993

S.O. 1295.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Coal Number S. O. 2415, dated the 19th August, 1992 published at pages 3762 to 3769 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii), dated the 19th September, 1992,

at page 3766, in Schedule, against Total, for “064.289 hectares” read “664.289 hectares”;

at page 3767, in plot Numbers acquired in Village Kar-kati (part), in 3rd line, for “361 to 421” read “361 to 431”;

at page 3768, In Boundary Description,—

(i) in line heading B-C, in 2nd line, for “Bimbhorl” read “Bimhori”;

(ii) in line heading C-C1-D, in 4th and 5th line, for “554, 555, 557” read “554, 555, 556, 557”.

[No. 43015/9/90-J.SW]  
B. B. RAO, Under Secy.

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और मध्य प्रदेश सरकार से परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि,—

(क) इससे संलग्न अनुसूची “क” में वर्णित 13.691 हेक्टर (लगभग) या 33.83 एकड़ (लगभग) भाग की भूमि का

(ख) इससे संलग्न अनुसूची “ख” के भाग 1, भाग 2, भाग 3 और भाग 4 में वर्णित 735.740 हेक्टर (लगभग) या 1818.06 एकड़ (लगभग) भाग की भूमि में खनिजों का खनन करने, खदान करने, बोर करने, उनकी खुदाई करने और उनकी खोज करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों का, अर्जन किया जाना चाहिए।

असः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि—

(क) उक्त अनुसूची "क" में वर्णित 13.691 हेक्टर (लगभग) या 33.83 एकड़ (लगभग) माप की भूमि का, और

(ख) उक्त अनुसूची "ख" के भाग 1, भाग 2, भाग 3 और भाग 4 में वर्णित 735.740 हेक्टर (लगभग) या 1818.06 एकड़ (लगभग) माप की भूमि में खनिजों का खनन करने, खदान करने, खोर करने, उनकी खुदाई करने, और उनकी खोज करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों का, अर्जन किया जाता है।

इस प्रधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं० सी-1(ई)/111/जी.प्रार./527-1292, तारीख 3 दिसम्बर, 1992 का निरीक्षण कलक्टर, छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग), कोयला एस्टेट, सिविल लाइन्स, नागपुर-440 001 (महाराष्ट्र) के कार्यालय में किया जा सकता है।

### अनुसूची "क"

पैंच पूर्व खनन व्याक सं० 1

पैंच क्षेत्र

जिला छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश)

### सभी अधिकार

क्रम ग्राम का नाम सं०	पटवारी संकिल संख्यांक	बन्दोबस्त संख्यांक	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियां
1. हरणभट्ट	73	5.98	परासिया	छिदवाड़ा	13.691	भाग
			कुल क्षेत्र :		13.691 हेक्टर (लगभग)	
			या :		33.83 एकड़ (लगभग)	

ग्राम हरणभट्ट में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

253 से 260, 261 भाग, 262 भाग, 263 से 265, 266 भाग, 267 भाग, 268 भाग, 269 भाग, 270 भाग, 272 भाग और 301 भाग।

### सीमा वर्णन :

क—ख

रेखा बिन्दु "क" से आरम्भ होती है और ग्राम हरणभट्ट में प्लाट संख्यांक 266, 262, 268, 267, 272 से होकर गुजरती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख—ग

रेखा ग्राम हरणभट्ट में प्लाट संख्यांक 272, 269, 261, 270, 301 से होकर गुजरती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग—ध—क

रेखा हरणभट्ट और सिराओरी कलां, हरणभट्ट और मंडली ग्रामों की सम्मिलिति सीमा के साथ-साथ चलती है और आरम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

### अनुसूची "ख" भाग 1

पैंच पूर्व खनन व्याक सं० 1

पैंच क्षेत्र

जिला छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश)

### खनन अधिकार

क्रम ग्राम का नाम सं०	पटवारी संकिल संख्यांक	बन्दोबस्त संख्यांक	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियां
1. दिघाबरी	70	266	परासिया	छिदवाड़ा	2.740	भाग
2. सेठिया	72	583	परासिया	छिदवाड़ा	129.560	भाग
			कुल क्षेत्र :		132.300 हेक्टर	

ग्राम दिघाबरी में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

196, 197 भाग, 198 भाग।

ग्राम सेठिया में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1 भाग, 12 भाग, 13 भाग, 16 भाग, 17, 18 भाग, 19 भाग, 20 से 32, 33 भाग, 84 भाग, 85 भाग, 86 भाग, 87 भाग, 90 भाग, 93 भाग, 94 भाग, 95 भाग, 96, 97 भाग, 98 भाग, 99, 100 भाग, 101 भाग, 138 भाग, 139, 140 भाग, 141 से 168, 169 भाग, 170 से 176, 177 भाग, 179 भाग, 180 से 188, 189 भाग, 190 भाग, 191 भाग, 192 से 196, 197 भाग, 198 भाग, 199 से 212, 213 भाग 216 भाग, 217 भाग, 219 भाग, 220 भाग, 221 भाग, 222 भाग, 223 से 225, 226 भाग, 227 से 235, 236 भाग, 242 भाग, 243 भाग, 244, 245 भाग और 257 भाग।

## सीमा वर्णन :

क—ख

रेखा बिन्दु "क" से आरम्भ होती है और ग्राम दिघावनी से होकर पेंच नदी के पश्चिमी किनारे के साथ-साथ चलती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख—ग—घ

रेखा ग्राम दिघावनी से होकर गुजरती है, पेंच नदी को पार करती है, उसके बाद पेंच नदी के साथ-साथ आगे बढ़ती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ—ड—च

रेखा ग्राम सेठिया से होकर गुजरती है, पेंच नदी को पार करती है, उसके बाद प्लाट संख्यांक 16, 18, 13, 12, 33, 84, 85, 86, 87, 94, 93, 95, 100, 101 में आगे बढ़ती है और बिन्दु "च" पर मिलती है।

च—च 1:

रेखा ग्राम सेठिया में प्लाट संख्यांक 101, 98, 97, 140, 138, 169, 177, 179, 197, 189, 190, 191, 198, 213, 216, 217, 219, 226, 220, 221, 222, 236, 242, 243, 257 से होकर गुजरती है और बिन्दु "च 1" पर मिलती है।

च 1—च :

रेखा ग्राम सेठिया से होकर गुजरती है, पेंच नदी को पार करती है, उसके बाद ग्राम दिघावनी में प्लाट संख्यांक 197, 198 से होकर आगे बढ़ती है और आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

## अनुसूची "ख" भाग 2

पेंच पूर्व खनन ब्लाक सं० 1

पेंच क्षेत्र

जिला छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश)

## खनन अधिकार

क्रम ग्राम का नाम सं०	पटवारी सर्किल संख्यांक	मन्दोबस्त संख्यांक	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियाँ
1. सेठिया	72	583	परासिया	छिदवाड़ा	34.791	भाग
2. छिदा	72	178	परासिया	छिदवाड़ा	214.171	भाग
3. घलीबारा	72	145	परासिया	छिदवाड़ा	82.771	भाग
4. पिघारी	72	333	परासिया	छिदवाड़ा	70.227	भाग
						401.960 हेक्टर

ग्राम सेठिया में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

119 भाग, 132 भाग, 133 भाग, 135 भाग, 284 भाग, 287 भाग, 288, 289 से 291 और 292 भाग।

ग्राम छिदा में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1 भाग, 29, 31, 32 भाग, 33, 35 भाग, 63 भाग, 64 भाग, 65 भाग, 80 भाग, 81 भाग, 82 से 85, 112 से 278, 279 भाग, 284 भाग, 285 भाग, 286 भाग, 287 से 312, 313 भाग, 314 भाग 315, 316 भाग, 317 से 333, 334 भाग, 336 भाग, 337 से 342, 343 भाग, 363 भाग, 364, 365 और 366 भाग।

ग्राम घलीबारा में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक

1 भाग, 2 भाग, 3 से 5, 6 भाग, 8 भाग, 9 से 21, 22 भाग, 23, 24 भाग, 25 भाग, 27 भाग, 28 भाग, 29 भाग और 30 भाग।

ग्राम पिंडारी में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1 से 16, 17 भाग, 28 भाग, 29 भाग, 30 भाग, 31 भाग, 32 भाग, 76 भाग, 156 भाग, 157 भाग, 162 भाग, 163 भाग, 164 भाग, 165 भाग, 166 भाग, 167 से 172, 173 भाग, 173 भाग, 174 भाग, 176 भाग, 177 और 178 भाग।

सीमा वर्णन :

छ—ज :

रेखा बिन्दु "छ" से आरम्भ होती है और प्लाट संख्यांक 132 और प्लाट संख्यांक 292 की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम सेठिया से होकर गुजरती है, उसके बाद ग्राम छिदा के प्लाट संख्यांक 334, 343, 363, 366, 336, 314, 313, 366 से होकर आगे बढ़ती है और बिन्दु "ज" पर मिलती है।

ज—श—व—ट :

रेखा छिदा और कुकरमोड़ा, घलीबारा और कुकरमोड़ा, कुकरमोड़ा और पिंडारी ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ चलती है और बिन्दु "ट" पर मिलती है।

ट—ठ :

रेखा ग्राम पिंडारी के प्लाट संख्यांक 175, 178, 176, 175, 173, 166, 165, 164, 163, 162 से होकर गुजरती है और बिन्दु "ठ" पर मिलती है।

ठ—ड :

रेखा ग्राम पिंडारी के प्लाट संख्यांक 162, 157, 156, 32, 31, 30, 29, 28, 17, 76 से होकर गुजरती है, उसके बाद ग्राम घलीबारा के प्लाट संख्यांक 25, 24, 22, 27, 28, 29, 30, 8, 6, 2, 1 से होकर आगे बढ़ती है और बिन्दु "ड" पर मिलती है।

ड—ढ :

रेखा पेंच नदी के मध्य के साथ-साथ चलती है और बिन्दु "ढ" पर मिलती है।

ठ—ण :

रेखा ग्राम छिदा से होकर गुजरती है, पेंच नदी को पार करती है, उसके बाद प्लाट संख्यांक 63, 33, 31, 29, 65 की बाहरी सीमा से आगे बढ़ती है और बिन्दु "ण" पर मिलती है।

ण—त :

रेखा प्लाट संख्यांक 113, 114, 119, 120, 121, 122, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 143, 144, 145, 147, 148, 149, 150, 152, 153, 272 की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम छिदा के प्लाट संख्यांक 65, 63 से होकर गुजरती है और बिन्दु "त" पर मिलती है।

त—थ :

रेखा प्लाट संख्यांक 85 की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम छिदा के प्लाट संख्यांक 81, 63, 80, 279, 284, 285, 286, 334, 336 से होकर गुजरती है और बिन्दु "थ" पर मिलती है।

थ—ष :

रेखा ग्राम सेठिया के प्लाट संख्यांक 287, 284, 135 से होकर गुजरती है और बिन्दु "द" पर मिलती है।

द—छ :

रेखा प्लाट संख्यांक 135 की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम सेठिया के प्लाट संख्यांक 133, 132, 119, 132 से होकर गुजरती है और आरभिक बिन्दु "छ" पर मिलती है।

अनुसूची "ख" भाग 3

पेंच पूर्व खनन ब्लाक सं० १

पेंच क्षेत्र

जिला छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश)

खनन अधिकार

क्रम ग्राम का नाम सं०	पटवारी संकेत संख्यांक	बन्दोबस्त संख्यांक	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिक्किंगां
1. सिरगोरा	73	566	परासिया	छिदवाड़ा	35.962	भाग

ग्राम सिरगोरा में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

196 भाग, 197, 198 भाग, 199 भाग, 201 भाग, 202 भाग, 203 भाग, 204, 205 भाग, 206, 207, 208 भाग, 209 भाग, 210 भाग, 239 भाग और 240 भाग।

## सीमा वर्णन :

ट—घ

रेखा बिन्दु "ट" से आरम्भ होती है और ग्राम सिरगोरा के प्लाट संख्यांक 240, 239, 205, 208, 209, 210 और 196 से होकर गुजरती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ—न :

रेखा ग्राम सिरगोरा के प्लाट संख्यांक 196, 198, 205, 199, 201, 202, 203 से होकर गुजरती है और बिन्दु "न" पर मिलती है।

न—ट :

रेखा मिरगोरा और कुकरमोड़ा ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ चलती है और आरंभिक बिन्दु "ट" पर मिलती है।

अनुसूची "ख" भाग 4

पेंच पूर्व खनन ब्लाक सं० 1

पेंच क्षेत्र

जिला छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश)

## खनन अधिकार :

क्रम सं०	ग्राम का नाम	पटवारी संकिल संख्यांक	झन्धोबस्त संख्यांक	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियाँ
1.	सिरगोरा	73	566	परासिया	छिदवाड़ा	104. 226	भाग
2.	हरणभट्ट	73	598	परासिया	छिदवाड़ा	61. 292	भाग

165. 518 हेक्टर

## कुल खनन अधिकार क्षेत्र

अनुसूची "ख", भाग 1 + भाग 2 + भाग 3 + भाग 4 + 132.300 + 401.960 + 35.962 + 165.518 = 735.740 हेक्टर (लगभग) या 1818.06 एकड़ (लगभग)।

## ग्राम सिरगोरा में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

8 भाग, 9 से 11, 12 भाग, 13 भाग, 16 भाग, 2 भाग, 18 भाग, 19, 264 भाग, 273 भाग, 293 भाग, 295 भाग, 329 भाग, 344 भाग, 345 भाग, 347 भाग, 348 भाग, 349 भाग, 354 भाग, 357 भाग, 358 भाग, 359 भाग, 360 भाग, 361 भाग, 365 भाग, 366 भाग, 367 भाग, 370 भाग, 371 भाग, 372 भाग, 373 भाग, 374 भाग, 375 भाग, 377 भाग, 416 भाग, 420 भाग, 421, 422 भाग, 423 भाग, 424, 425 भाग, 426 भाग, 428 भाग, 429 से 432, 433 भाग, 436 भाग, 441 भाग, 442 भाग, 443 भाग, 444 से 450, 451 भाग, 452 से 455, भाग, 457 भाग, 458 भाग, 459 भाग, 460/3 भाग, 460/4 भाग, 460/5 भाग, 460/6, 461 से 463, 464 भाग और 466 भाग।

## ग्राम हरणभट्ट में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

1 भाग, 2 से 5, 6 भाग, 7, 8, 9 भाग, 11 भाग, 21 भाग, 22 भाग, 23 भाग, 24 भाग, 25 से 30, 31 भाग, 33 भाग, 34 भाग, 137 भाग, 230 भाग, 233 भाग, 239 भाग, 240 भाग, 241 भाग, 242 भाग, 243 भाग, 244 से 252, 262 भाग, 266 भाग, 267 भाग, 268 भाग, 272 भाग, 273 भाग, 274 भाग, 275 भाग, और 276 भाग।

## सीमा वर्णन :

प—फ :

रेखा बिन्दु "प" से आरम्भ होती है और ग्राम सिरगोरा के प्लाट संख्यांक 8, 2, 361, 359, 375, 377, 358, 422, 420, 416, 423, 425, 426, 428, 433, 436, 441, 442, 443 से होकर गुजरती है और बिन्दु "फ" पर मिलती है।

फ—ब—क

रेखा सिरगोरा और मंडला हरणभट्ट और मंडली हरणभट्ट और मंडली ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ चलती है और बिन्दु "क" पर मिलती है।

क—ख

रेखा ग्राम हरणभट्ट के प्लाट संख्यांक 266, 262, 268, 267, 272 से होकर गुजरती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख—भ

रेखा ग्राम हरणभट्ट के प्लाट संख्यांक 272, 273, 274, 276, 266, 230, 233, 243  
242, 240, 239, 137, 6, 9, 11, 24, 23, 22, 21, 31, 33, 34 1 से गुजरती है  
उसके बाद ग्राम सिरगोरा के प्लाट संख्यांक 464, 293, 466 से होकर आगे बढ़ती है और  
बिन्दु "भ" पर मिलती है।

भ—भ 1:

रेखा ग्राम मिरगोरा के प्लाट संख्यांक 466, 264, 293, 460/3 460/4, 460/5, 458  
459, 457, 295, 329, 456, 451, 344, 345, 347 से होकर गुजरती है  
और बिन्दु "भ 1" पर मिलती है।

भ 1—भ—य:

रेखा ग्राम सिरगोरा के प्लाट संख्यांक 347, 348, 349, 354, 422, 357, 273, 359,  
360, 361, 365, 366, 367, 370, 371, 372, 373, 18, 16, 12, 13 से गुजरती  
है और बिन्दु "य" पर मिलती है।

य—प:

रेखा सिरगोरा और कुकरमोड़ा ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ चलती है और आरंभिक  
बिन्दु "प" पर मिलती है।

[सं० 43015/19/92—एल०एस०डब्ल्यू०]

वी० वी० राव, अवर सचिव

New Delhi, the 14th May, 1993

S.O. 1296—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 607 (E) dated the 7th August, 1992 under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in Part-II, Section 3, Sub Section (ii) of the Gazette of India Extraordinary, dated the 7th August, 1992 the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands and rights in the locality specified in the Schedule appended to that notification:

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act has made its report to the Central Government:

And whereas the Central Government after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Madhya Pradesh, is satisfied that—

- (a) the land, measuring 13.691 hectares (approximately) or 33.83 acres (approximately) described in Schedule 'A' appended hereto, and
- (b) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 735.740 hectares (approximately) or 1818.06 acres (approximately) described in Schedule 'B', Part-I, II, III and IV appended hereto, should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that—

- (a) the land, measuring 13.691 hectares (approximately) or 33.83 acres (approximately) described in the said Schedule 'A', and
  - (b) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 735.740 hectares (approximately) or 1818.06 acres (approximately) described in the said Schedule 'B', Part-I, II, III and IV;
- are hereby acquired.

The plan bearing No. C-1 (E)/III/GR/527/1292 dated the 3rd December, 1992 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Chhindwara (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Section), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 (Maharashtra).

**SCHEDULE 'A'**  
**PENCH EAST MINING BLOCK No. 1**  
**PENCH AREA**  
**DISTRICT CHHINDWARA (MADHYA PRADESH)**

All Rights

Sl. No.	Name of village	Patwari circle number	Settlement Number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Haranbhata	73	598	Parasia	Chhindwara	13.691	Part
					Total Area :	13.691	
					hectares		(approximately)
					or		
					33.83 acres		
					(approximately)		

Plot numbers acquired in village Haranbhata:

253 to 260, 261 Part, 262 Part, 263 to 265, 266 Part, 267 Part, 268 Part, 269 Part, 270 Part, 272 Part, 301 Part.

Boundary description:

- a—b      Line starts from point 'a' and passes through village Haranbhata in plot numbers 266, 262, 268, 267, 272 and meets at point 'b'.
- b—c      Line passes through village Haranbhata in plot numbers 272, 269, 261, 270, 301 and meets at point 'c'.
- c—d—a    Line passes along the common boundary of villages Haranbhata and Sirgori Kalan, Haranbhata and Mandli and meets at starting point 'a'.

**SCHEDULE 'B' PART-I**  
**PENCH EAST MINING BLOCK NO. 1**  
**PENCH AREA**  
**DISTRICT CHHINDWARA (MADHYA PRADESH)**

Mining Rights:

Sl. No.	Name of village	Patwari circle number	Settlement number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Dighawani	70	266	Parasia	Chhindwara	2.740	Part
2.	Sethia	72	583	Parasia	Chhindwara	129.560	Part
						132.300 hectares	

Plot numbers acquired in village Dighawani:

196, 197 Part, 198 Part.

Plot numbers acquired in village Sethia:

1 Part, 12 Part, 13 Part, 16 Part, 17, 18 Part, 19 Part, 20 to 32, 33 Part, 84 Part, 85 Part, 86 Part, 87 Part, 90 Part, 93 Part, 94 Part, 95 Part, 96, 97 Part, 98 Part, 99, 100 Part, 101 Part, 138 Part, 139, 140 Part, 141 to 168, 169 Part, 170 to 176, 177 Part, 179 Part, 180 to 188, 189 Part, 190 Part, 191 Part, 192 to 196, 197 Part, 198 Part, 199 to 212, 213 Part, 216 Part, 217 Part, 219 Part, 220 Part, 221 Part, 222 Part, 223 to 225, 226 Part, 227 to 235, 236 Part, 242 Part, 243 Part, 244, 245 Part, 257 Part.

Boundary description:

- A—B      Line starts from point 'A' and passes through village Dighawani along the western bank of Pench River and meets at point 'B'.

B—C—D	Line passes through village Dighawani, crosses Pench River, then proceeds along the centre of Pench River and meets at point 'D'.
D—E—F	Line passes through village Sethia, crosses Pench River, then proceeds in plot numbers 16, 18, 13, 12, 33, 84, 85, 86, 87, 94, 93, 95, 100, 101, and meets at point 'F'.
F—F1	Line passes through village Sethia in plot numbers 101, 98, 97, 140, 138, 169, 177, 179, 197, 189, 190, 191, 198, 213, 216, 217, 219, 226, 220, 221, 222, 236, 242, 243, 257 and meets at point 'F'.
F1—A	Line passes through village Sethia, crosses Pench River, then proceeds through village Dighawani in plot numbers 197, 198 and meets at starting point 'A'.

**SCHEDULE 'B' PART-II  
PENCH EAST MINING BLOCK NO. 1  
PENCH AREA  
DISTRICT CHHINDWARA (MADHYA PRADESH)**

**Mining Rights**

Sl. No.	Name of village	Patwari circle number	Settlement number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Sethia	72	583	Parasia	Chhindwara	34.791	Part
2.	Chhinda	72	178	Parasia	Chhindwara	214.171	Part
3.	Ghaliwara	72	145	Parasia	Chhindwara	82.771	Part
4.	Pindhari	72	333	Parasia	Chhindwara	70.227	Part
401.960 hectares							

**Plot numbers acquired in village Sethia:**

119 Part, 132 Part, 133 Part, 135 Part, 284 Part, 287 Part, 288, 289 to 291 and 292 Part.

**Plot numbers acquired in village Chhinda:**

1 Part, 29, 31, 32 Part, 33, 35 Part, 63 Part, 64, 65 Part, 80 Part, 81 Part, 82 to 85, 112 to 278, 279 Part, 284 Part, 285 Part, 286 Part, 287 to 312, 313 Part, 314 Part, 315, 316 Part, 317 to 333, 334 Part, 336 Part, 337 to 342, 343 Part, 363 Part, 364, 365 and 366 Part.

**Plot numbers acquired in village Ghaliwara:**

1 Part, 2 Part, 3 to 5, 6 Part, 8 Part, 9 to 21, 22 Part, 23, 24 Part, 25 Part, 27 Part, 28 Part, 29 Part and 30 Part.

**Plot numbers acquired in village Pindhari:**

1 to 16, 17 Part, 28 Part, 29 Part, 30 Part, 31 Part, 32 Part, 76 Part, 156 Part, 157 Part, 162 Part, 163 Part, 164 Part, 165 Part, 166 Part, 167 to 172, 173 Part, 174, 175 Part, 176 Part, 177 and 178 Part.

**Boundary description:**

G—H	Line starts from point 'G' and passes through village Sethia along the outer boundary of plot numbers 132 and plot number 292, then proceeds through village Chhinda in plot numbers 334, 343, 363, 366, 316, 314, 313, 366 and meets at point 'H'.
H—I—J—K	Line passes along the common boundary of villages Chhinda and Kukarmunda, Ghaliwara and Kukarmunda, Kukarmunda and Pindhari and meets at point 'K'.
K—	Line passes through village Pindhari in plot numbers 175, 178, 176, 175, 173, 166, 165, 164, 163, 162, and meets at point 'L'.
L—M	Line passes through village Pindhari in plot numbers 162, 157, 156, 32, 31, 30, 29, 28, 17, 76, then proceeds through village Ghaliwara in plot numbers 25, 24, 22, 27, 28, 29, 30, 8, 6, 2, 1 and meets at point 'M'.

M—N	Line passes along the centre of Pench River and meets at point 'N'.
N—O	Line passes through village Chhindwa crosses Pench River, then proceeds along the outer boundary of plot numbers 63, 33, 31, 29, 65 and meets at point 'O'.
O—P	Line passes through village Chhindwa in plot numbers 65, 63, along the outer boundary of plot numbers 113, 114, 119, 120, 121, 122, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 143, 144, 145, 147, 148, 149, 150, 152, 153, 272 and meets at point 'P'.
P—Q	Line passes through village Chhindwa along the outer boundary of plot numbers 85, in plot numbers 81, 63, 80, 279, 284, 285, 286, 334, 336 and meets at point 'Q'.
Q—R	Line passes through village Sethia in plot numbers 287, 284, 135 and meets at point 'R'.
R—G	Line passes through village Sethia along the outer boundary of plot numbers 135, in plot numbers 133, 132, 119, 132 and meets at starting point 'G'.

**SCHEDULE 'B' PART-III**  
**PENCH EAST MINING BLOCK NO. 1**  
**PENCH AREA**  
**DISTRICT CHHINDWARA (MADHYA PRADESH)**

**Mining Rights**

Sl. No.	Name of village	Patwari circle number	Settlement number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Sirgora	73	566	Parasia	Chhindwara	35.962	Part

Plot numbers acquired in village Sirgora:

196 Part, 197, 198 Part, 199 Part, 201 Part, 202 Part, 203 Part, 204, 205 Part, 206, 207, 208 Part, 209 Part, 210 Part, 239 Part and 240 Part.

**Boundary description:**

K—S	Line starts from point 'K' and passes through village Sirgora in plot numbers 240, 239, 205, 208, 209, 210 and 196 and meets at point 'S'.
S—T	Line passes through village Sirgora in plot numbers 196, 198, 205, 199, 201, 202, 203 and meets at point 'T'.
T—K	Line passes along the common boundary of villages Sirgora and Kukarmounda and meets at starting point 'K'.

**SCHEDULE 'B' PART-IV**  
**PENCH EAST MINING BLOCK NO. 1**  
**PENCH AREA**  
**DISTRICT CHHINDWARA (MADHYA PRADESH)**

**Mining Rights**

Sl. No.	Name of village	Patwari circle number	Settlement number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Sirgora	73	566	Parasia	Chhindwara	104.226	Part
2.	Haranbhata	73	598	Parasia	Chhindwara	61.292	Part
						165.518 hectares	

Total Mining Rights area:

Schedule 'B' Part-I + Part-II + Part-III + Part-IV

$$132.300 + 401.960 + 35.962 + 165.518 = 735.740 \text{ hectares}$$

(approximately)

or 1818.06 acres

(approximately)

Plot numbers acquired in village Sirgora:

8 Part, 9 to 11, 12 Part, 13 Part, 16 Part-2, Part, 18 Part, 19, 264 Part, 273 Part, 293 Part, 295 Part, 329 Part, 344 Part, 345 Part, 347 Part, 348 Part, 349 Part, 354 Part, 357 Part, 358 Part, 359 Part, 360 Part, 361 Part, 365 Part, 366 Part, 367 Part, 370 Part, 371 Part, 372 Part, 373 Part, 374, 375 Part, 377 Part, 416 Part, 420 Part, 421, 422 Part, 423 Part, 424, 425 Part, 426 Part, 428 Part, 429 to 432, 433 Part, 436 Part, 441 Part, 442 Part, 443 Part, 444 to 450, 451 Part, 452 to 455, 456 Part, 457 Part, 458 Part, 459 Part, 460/3 Part-460/4 Part-460/5 Part-460/6, 461 to 463, 464 Part and 466 Part.

Plot numbers acquired in village Haranbhata:

1 Part, 2 to 5, 6 Part, 7, 8, 9 Part, 11 Part, 21 Part, 22 Part, 23 Part, 24 Part, 25 to 30, 31 Part, 33 Part, 34 Part, 137 Part, 230 Part, 233 Part, 239 Part, 240 Part, 241 Part, 242 Part, 243 Part, 244 to 252, 262 Part, 266 Part, 267 Part, 268 Part, 272 Part, 273 Part, 274 Part, 275 Part and 276 Part.

Boundary description:

U—V	Line starts from point 'U' and passes through village Sirgora in plot numbers 8, 2, 361, 359, 375, 377, 358, 422, 420, 416, 423, 425, 426, 428, 433, 436, 441, 442, 443 and meets at point 'V'.
V—W—a	Line passes along the common boundary of villages Sirgora and Mandla, Haranbhata and Mandla, Haranbhata and Mandli and meets at point 'a'.
a—b	Line passes through village Haranbhata in plot numbers 266, 262, 268, 267, 272 and meets at point 'b'.
b—X	Line passes through village Haranbhata in plot numbers 272, 273, 274, 276, 266, 230, 233, 243, 242, 241, 240, 239, 137, 6, 9, 11, 24, 23, 22, 21, 31, 33, 34, 1, then proceeds through village Sirgora in plot numbers 464, 293, 466 and meets at point 'V'.
X—Y1	Line passes through village Sirgora in plot numbers 466, 264, 293, 460/3, 460/4, 460/5, 458, 459, 457, 295, 329, 456, 451, 344, 345, 347 and meets at point 'Y1'.
Y1—Y—Z	Line passes through village Sirgora in plot numbers 347, 348, 349, 354, 422, 357, 273, 359, 360, 361, 365, 366, 367, 370, 371, 372, 373, 18, 16, 12, 13 and meets at point 'Z'.
Z—U	Line passes along the common boundary of villages Sirgora and Kukarmounda and meets at starting point 'U'.

[No. 43015/19/92—LSW]

B.B. RAO, Under Secy.

### भावेश

नई विल्डी, 20 मई, 1993

का०प्रा० 1297 :—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन निकाली गई भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०प्रा० 890, तारीख 27 फरवरी, 1992 के, भारत के राजपद, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 21 मार्च, 1992 में प्रकाशित होने पर, उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर के सभी अधिकार (जिसे इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है) उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन, सभी विलगमों से मुक्त होकर, आत्यंतिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए थे;

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिं०, नागपुर (जिसे इसमें इसके पश्चात् सरकारों कम्पनी कहा गया है), ऐसे निबंधनों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार इस निमित अधिरोपित करना उचित समझे, अनुपालन करने के लिए रजामंद है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के सभी अधिकार, तारीख 21 मार्च, 1992 से केन्द्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहने की बजाय, निम्नलिखित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहने हुए, सरकारी कंपनी में निहित हो जाएंगे, अर्थात् :—

- (1) सरकारी कम्पनी, उक्त अधिनियम के उपर्योगों के अधीन अवधारित प्रतिकर, घ्याज, नुकसानी और वैसी ही मद्दों की बाबत किए गए सभी संदायों की केन्द्रीय सरकार को प्रतिपूर्ति करेगी।
- (2) सरकारी कम्पनी द्वारा शर्त (1) के केंद्रीय, सून्दरीय सरकार को संदेय रकमों का अवधारण करने के प्रयोगन के लिए एक अधिकारण का गठन किया जाएगा तथा ऐसे किसी अधिकारण की महावता के लिए

नियुक्त व्यक्तियों के संबंध में उपगत सभी व्यय, सरकारी कम्पनी वहन करेगी और इसी प्रकार, इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के लिए या उनके संबंध में सभी विधिक कार्रवाइयों, जैसे अपील आदि की बाबत उपगत सभी व्यय भी, उक्त सरकारी कम्पनी वहन करेगी।

- (3) सरकारी कम्पनी, केन्द्रीय सरकार या उसके पदाधिकारियों की, ऐसे किसी अन्य व्यय के संबंध में, जो इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के बारे में, केन्द्रीय सरकार या उसके पश्चात्रियों द्वारा या उनके विश्व किन्हीं कार्रवाइयों के संबंध में आवश्यक हो, अतिपूर्ति करेगी।
- (4) सरकारी कम्पनी को, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना, उक्त अधिकार किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित करने की शक्ति नहीं होगी; और
- (5) सरकारी कम्पनी, ऐसे निर्देशों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा जब भी आवश्यक हो, उन भूमि के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए दिए जाएं या अधिगोपित की जाएं, पालन करेगी।

[फारम 43015/14/89-एन०एस० डब्ल्यू०]

बी०बी० राव, अव० सचिव

### ORDER

New Delhi, the 20th May, 1993

S.O. 1297.—Whereas on the publication of the notification of the Government of India in the Ministry of Coal, number S.O. 890, dated the 27th February, 1992 in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii), dated the 21st March, 1992, issued under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the lands and all rights in or over such lands described in the Schedule appended to the said notification (hereinafter referred to as the said lands) vested absolutely in the Central Government free from all encumbrances under sub-section (1) of section 10 of the said Act;

And whereas the Central Government is satisfied that the Western Coalfields Limited, Nagpur (hereinafter referred to as the Government company) is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the said Act, the Central Government hereby directs that the said lands and all rights in or over such lands so vested shall, with effect from the 21st March, 1992, instead of continuing to so vest in the Central Government, vest in the Government company, subject to the following terms and conditions, namely :—

1. the Government company shall reimburse the Central Government all payments made in respect of compensation, interest, damage and the like, as determined under the provisions of the said Act;
2. a tribunal shall be constituted for the purpose of determining the amounts payable to the Central Government by the Government company under condition (1) and all expenditure incurred in connection with any such tribunal and persons appointed to assist the tribunal shall be borne by the Government company and, similarly, all expenditure incurred in respect of all legal proceedings, like appeals, etc., for or in connection with the rights, in or over the said lands so vesting shall also be borne by the Government company;

the Government company shall indemnify the Central Government or its officials against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings by or against the Central Government or its officials regarding the rights, in or over the said lands, so vesting;

the Government company shall have no power to transfer the said lands to any other person without the previous approval of the Central Government;

3. the Government company shall abide by such directions and conditions as may be given or imposed by the Central Government for particular areas of the said lands as and when necessary.

[No. 43015/14/89-LSW]

B. B. RAO, Under Secy.

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 24 मई 1993

का. आ 1298:—भारत के राजपत्र दिनांक 19 सितम्बर, 1992 के भाग II खंड-3, उपखंड (ii) में पृष्ठ क्रमांक 3781 से 3785 पर प्रकाशित भारत सरकार के कोपला मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. 2425 दिनांक 31 अगस्त, 1992 में—

पृष्ठ क्रमांक 3781 पर

2. ग्राम धुगुस में अंजित किए जाने वाले प्लाटों की संख्या के स्थान पर “ग्राम धुगुस में अंजित किए गए प्लाटों की संख्या पढ़िए 1 और “198 ई भाग, 448” खंड के स्थान पर “198” ई भाग 448 खंड भाग” पढ़िए।

1 अनुसूची में कुल क्षेत्र में “या 31.09 एकड़ (लगभग)” के स्थान पर “या 131.09 एकड़ लगभग” पढ़िए।

3. ग्राम नकोडा में अंजित किए जाने वाले प्लाट संख्या के स्थान पर “ग्राम नकोडा में अंजित किए गए प्लाट संख्या” पढ़िए। और जहाँ कहीं यह शब्द प्रयुक्त किया हो उसी स्थान पर नकोडा पढ़िए।

पृष्ठ क्रमांक 3782 पर

4. अनुसूची “ख” में “धुगुस विवृत परियोजना” के स्थान पर “धुगुस विवृत परियोजना” पढ़िए।

5. “ग्राम नकोडा में अंजित किए जाने वाले प्लाट संख्या” के स्थान पर “ग्राम नकोडा में अंजित किए गए प्लाट संख्या” पढ़िए।

6. सीमा बंदन में ग्राम “न—म” के स्थान पर रेखा

“झ-क्ष” पढ़िए। और “अ” बिन्दु पर मिलती है। के स्थान पर और “क्ष” बिन्दु पर मिलती है पढ़िए।

7. रेखा “अ-ट-छ” के स्थान पर रेखा “क्ष-ट-छ” पढ़िए।

पृष्ठ क्रमांक 3783 पर

8. ग्राम नकोड़ा में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्या के स्थान पर “ग्राम नकोड़ा” में अर्जित किए गए प्लाट संख्या” पढ़िए।

[सं. 43015/2/88-एस.एस.डब्ल्यू.]

वी. बी. राओ, अधिकारी सचिव

#### CORRIGENDUM

New Delhi, the 24th May, 1993

S.O. 1298.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 2425 dated the 31st August, 1992, published at pages 3781 to 3785 of the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-Section (ii) dated the 19th September, 1992,

(1) at page 3783, for “No. C-1(E)/III/JJR/4800391” read “No. C-1(E)/III/JJR/480/0391”;

(2) at page 3784,

(i) in SCHEDULE ‘A’, below the line “198E Part, 448-B Part and 448E Part” and above the line “4 Part”, read “plot numbers acquired in village Nakoda”;

(ii) in SCHEDULE ‘B’ in Boundary description, in line heading “G-H”, in second line, for “owner boundary” read “outer boundary”.

[F. No. 43015/2/88/LSW]

B. B. RAO, Under Secy.

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 24 मई 1993

का. आ. 1299.—भारत के असाधारण राजपत्र तारीख 7 अगस्त, 1992 के भाग 2, खण्ड 3, उपखंड (ii) में पृष्ठ संख्या 1 से 4 पर प्रकाशित भारत सरकार, कोयला भवालय की अधिसूचना का ग्रा. संख्या 608 (ग्रा.) तारीख 7 अगस्त, 1992 में—

पृष्ठ क्रमांक 1,—अधिसूचना में,

पंक्ति 7—“ग्रोप तलाश करने” के स्थान पर “अधिक तलाश करने” पढ़े।

पृष्ठ क्रमांक —2,

ग्राम फुरेना (भाग) में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक में— पंक्ति 7, “545/1, 455/2” के स्थान पर “545/1, 545/2” पढ़े।

पृष्ठ क्रमांक —3,

“ग्राम मरवाडोरा (भाग)” के स्थान पर “ग्राम मरवाडोरा (भाग)” पढ़े।

“ग्राम कुवेना (भाग में)” के स्थान पर “ग्राम कुवेना (भाग) में पढ़े और जहां कहीं भी ग्राम कुवेना शब्द प्रयुक्त हुआ हो उसके स्थान पर “ग्राम कुवेना” पढ़े।

ग्राम कुवेना (भाग) में अर्जित किए गए प्लाट संख्याक में—पंक्ति 3, 281/1 282/2, के स्थान पर 281/1, 281/2 पढ़े।

सीमा वर्णन में, रेखा ग—घ

पंक्ति 1, “जनाहीह” के स्थान पर “जूना ठीह” पढ़े।

“घ—इ” के स्थान पर “घ—इ” पढ़े।

रेखा घ—इ में,

पंक्ति 1, “218, 729” के स्थान पर “218, 229” पढ़े।

पृष्ठ क्रमांक 4, रेखा ण—त,

पंक्ति 1, “569, 5/0” के स्थान पर “569, 570” पढ़े।

रेखा त—त1—त2—क,

पंक्ति 2, “196, 193” के स्थान पर “196, 195” पढ़े।

पंक्ति 3, “158, 2531”/” के स्थान पर “158, 253/1” पढ़े।

पंक्ति 4, “ग्राम मराटोरा” के स्थान पर “ग्राम मरवाडोरा” पढ़े।

पंक्ति 4, “270/2, 2/0/1” के स्थान पर “270/2, 270/1” पढ़े।

“सं. 42015/22/87—एस.एस.डब्ल्यू” के स्थान पर “सं. 43015/22/87—एस.एस.डब्ल्यू.” पढ़े।

[सं. 43015/22/87—एस.एस.डब्ल्यू.]  
बी.बी.राओ, अधिकारी सचिव

#### CORRIGENDUM

New Delhi, the 24th May, 1993

S.O. 1299.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Coal S.O. number 608(E), dated the 7th August, 1992, published at pages 1 to 7 of the Gazette of India Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii), dated 7th August, 1992;

1. at page 4, line 8, for “(approximately) o” read “(approximately) or”.

2. at page 5,

(i) in SCHEDULE under column heading District, against serial number 3, for “Bilaspur” read Bilaspur.

- (ii) in Plot numbers acquired in village Koral, (part), in line 1, for "(P), 18(P)" read "1(P), 18(P)";  
 3. at page 6.
- (i) in Plot numbers acquired in village Dhurena (part), in line 4, for "709/1(P), 09/2(P)" read "709/1(P), 709/2(P)";
- (ii) in Plot numbers acquired in village Marawadhora (part), in line 4, for "539 to 571, 572/1" read "539 to 571, 572/1";
- (iii) in Plot numbers required in village Ku-chena (part), in line 1, for "67 to 87, 88(P), 88(P)" read "67 to 87, 88(P)";
- (iv) in Boundary Description,—
- (a) in line heading E-F, in line 2, for "643, 580 583", read "643, 580, 583";
- (b) in line heading F-G, in line 2, for "487, 402", read 487, 492".

[File No. 43015/22/87-LSW]  
 B. B. RAO, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 मई, 1993

का. आ. 1300.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संघीक का. आ. 2566, तारीख 1 अक्टूबर, 1991 द्वारा जो भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपलंड (ii) तारीख 12 अक्टूबर, 1991 में प्रकाशित हुई थी, उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि और उस पर के अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दी है ;

और केन्द्रीय सरकार, का, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और मध्य प्रदेश सरकार से परामर्श करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि—

(क) इससे सलग्न अनुसूची "क" भाग I, भाग II, भाग III में वर्णित 33,819 हेक्टर (लगभग) या 83,570 एकड़ (लगभग) माप की भूमि का; और

(ख) इससे मैलग्न अनुसूची "ख" में वर्णित 670.944 हेक्टर (लगभग) या 1657.969 एकड़ (लगभग) माप की भूमि में खनिजों का खनन करने, खदान करने, बोर करने, उनकी खुदाई करने, उनकी खोज करने उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों का अर्जन किया जाना चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गणितों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि—

(क) अनुसूची "क" भाग I, भाग II, भाग III में वर्णित 33,819 हेक्टर (लगभग) या 83,570 एकड़ (लगभग) माप की भूमि को; और

(ख) उक्त अनुसूची "ख" में वर्णित 670.944 हेक्टर (लगभग) या 1657.969 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि में खनिजों के खनन, खदान, बोर करने, उनकी खुदाई करने, और खनिजों के तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों को अर्जित किया जाता है।

इम अधिसूचना के अधीन वाले के क्षेत्र सं. सी/1 (ई)/III जी/आर/518.0792 तारीख 17 जुलाई, 1992 वाले रेखांक का निरीक्षण कलेक्टर छिंदवाड़ा (म. प्र.) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या वैस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) कोयल एस्टेट, सिलिंग लाइन्स नामपुर-440001 (महाराष्ट्र) के कार्यालय में किया जा सकता है।

### अनुसूची "क" भाग-1

#### ठेसगोरा 'क' ब्लॉक

पैन्च क्षेत्र

जिला—छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश)

#### समस्त अधिकार

क्र. सं.	ग्राम का नाम	पटवारी संकेत संख्या	सेटलमेंट संख्या	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियाँ
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(6)	(7)
1.	मधनी	67	459	परसिया	छिंदवाड़ा	6.685	भाग

ग्राम मर्यादा में अर्जित किए गए प्लाट संख्याएँ :

333/1 भाग, 333/2, 334 भाग, 336, 337, 340 भाग

सीमा वर्णन :—

ख—प—रेखा "ख" बिन्दु से ग्रामभूमि होती है और ग्राम मर्यादा में प्लाट संख्या 334, 333/1 से होकर गुजरती है उसके बाद प्लाट संख्या 333/2 की बाहरी सीमा के साथ चलती है और "ग" बिन्दु पर मिलती है।

ग—प—ड—रेखा ग्राम मर्यादा से गुजरती है और प्लाट संख्या 333/2 की बाहरी सीमा के साथ-साथ गुजरती है और "ड" बिन्दु पर मिलती है।

इ—च—रेखा ग्राम मर्यादा के प्लाट संख्या 333/2, 333/1 की बाहरी सीमा के साथ-साथ गुजरती है। उसके बाद प्लाट संख्या 340 से गुजरती है और प्लाट संख्या 337 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है और "च" बिन्दु पर मिलती है।

च—द—रेखा ग्राम मर्यादा और खोहली की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ गुजरती है और आरम्भिक बिन्दु "द" पर मिलती है।

अनुसूची "क" भाग-II

ठेसगोरा "क" प्लाट

पेंच क्षेत्र

जिला—छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश)

समस्त आधिकार :—

क्रम संख्या ग्राम का नाम	पटवारी संकेत संख्या	सेटलमेंट संख्या	तहसील	जिला	क्षेत्र हैक्टर में	टिप्पणियाँ	
( 1 )	( 2 )	( 3 )	( 4 )	( 5 )	( 6 )	( 7 )	( 8 )
1. ठेसगोरा	67	222	परसिया	छिदवाड़ा	10,961		भाग

ग्राम ठेसगोरा में अर्जित किए गए प्लाट संख्याएँ :

1/1 भाग, 2, 3 भाग, 16, 17, 18/1, 18/2, 19 से 27, 28 भाग

सीमा वर्णन :—

क—ख—रेखा 'क' बिन्दु से ग्रामभूमि होती है और ग्राम ठेसगोरा से होकर गुजरती है और प्लाट संख्या 17, 18/2, 18/1, की बाहरी सीमा के साथ-साथ गुजरती है। उसके पश्चात् प्लाट संख्या 28 से गुजरती है और "ख" बिन्दु पर मिलती है।

ग—ग—रेखा ग्राम ठेसगोरा से होकर गुजरती है और प्लाट संख्या 28, 27 की बाहरी सीमा के साथ-साथ गुजरती है, उसके पश्चात् प्लाट संख्या 11 से गुजरती है और "ग" बिन्दु पर मिलती है।

ग—घ—रेखा ग्राम ठेसगोरा में प्लाट संख्या 3 से होकर गुजरती है। उसके पश्चात् प्लाट संख्या 22, 21, की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है और "घ" बिन्दु पर मिलती है।

घ—य—रेखा ग्राम ठेसगोरा से गुजरती है और प्लाट संख्या 21, 20, 16, 17 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है और आरम्भिक बिन्दु 'य' पर मिलती है।

अनुसूची 'क' भाग-III

ठिरगोर 'क' छलाक

पंच क्षेत्र

जिला—छिदवाड़ा (मध्य-प्रदेश)

## भास्तु अधिकार

क्र.सं.	ग्राम का नाम	पटवारी संकेत सेटलमेंट संख्या	तहसील संख्या	जिला	हैक्टर में	टिपणियाँ
1.	ठिरगोरीकला	67	567	परसिया	छिदवाड़ा	14,707 भाग
2.	मंडली	73	454	परसिया	छिदवाड़ा	1,466 भाग

अनुसूची 'क' भाग-I + भाग-II + भाग-III का यस्ता अधिकार बाला कुल क्षेत्र :

$$6,685 + 10,961 + 15,173 =$$

 $= 33,819 \text{ हैक्टेयर (लगभग)}$ 

या

83,570 एकड़ (लगभग)

ग्राम ठिरगोरीकला में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :

77/1, 77/2, 78 से 80, 81 भाग, 82/1 भाग, 82/2 भाग, 83/1 भाग, 83/2 भाग, 84 भाग, 85, 86, 91, 93/1

भाग, 94/1, 94/2 भाग, 94]3

ग्राम मंडली में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक :—

383 भाग, 388 भाग, 390 भाग, 399 भाग, 400 भाग, 401 भाग,

410 भाग, 411 भाग, 412 भाग, 414 भाग, 415 भाग,

सीमा वर्णन:—

उ—उ—रेखा "उ" विन्दु से आरंभ होती है और ठिरगोरीकला में प्लॉट सं. 94/2 में से होकर गुजरती है। उसके पश्चात् प्लॉट मं. 94/3, 94/1, 91, 86 की बाहरी सीमा से होकर गुजरती है। उसके पश्चात् प्लॉट सं. 81 से गुजरती है और "उ" विन्दु पर मिलती है।

उ—ठ—रेखा ग्राम ठिरगोरीकला और हरणभाटा तथा मंडली की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ गुजरती है और "उ" विन्दु पर मिलती है।

उ—ज—रेखा ग्राम मंडली में प्लॉट नं. 415, 414, 412, 411, 410, 401, 400, 399, 390, 388 में गुजरती है और विन्दु "ज" पर मिलती है।

ज—झ—रेखा ग्राम मंडली और मंडला की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ गुजरती है और "झ" विन्दु पर मिलती है।

झ—आ—रेखा ग्राम मंडली में प्लॉट सं. 343, 388, 390, 399, 400, 401, 410, 411, 412, 414, 415 में गुजरती है और "आ" विन्दु पर मिलती है।

आ—ट—रेखा ग्राम ठिरगोरीकला से होकर गुजरती है और और प्लॉट संख्याक 77/2, 77/1, 79, 80 की बाहरी सीमा के साथ-साथ गुजरती है और "ट" विन्दु पर मिलती है।

ट—उ—रेखा ग्राम ठिरगोरीकला से गुजरती है और प्लॉट मं. 80 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है तथा "ट" विन्दु पर मिलती है।

उ—ड—रेखा ग्राम ठिरगोरीकला में प्लॉट मं. 82/1, 82/2, 83/1, 83/2, 84 में होकर गुजरती है और प्लॉट "ड" विन्दु पर मिलती है।

ड—इ—रेखा ग्राम ठिरगोरीकला में प्लॉट सं. 84 की बाहरी सीमा के साथ-साथ गुजरती है और "ड" विन्दु पर मिलती है।

इ—ग—रेखा ग्राम ठिरगोरीकला से होकर गुजरती है। उसके पश्चात् प्लॉट सं. 85, 86, 91, 94/1, 94/3, 94/2 की बाहरी सीमा के साथ-साथ गुजरती है। उसके पश्चात् प्लॉट सं. 93/1 से जाती है तथा "ग" विन्दु पर मिलती है।

ग—र—रेखा ग्राम ठिरगोरीकला से होकर गुजरती है और प्लॉट सं. 93/1, 94/2 की बाहरी सीमा के साथ-साथ गुजरती है तथा आरम्भिक विन्दु "र" पर मिलती है।

अनुसूची “ख”

ठेसगोग “क” ल्लाक

पेंच क्षेत्र

जिला छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश)

खनन प्रधिकार

क्रम सं.	ग्राम का नाम	पटवारी संकिल सं.	मैटलमेट सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र हैक्टर में	टिप्पणी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1.	मथनी	67—459		परसिया	छिदवाड़ा	309. 547 भाग	
2.	ठेसगोरा	67—222		परसिया	छिदवाड़ा	56. 27 भाग	
3.	सिरगोरीकला	67. 567		परसिया	छिदवाड़ा	64. 808 भाग	
4.	मंडली	73. 454		परसिया	छिदवाड़ा	240. 562 भाग	

समस्त खनन प्रधिकार क्षेत्र :—

670. 944 हैक्टर (लगभग)

या

1657. 969 एकड़ (लगभग)

ग्राम मथनी में अंजित किए गए ज्ञाट संख्याक

33 भाग, 39, 41 भाग, 42 भाग, 44 भाग, 45 भाग, 46/1 भाग, 46/2, 47 भाग, 48, 49, 50 भाग, 53 भाग, 54 से 73  
 74/1 भाग, 74/4, 74/3, 75/1, 75/2, 76 से 92, 93/1, 93/2, 94 से 97, 98/1—2, 99 से 101,  
 102 भाग, 103, 104 भाग 105 से 109, 110 भाग, 177 भाग, 180 भाग 191 भाग, 192 से 207, 208 भाग 209, 210 भाग  
 211 से 214, 215 भाग, 216, 217, 218 भाग, 219 220 221 भाग, 222 भाग, 252 भाग, 253 भाग, 254 भाग,  
 255 से 281, 282 से 1—2—3, 283 से 332, 333/1 भाग, 333/3, 334 भाग 335, 338, 339 340 भाग  
 341 से 349, 350/1—2—3, 351 से 353

ग्राम ठेसगोरा में अंजित किए गए ज्ञाट संख्याक

1/1 भाग, 1/2, 3 भाग, 4 से 9, 10/1, 10/2, 11 भाग, 13 भाग, 28 भाग 29/1, 29/2, 29/3, 30/3 / 31 भाग,  
 32 भाग, 33 भाग 34 भाग, 45 भाग, 45 से 48, 49 भाग, 50 भाग, 51 भाग, 77/1 भाग

ग्राम सिरगोरीकला में अंजित किए गए ज्ञाट संख्याक

22/2 भाग, 139 भाग 153 भाग, 157 भाग, 158 से 164, 165/1 165/2, 166/1, 166/2, 167 भाग, 168  
 भाग, 169 से 180, 181 भाग, 182, 183, 184 भाग, 185 भाग, 186 भाग, 187 भाग, 188/1  
 भाग

ग्राम मंडली में अंजित किए गए ज्ञाट संख्याक

11 भाग, 19 भाग, 20 भाग, 21 भाग, 22 भाग, 23 से 26, 27 भाग, 28 भाग, 29 भाग, 30 भाग, 31 भाग, 38 भाग,  
 41 भाग, 42 भाग, 43 से 48, 49 भाग, 50 भाग, 51 भाग, 54 भाग, 55 से 57, 58 भाग, 60 भाग, 61 भाग, 62  
 भाग, 63, 64, 65 भाग, 64 से 264, 265 भाग 266 भाग, 267 268, भाग 269 से 326, 327 भाग  
 328 से 345, 346 भाग, 347 भाग, 348 भाग, 383 भाग,

सीमा वर्णन :—

क—ख—रेखा “क” बिन्दु से आरंभ होती है और ग्राम मथनी सशा मोहसी की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ  
 चलती है और “ख” बिन्दु पर मिलती है।

ख—ग—रेखा ग्राम मथनी में प्लाट सं. 334 से होकर गुजरती है। उसके पश्चात् प्लाट सं. 335 की बाहरी सीमा के साथ साथ गुजरती है और प्लाट सं. 333/1 में होकर जाती है। इसके पश्चात् प्लाट सं. 333/3 की बाहरी सीमा के साथ साथ चलती है तथा “ग” बिन्दु पर मिलती है।

ग—घ—इ—रेखा ग्राम मथनी में प्लाट सं. 332, 347, 346, 343 की बाहरी सीमा के साथ साथ चलती है और “इ” बिन्दु पर मिलती है।

ह—च—रेखा ग्राम मथनी में प्लाट सं. 342 की बाहरी सीमा से होकर गुजरती है और प्लाट सं. 340 में से जाती है। उसके पश्चात् प्लाट सं. 338 की बाहरी सीमा के साथ साथ चलती है और “च” बिन्दु पर मिलती है।

च—ड—इ—रेखा ग्राम मथनी मोहली और मथनी, ठेसगोरा की सम्मिलित सीमा के साथ साथ गुजरती है और “इ” बिन्दु पर मिलती है।

उ—ड—ण—रेखा ठेसगोरा में प्लाट संख्या 77/1 51, 50, 49, 54, 45, 31, 32, 33, 34 से होकर गुजरती है और “ण” बिन्दु पर मिलती है।

ण—त—रेखा ग्राम सरकारी बन और ग्राम ठेसगोरा की सम्मिलित सीमा से होकर गुजरती है तथा “ट” बिन्दु पर मिलती है।

त—थ—1 रेखा ग्राम ठेसगोरा में प्लाट सं. 11, 13, 12, में होकर गुजरती है और “थ” 1 बिन्दु पर मिलती है।

थ—1 ध—रेखा ग्राम सिरपीरीकला में प्लाट संख्याक 184, 185 186 187 188/1, 181 139 158, 167, 153, 157, 22/2 में होकर गुजरती है तथा “ध” बिन्दु पर मिलती है।

थ—द—रेखा ग्राम बिरोरीकला और मंडली की सम्मिलित सीमा के साथ साथ गुजरती है तथा “द” बिन्दु पर मिलती है।

द—घ—रेखा ग्राम मंडली में प्लाट सं. 327, 346 348, 347, 268, 266, 265, 383 में होकर गुजरती है, और “घ” बिन्दु पर मिलती है।

ध—न—प—रेखा ग्राम मंडली और मंडला की सम्मिलित सीमा के साथ साथ गुजरती है और “प” बिन्दु पर मिलती है।

प—फ—रेखा ग्राम मंडली में प्लाट सं. 19, 20 21 22, 27, 28, 29, 30, 31, 42, 41, 38, 11, 49, 50, 51, 54, 58, 61, 60, 62, 65 में होकर गुजरती है और “फ” बिन्दु पर मिलती है।

फ—ब—भ—रेखा ग्राम मंडली और झुरी और मथानी, झुरी की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ गुजरती है तथा “भ” बिन्दु पर मिलती है।

भ—क—रेखा ग्राम मथनी में प्लाट सं. 53, 50, 47, 46/1, 45, 74/1 44, 33, 42, 41, 102, 110, 104, 191, 208, 210, 180, 215, 177, 221, 218, 252, 253, 254 में होकर गुजरती है तथा आरम्भिक बिन्दु “क” पर मिलती है।

[संख्या 43015/9/89—एल. एस. डेव्हल्प]

बी. बी. राव, अवार सचिव

New Delhi, the 25th May, 1993

S.O. 1300 — Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 2566 dated the 1st October, 1991 under sub-section (1) or section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii), dated the 12th October, 1991, the Central Government gave notice of its intention to acquire lands and rights in the locality specified in the Schedules appended to that notification;

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Madhya Pradesh, is satisfied that;

- (a) the lands measuring 33.819 hectares (approximately) of 83.570 acres (approximately) described in Schedule Part I, Part II, Part III, appended hereto and
- (b) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for win work and carry away minerals in the lands measuring 670.944 hectares (approximately) or 1657.969 acres (approximately) described in Schedule 'B' appended hereto.

Should be acquired.

Now therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that,

- (a) the land measuring 33.819 hectares (approximately) or 83.570 acres (approximately) described in the said Schedule 'A' Part-I, Part-II, Part-III; and
  - (b) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the land measuring 670.944 hectares (approximately) or 1657.969 acres (approximately) described in the said Schedule 'B';
- are hereby acquired.

The plan bearing No. C-1 (E) III/GR/518-0792 dated the 17th July, 1992 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Chhindwara (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Section), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 (Maharashtra).

**SCHEDULE 'A' PART-I  
THESGORA 'A' BLOCK  
PENCH AREA  
DISTRICT CHHINDWARA (MADHYA PRADESH)**

All Rights

Sl. No.	Name of village	Patwari circle number	Settlement number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Mathni	67	459	Parasia	Chhindwara	6.685	Part

Plot numbers acquired in village Mathni:

333/1 Part, 333/2, 334 Part, 336, 337, 340 Part.

Boundary description:

- B—C Line starts from point 'B' and passes through village Mathni in plot numbers 334, 333/1, then along outer boundary of plot number 333/2 and meets at point 'C'.
- C—D—E Line passes through village Mathni and passes along the outer boundary of plot number 333/2 and meets at point 'E'.
- E—F Line passes through village Mathni along the outer boundary of plot numbers 333/2, 333/1, then in plot number 340 along the outer boundary of plot number 337 and meets at point 'F'.
- F—B Line passes along the common boundary of villages Mathni and Mohli and meets at starting point 'B'.

## SCHEDULE 'A' PART-II

## THESGORA 'A' BLOCK

## PENCH AREA

## DISTRICT CHHINDWARA (MADHYA PRADESH)

All Rights

Sl. No.	Name of village	Patwari circle number	Settlement number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Thesgora	67	222	Parasia	Chhindwara	10.961	Part

Plot numbers acquired in village Thesgora:

1/1 Part, 2, 3 Part, 16, 17, 18/1, 18/2, 19 to 27, 28 Part.

## Boundary description:

- a—b Line starts from point 'a' and passes through village Thesgora and passes along the outer boundary of plot numbers 14, 18/2, 18/1, then in plot number 28 and meets at point 'b'.
- b—c Line passes through village Thesgora and passes along the outer boundary of plot numbers 28, 27, then in plot number 1/1 and meets at point 'c'.
- c—d Line passes through village Thesgora in plot number 3 then passes along the outer boundary of plot numbers 22, 21 and meets at point 'd'.
- d—a Line passes through village Thesgora and passes along the outer boundary of plot numbers 21, 20, 16, 17 and meets at starting point 'a'.

## SCHEDULE 'A' PART-III

## THESGORA 'A' BLOCK

## PENCH AREA

## DISTRICT CHHINDWARA (MADHYA PRADESH)

All Rights

Sl. No.	Name of village	Patwari circle number	Settlement number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Sirgorikalan	67	567	Parasia	Chhindwara	14.707	Part
2.	Mandli	73	454	Parasia	Chhindwara	1.466	Part
16.173							

Total All Rights area of Schedule 'A'

Part-I+Part-II+Part-III

$$6.685 + 10.961 + 16.173$$

= 33.819 hectares (approximately)

or 83.570 acres (approximately)

Plot numbers acquired in village Sirgorikalan:

77/1, 74/2, 78 to 80, 81 Part, 82/1 Part, 82/2 Part, 83/1 Part, 83/2 Part, 84 Part, 85, 86, 91, 93/1 Part, 94/1, 94/2 Part, 94/3.

Plot numbers acquired in village Mandli:

383 Part, 388 Part, 390 Part, 399 Part, 400 Part, 401 Part, 410 Part, 411 Part, 412 Part, 414 Part, 415 Part.

**Boundary description:**

- e—f Line starts from point 'e' and passes through village Sirgorikalan in plot number 94/2, then passes along the outer boundary of plot numbers 94/3, 94/1, 91, 86, then in plot number '81 and meets at point 'f'.
- f—g Line passes along the common boundary of villages Sirgorikalan and Haranbuhta and Mandli and meets at point 'g'.
- g—h Line passes through village Mandli in plot numbers 415, 414, 412, 411, 410, 401, 400, 399, 390, 388 and meets at point 'h'.
- h—i Line passes along the common boundary of villages Mandli and Mandla and meets at point 'i'.
- i—j Line passes through village Mandli in plot numbers 383, 388, 390, 399, 400, 401, 410, 411, 412, 414, 415 and meets at point 'j'.
- j—k Line passes through village Sirgorikalan and passes along the outer boundary of plot numbers 77/2, 77/1, 79, 80 and meets at point 'k'.
- k—l Line passes through village Sirgorikalan and passes along the outer boundary of plot number 80 and meets at point 'l'.
- l—m Line passes through village Sirgorikalan in plot numbers 82/1, 82/2, 83/1, 83/2, 84 and meets at point 'm'.
- m—n Line passes through village Sirgorikalan and passes along the outer boundary of plot number 84 and meets at point 'n'.
- n—o Line passes through village Sirgorikalan, then passes along the outer boundary of plot numbers 85, 86, 91, 94/1, 94/3, 94/2, then in plot number 93/1 and meets at point 'o'.
- o—e Line passes through village Sirgorikalan and passes along the outer boundary of plot numbers 93/1, 94/2 and meets at starting point 'e'.

**SCHEDULE 'B'**  
**THESGORA 'A' BLOCK**  
**PENCH AREA**  
**DISTRICT CHHINDWARA (MADHYA PRADESH)**

**Mining Rights**

Sl. No.	Name of village	Patwari circle number	Settlement number	Taluk	District	Area in hectares	Remarks
1.	Mathni	67	459	Parasia	Chhindwara	309.547	Part
2.	Thesgora	67	222	Parasia	Chhindwara	56.027	Part
3.	Sirgorikalan	67	567	Parasia	Chhindwara	64.808	Part
4.	Mandli	73	454	Parasia	Chhindwara	240.562	Part

Total Mining Rights area—

or

670.944 hectares  
 (approximately)  
 or 1657.969 acres  
 (approximately)

**Plot numbers acquired in village Mathni:**

33 Part, 39, 40, 41 Part, 42 Part, 44 Part, 45 Part, 46/1 Part, 46/2, 47 Part, 48, 49; 50 Part, 53 Part, 54 to 73, 74/1 Part, 74/2, 74/3, 75/1, 75/2, 76 to 92, 93/1, 93/2, 94 to 97, 98/1-2, 99 to 101, 102 Part, 103, 104 Part, 105 to 109, 110 Part, 177 Part, 180 Part, 191 Part, 192 to 207, 208 Part, 209, 210 Part, 211 to 214, 215 Part, 216, 217, 218 Part, 219, 220, 221 Part, 222 Part, 252 Part, 253 Part, 254 Part, 255 to 281, 282/1-2-3, 283 to 332, 333/1 Part, 333/3, 334 Part, 335, 338, 339, 340 Part, 341 to 349, 50/1-2-3, 351 to 353.

**Plot numbers acquired in village Thesgora:**

1/1 Part, 1/2, 3 Part, 4 to 9, 10/1, 10/2, 11 Part, 12 Part, 13 Part, 28 Part, 29/1, 29/2, 29/3, 30, 31 Part, 32 Part, 33 Part, 34 Part, 45 Part, 46 to 48, 49 Part, 50 Part, 51 Part, 77/1 Part.

**Plot numbers acquired in village Sirgorikalan:**

22/2 Part, 139 Part, 153 Part, 157 Part, 158 to 164, 165/1, 165/2, 166/1, 166/2, 167 Part, 168 Part, 169 to 180, 181 Part, 182, 183, 184 Part, 185 Part, 186 Part, 187 Part, 198/1 Part.

**Plot numbers acquired in village Mandli:**

11 Part, 19 Part, 20 Part, -1 Part, 22 Part, 23 to 26, 27 Part, 28 Part, 29 Part, 30 Part, 31 Part, 38 Part, 41 Part, 42 Part, 43 to 48, 49 Part, 50 Part, 51 Part, 54 Part, 55 to 57, 58 Part, 60 Part, 61 Part, 62 Part, 63, 64, 65 Part, 66 to 264, 265 Part, 266 Part, 267, 268 Part, 267 to 326, 327 Part, 328 to 345, 346 Part, 347 Part, 348 Part, 383 Part.

**Boundary description:**

- A—B** Line starts from point 'A' and passes along the common boundary of villages Mathni and Mohli and meets at point 'B'.
- B—C** Line passes through village Mathni in plot number 334, then along the outer boundary of plot number 335 and in plot number 333/1, then passes along the outer boundary of plot number 333/3 and meets at point 'C'.
- C—D—E** Line passes through village Mathni along the outer boundary of plot numbers 332, 347, 346, 343 and meets at point 'E'.
- E—F** Line passes through village Mathni along the outer boundary of plot number 342 and in plot number 340, then proceeds along the outer boundary of plot number 338 and meets at point 'F'.
- F—M1—M** Line passes along the common village boundary of villages Mathni, Mohli and Mathni, Thesgora and meets at point 'M'.
- M—N—O** Line passes through village Thesgora in plot numbers 77/1, 51, 50, 49, 45, 31, 32, 33, 34 and meets at point 'O'.
- O—P** Line passes along the common boundary of Government forest and Thesgora village and meets at point 'P'.
- P—Q1** Line passes through village Thesgora in plot numbers 11, 13, 12 and meets at point 'Q1'.
- Q1—Q** Line passes through village Sirgorikalan in plot numbers 184, 185, 186, 187, 188/1, 181, 139, 168, 167, 153, 157, 22/2 and meets at point 'Q'.
- Q—R** Line passes along the common boundary of villages Sirgorikalan and Mandli and meets at point 'R'.
- R—S** Line passes through village Mandli in plot numbers 327, 346, 348, 347, 268, 266, 265, 383 and meets at point 'S'.
- S—T—U** Line passes along the common village boundary of villages Mandli and Mandla and meets at point 'U'.
- U—V** Line passes through village Mandli in plot numbers 19, 20, 21, 22, 27, 28, 29, 30, 31 47, 48, 11, 49, 50, 51, 54, 58, 61, 60, 62, 65 and meets at point 'V'.

V—W—X	Line passes along the common boundary of villages Mandli and Jhurree and Mathni Jhurree and meets at point 'X'.
X—A	Line passes through village Mathni in plot numbers 53, 50, 47, 46/1, 45, 74/1, 44, 33, 42, 41, 102, 110, 104, 191, 208, 210, 180, 215, 177, 221, 218, 252, 253, 254 and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/9/89-ISW]

B.B. RAO, Under Secy.

नई दिल्ली 4 जून, 1993

का. आ. 1301.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक भेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 4 की उपधारा (1) के प्रवीन जारी की गई भारत सरकार के तत्कालीन उर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना संख्याका का. आ. 1690 तारीख 30 मई, 1990 द्वारा जो भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 16, जून 1990 के पृष्ठ 2792 से 2793 पर प्रकाशित की गई थी, उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुमूल्य में विनिर्दिष्ट परिमेत्र की 5322.38 हैक्टर (लगभग) या 13151.60 एकड़ (लगभग) भूमि में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के प्रवीन जारी की गई भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्याका का. आ. 417(अ); तारीख 10 जून, 1992 द्वारा जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 10 जून, 1992 में प्रकाशित की गई थी, 16 जून, 1992 में प्रारम्भ होने वाली एक वर्ष की और अवधि को ऐसी अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट किया था, जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार उक्त भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर के किसी अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दे सकती है;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुमूलियों में वर्णित उक्त भूमि के किसी भाग में कोयला अभिप्राप्य है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,

(क) इससे संलग्न अनुमूली "क" भाग 1, 2, 3, 4, 5, 6 और 7 में वर्णित 38.775 हैक्टर (लगभग), या 95.817 एकड़ (लगभग) माप की भूमि में या उस पर के सभी अधिकारों ;

(ख) इससे संलग्न अनुमूली "ख" में वर्णित 529.09 हैक्टर (लगभग) या 1307.43 एकड़ (लगभग) माप की भूमि में खनिजों के खनन, खदान, बोर करने, उनकी खुदाई करने और उनकी तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों ;

का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है.

टिप्पण 1 :— इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले शेत्र के रेखांक म. मी:1 (ई) III / एफ आर 530/193 13 जनवरी, 1993 का निरीक्षण कलक्टर, नामपुर (महाराष्ट्र के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता-700001 के कार्यालय में या वैस्त्रं लोकलिड्स ट्रिमिटेट (राजस्व विभाग), कोयला एस्टेट, सिविल लाईन्स, नामपुर-440001 (महाराष्ट्र) के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण 2—पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 8 के उपबंधों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उल्लंघन हैं—

अर्जन के प्रति आपत्ति —

"8(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिमती वालत धारा 7 के प्रवीन अधिसूचना निकारी गई है, हितवद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किसी अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।

**स्पष्टीकरण—** इस धारा के अवधारणात् यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयना उत्पादन के लिए स्वयं खनन सक्रियाएँ करना चाहता है और ऐसी संक्षियाएँ केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्ति कर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी डारा मुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात् जो वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के सम्बन्ध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न दुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के सम्बन्ध में आपत्तियों पर अपनी सिफारियों और उसके डारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिभर में हिन का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते।

**टिप्पणि 3:-** केन्द्रीय सरकार ने, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 11 जून, 1933 में प्रकाशित अधिसूचना संख्यांक का. आ. सं. 2519, तारीख 27 मई, 1983 डारा, कोयला नियंत्रक, 1, कांउसिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता-700001 को उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है।

अनुसूची “क” भाग 1

नंद ब्लॉक

नागपुर थेन

जिला नागपुर (महाराष्ट्र)

रेखांक सं. सी 1 (ई) III/एफ आर /530-193 तारीख 13 जनवरी, 1993  
सभी अधिकार

अम संख्या ग्राम का नाम	पटवारी संकिल तहसील संख्यांक	जिला	थेन हैंटर में	टिप्पणियां
1. कैसलापार	41 भीवापुर	नागपुर	7. 62 भाग	
			7. 62 हैंटर (लगभग) या 18. 830 एकड़ (लगभग)	

ग्राम कैसलापार में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक :

4 भाग, 5, 6क-6क 1-6ख भाग, 7 से 9, 10 भाग, 11 भाग, 12, 13/1- 13/2-13/3 भाग, नाला भाग, सीमा वर्णन

क1—क2 : रेखा, विन्दु “क-1” से आरम्भ होती है और ग्राम कैसलापार में प्लाट संख्यांक 13/1-13/2-13/3, 11, 10, 6-6क 1-- 6ख से होकर जाती है, नाला पार करती है, फिर प्लाट संख्यांक 5 की आहरी सीमा के साथ-साथ छलसी है और विन्दु “क-2” पर मिलती है।

क2—क 3: रेखा, कैसलापार के प्लाट संख्यांक 5 की आहरी सीमा के साथ-साथ छलती है, प्लाट संख्यांक 4 में जाती है और विन्दु “क 3” पर मिलती है।

क3—क 4: रेखा, सड़क और कैसलापार के प्लाट संख्यांक 4,7,8,9, 12, 13/1-13/2, 13/3 की सम्मिलित सीमा से होकर जाती है और विन्दु “क 4” पर मिलती है।

क4—क 1: रेखा, बैसलापार और बेसूर ग्रामों की सम्मिलित ग्राम सीमा के साथ-साथ छलती है और आरम्भिक विन्दु “क 1” पर मिलती है।

## अनुसूची "क" भाग 2

नंद ब्लाक

नागपुर थेन्ट्र

जिला नागपुर (महाराष्ट्र)

रेखांक सं. सी-1(ई)III/एफ आर /530-193, तारीख 13 जनवरी, 1993  
सभी अधिकार

क्रम संख्यांक	ग्राम का नाम	पटवारी संकिल संख्यांक	तहसील	जिला	थेन्ट्र हैक्टर में	टिप्पणियां
1.	केसलापार	41	भीवापुर	नागपुर	8.38	भाग
					8.38	हैक्टर (लगभग) या
					20.708	एकड़ (लगभग)

ग्राम केसलापार में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक

14,15 भाग, 17 भाग, 18,19 भाग, 20 भाग, 21, 22, 23 भाग, 24, 25 भाग, 26 भाग, नाला भाग।

## सीमा वर्णन

ख-1-ख 2 : रेखा, सड़क और ग्राम केसलापार में प्लाट संख्यांक 14, 15, 18, 19, 21, 22, 24 25 को सम्मिलित सीमा से होकर जाती है और बिन्दु "ख 2" पर मिलती है।

ख 2-ख 3, रेखा, ग्राम केसलापार में प्लाट संख्यांक 25, 26 से होकर जाती है और बिन्दु "ख 3" पर मिलती है।

ख 3 — ख 4 : रेखा, ग्राम, केसलापार में प्लाट संख्यांक 26, 25, 23, 20 से होकर जाती है, नाला पार करती है, फिर प्लाट संख्यांक 19, 17, 15 में जाती है और बिन्दु "ख 4" पर मिलती है।

ख 4 — ख 1 : रेखा, "केसलापार और केसूर ग्रामों की सम्मिलित ग्राम सीमा के साथ-साथ चलती है और आरम्भिक बिन्दु पर मिलती है।

## अनुसूची "क" भाग 3

नंद ब्लाक

नागपुर थेन्ट्र

जिला नागपुर (महाराष्ट्र)

रेखांक सं. सी-1(ई) III/एफ आर/530-193, तारीख 13 जनवरी, 1993

## सभी अधिकार

क्रम संख्यांक	ग्राम का नाम	पटवारी संकिल संख्यांक	तहसील	जिला	थेन्ट्र हैक्टर में	टिप्पणियां
1.	खंडालकरी	41	भीवापुर	नागपुर	6.00	भाग
					6.00	हैक्टर (लगभग) या
					14.827	एकड़ (लगभग)

ग्राम खंडालझरी में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक :

18 भाग, 21 भाग, 22 भाग, 23, 27 भाग, 35/1, 35/2, 35/3 भाग, 36/2 भाग, 37/1-37/2 भाग, 38/1-38/2-38/3 भाग, सड़क भाग।

सीमा वर्णन

ग 1—ग 2 : रेखा बिन्दु "ग 1" से आरंभ होती है और ग्राम खंडालझरी के प्लाट संख्यांक 36/2 की भागतः बाहरी सीमा के साथ-साथ जाती है, फिर प्लाट संख्यांक 36/2, 37/1-37/2 में से आगे जाती है और बिन्दु "ग 2" पर मिलती है।

ग 2—ग 3 :—रेखा, ग्राम खंडालझरी के प्लाट संख्यांक 37/1-37/2, 38/1—38/2-38/3 में से होकर जाती है, और सड़क पार करती है फिर प्लाट संख्यांक 18, 21 में आगे जाती है और बिन्दु "ग 3" पर मिलती है।

ग 3—ग 4 :—रेखा, ग्राम खंडालझरी के प्लाट संख्यांक 21, 22 में से होकर जाती है, फिर प्लाट संख्यांक 23 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है प्लाट संख्यांक 27 में जाती है और बिन्दु "ग 4" पर मिलती है।

ग 4—ग 1 :—रेखा, ग्राम खंडालझरी के प्लाट संख्यांक 27 में से होकर जाती है, सड़क को पार करती है, फिर प्लाट संख्यांक 37/1-37/2, 35/1-35/2-35/3 में आगे जाती है और आरंभिक बिन्दु "ग 1" पर मिलती है।

अनुसूची "क" भाग 4

नंद झाक

नागपुर क्षेत्र

जिला नागपुर (महाराष्ट्र)

रेखांक सं. सी-1(ई)III/एफ आर/530-193, तारीख 13 जनवरी, 1993  
सभी अधिकार

क्रम संख्यांक	ग्राम का नाम	पटवारी सर्किल	तहसील	जिला	क्षेत्र हैक्टर में	टिप्पणियां
1.	खंडालझरी	41	भीवापुर	नागपुर	0.50	भाग
					0.50 हैक्टर (लगभग)	या
					12.35 एकड़ (लगभग)	

ग्राम खंडालझरी में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक

$\frac{4}{1 \text{ से } 21}$  भाग, 5 भाग,

घ 1—घ 2 :—रेखा, बिन्दु "घ 1" से आरंभ होती है और ग्राम खंडालझरी

घ 3—घ 4 : के प्लाट संख्यांक 5, 4 में से होकर जाती है और बिन्दु "घ 4" पर मिलती है।  
 $\frac{1}{1 \text{ से } 21}$

घ 4—घ 1 : रेखा, ग्राम खंडालझरी के प्लाट संख्यांक  $\frac{4}{1 \text{ से } 21}$  5 में से होकर जाती है और आरंभिक बिन्दु "घ 1" पर मिलती है।

अनुसूची 'क' भाग 5

नंद ब्लाक

नागपुर क्षेत्र

जिला नागपुर (महाराष्ट्र)

रेखांक सं. सी-1(ई)III/एफ आर/530-193, तारीख 13 जनवरी, 1993

सभी अधिकार

क्रम संख्यांक	ग्राम का नाम	पटवारी संकिल संख्यांक	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियां
1.	खंडालझरी	41	भीवापुर	नागपुर	0.275	भाग
					0.270	हेक्टर (लगभग) या
					0.679	एकड़ (लगभग)

ग्राम खंडालझरी में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक

4  


---

भाग, 155/1-155/2 भाग, 156/1-156/2 भाग,  
 1 से 21

सीमा वर्णन

उ.1—उ.2 : रेखा, विन्दु ड-1 से आरम्भ होती है और ग्राम खंडालझरी के भागत: प्लाट संख्यांक 4 की बाहरी सीमा के साथ-  
 य 3-ड4:-

साथ जाती है, प्लाट संख्यांक 4 156/1-156/2, 155/1-155/2, में से जाती है, फिर प्लाट  
1 से 21

संख्यांक 155/1, 155/2 की बाहरी सीमा के साथ साथ आगे जाती है और विन्दु "ड 4" पर मिलती है।

उ.4-ड1:— रेखा, ग्राम खंडालझरी में से होकर जाती है और प्लाट संख्यांक 155/1-155/2, 4/1 से 21 में जाती है और  
 आरंभिक विन्दु "ड1" पर मिलती है।

अनुसूची "क" भाग 6

नंद ब्लाक

नागपुर क्षेत्र

जिला नागपुर (महाराष्ट्र)

रेखांक सं. सी-1 (ई)III/एफ आर/530-193, तारीख 13 जनवरी, 1993

सभी अधिकार

क्रम संख्यांक	ग्राम का नाम	पटवारी संकिल संख्यांक	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियां
1.	विरावा	40	भीवापुर	नागपुर	6.00	भाग
					6.00	हेक्टर (लगभग) या
					14.827	एकड़ (लगभग)

ग्राम पिरावा में अंजित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक

104/1— 104/2 भाग, 123 भाग, 124 भाग, 125/क—125/व भाग।

सीमा वर्णन :

च. 1—च 2 : रेखा विन्दु “च 1” से आरम्भ होती है और ग्राम पिरावा में प्लाट संख्यांक 104/1—104/2, 123, 124 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है और विन्दु “च 2” पर मिलती है।

च. 2—च 3 — रेखा, ग्राम पिरावा में प्लाट संख्यांक 124, 125क-125व,

च 4 : 123, 104/1—104/2 में से होकर जाती है और विन्दु “च 4” पर मिलती है।

च 4—च 1 : रेखा, ग्राम पिरावा में प्लाट संख्यांक 104/1—104/2 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है और आरम्भिक विन्दु “च 1” पर मिलती है।

अनुसूची “क” भाग 7

नंद व्लाक

नागपुर क्षेत्र

जिला नागपुर (महाराष्ट्र)

रेखांक सं. सी-1 (ई) III/एफ आर/530-193 तारीख 13 जनवरी, 1993

सभी अधिकार

क्र सं	ग्राम का नाम	पटवारी संकिल सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र हैक्टर में	टिप्पणियां
1. पिरावा		40	भीवापुर	नागपुर	10.00	भाग
					10.00 हैक्टर (लगभग) या	
					24.711 एकड़ (लगभग)	

सभी अधिकार क्षेत्र का योग : अनुसूची “क” भाग  $1 + 2 + 3 + 4 + 5 + 6 + 7 = 7.62 - 8.38 - 6.00 - 0.50 - 0.275 + 6.00 + 10.00 = 38.775$  हैक्टर (लगभग) या 95.817 एकड़ (लगभग) )

ग्राम पिरावा में अंजित किए जाने वाले प्लाट सं.

126 भाग, 127/1—127/2 भाग, 128/1—128/2, 130 भाग, 131/1—131/2 भाग, 134 भाग, 135/1—135/2 भाग।  
सीमा वर्णन :

छ-1—छ2—रेखा, विन्दु “छ1” से आरम्भ होती है और ग्राम पिरावा में प्लाट सं. 135/1—135/2—135/3, 127/1—छ 3—छ4 127/2, 126 में से होकर जाती है इसके बाद प्लाट सं. 128/1—128/2 की बाहरा सामा के साथ-साथ चलता है, प्लाट सं. 130, 131/1, 131/2, 134 में जाती है और विन्दु “छ4” पर मिलती है।

छ4—छ1 रेखा ग्राम पिरावा के प्लाट संख्यांक 134, 135/1—135/2, 135/3 में से होकर जाती है और आरम्भिक विन्दु “छ1” पर मिलती है।

अनुसूची “ख”

नंद ब्लाक

नागपुर क्षेत्र

जिला नागपुर (महाराष्ट्र)

रेखांक सं. सी-1 (ई) III/एफ. आर. / 530-193, तारीख 13 जनवरी, 1993

खनन अधिकार

क्रम सं.	ग्राम का नाम	पटवारी संकिल सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र हैंडर में	टिप्पणियां
1.	केसलापार	41	भीवापुर	नागपुर	110.33	भाग
2.	खंडालगढ़ी	41	भीवापुर	नागपुर	242.37	भाग
3.	बेसुर	41	भीवापुर	नागपुर	76.08	भाग
4.	पिरावा	40	भीवापुर	नागपुर	100.31	भाग

529.09 हैंडर (लगभग)

या

1307.43 एकड़ (लगभग)

ग्राम केसलापार में अर्जित किए जाने वाले प्लाट सं. :

29 से 33, 34 भाग, 35/1-35/2-35/3, 36 में 39, 40/1, 40/2, 41/1--41/2-41/3-41/4, 42/1-42/2--44/1-44/2-44/3, 54 से 60, 61/1-61/2, 62 से 78 सड़क भाग, नाला भाग

ग्राम खंडालगढ़ी में अर्जित किए जाने वाले प्लाट सं.

4 भाग,

1 से 21, 5 भाग, 6, 7, 8/1-8/2-8/3-8/4, 9, 10/1ए-10/बी-12/बी, 11 में 14, 15/1-15/2, 16, 17, 18 भाग, 19, 20, 21 भाग, 22 भाग, 24, 25, 36/1, 36/2 भाग, 36/3, 37/1-37/2 भाग, 38/1-38/2-38/3 भाग, 39 से 41, 42/1, 42/2, 43, 44/1, 44/2, 44/3, 45, 46, 47/1, 47/2, 48, 53 से 56, 57ए---57बी---57सी---57डी, 58, 59, 60/1---60/2---60/3, 61/1---61/2, 62 से 64, 65/1---65/2, 66ए---66बी---66सी, 67 से 69, 72 (भाग), 89, 90, 91/1---91/2, 93 से 96, 97, 98, 99, 100/1---100/2---100/3, 101, 102, 103/1ए---103/बी---103/2पी---103/2बी 103/3, 104, 105, 155/1---155/2 भाग, सड़क भाग, नाला भाग, नहर भाग।

ग्राम बेसुर में अर्जित किए जाने वाले प्लाट सं

185/1---185/2---185/3, 186 से 191, 192/1 ए---192/1 बी---192/1 सी, 192/1 डी---192/2, 193 से 203, 204/1---204/2, 205/1---205/2, 206, 207, 408, 409, नाला भाग

ग्राम पिरावा में अर्जित किए जाने वाले प्लाट सं.

52 से 56, 57/1---57/1ए---57/2---57/3, 58, 59, 60/1---60/2, 61 से 63, 64ए---64बी, 65/1---65/2---65/3 65/4, 66, 67/1---67/2, 68 से 78, 99, 100/1---100/2, 101, 102/1---102/2, 103, 105 से 110, 111/1---111/2, 112, 113/1---113/2, 114 से 121, 214 से 216, नाला भाग, सड़क भाग।

सीमा वर्णन :

क—ख

ऐवा विन्हु “क” से आरंभ होती है और ग्राम खंडालगढ़ी के प्लाट सं 25 की बाहरी सीमा के साथ-साथ जाती है, नहर को पार करती है, इसके बाद भागतः नहर की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है, प्लाट सं. 22, 21, 18 में जाती है, सड़क को पार करती है, फिर प्लाट सं. 38/1---38/2---38/3, 37/1, 37/2, 36/2 की ओर जाती है, प्लाट सं. 36/3, 36/1, 48, 53 की बाहरी सीमा के साथ-साथ जाती है,

फिर भागतः ग्राम खंडालझरी और केसलापार की ममिलिन सीमा के साथ-साथ चलती है और बिंदु "ख" पर मिलती है। रेखा, ग्राम कसलापार में प्लाट सं. 78 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है, सड़क को पार करती है, इसके बाद प्लाट सं. 54 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है, नाला पार करती है, प्लाट सं. 44/1-44/2-44/3, 41/1-41/2-41/3-41/4, 42/1-42/2, 38, 29 / 34 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है और बिंदु "ग" पर मिलती है।

ग-व रेखा ग्राम केसलापार में प्लाट सं. 34 को बाहरी सीमा के साथ-साथ चलतो है, सड़क पार करती है, इसके बाद प्लाट 32, 33, 34 की बाहरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिंदु "घ" पर मिलती है।

घ-ड रेखा ग्राम केसलापार के प्लाट सं. 34 में से होकर जाती है और बिंदु "ड" पर मिलती है।

इ-च रेखा, ग्राम खंडालझरी के प्लाट सं. 72 में से होकर जाती है इसके बाद 69 को बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है, नहर पार करती है, फिर प्लाट सं. 93/91/1-91/2 की बाहरी संगा के साथ-साथ चलती है और बिंदु "च" पर मिलती है।

च-छ : रेखा, ग्राम खंडालझरी में प्लाट सं. 92/1-91/2, 90, 89, 103/1क-103/1ख-103/2क-103/2ख-103/3, 105, 104 को बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है प्लाट सं. 5 में नाला पार करती है, इसके बाद भागतः प्लाट सं. 4 की बाहरी सीमा

1 से 21

से होकर और भागतः उसके साथ-साथ चलती है, प्लाट सं. 4, 155/1-155/2 में जाती है, नाला पार करती है और खंडाल-

1 से 21

झरी और पिरावा ग्रामों की ममिलिन ग्राम सीमा पर बिंदु "छ" पर मिलती है।

छ—ज रेखा ग्राम पिरावा में से होकर जाती है, नाला पार करती है, फिर प्लाट सं. 120, 121, 214, 109, 105, 103, 102/1—102/2, 101, 99 की बाहरी सीमा, सड़क के साथ-साथ चलती है सड़क पार करती है, इसके बाद प्लाट सं. 78 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है और बिंदु "ज" पर मिलती है।

ज—झ रेखा ग्राम पिरावा में प्लाट सं. 78, 73, 72, 70, 69, 64क—64ख, 63, 62, 61, 55, 54, 52 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है, इसके बाद ग्राम बेमुर में प्लाट सं. 207, 409, 205/1, 205/2, 204/1—204/2 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है और बिंदु "झ" पर मिलती है।

झ—क रेखा ग्राम बेसर में प्लाट सं. 204/1—204/2, 203 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है और नाला पार करती है, फिर प्लाट सं. 189, 188, 185/1—185/2—185/3 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है और आरंभिक बिंदु "क" पर मिलती है।

[म. 43015/6/90—एल. एस. डल्लू]  
बी. बी. राव, अवर सचिव

New Delhi, the 4th June, 1993

ordinary Part II, Section 3, Sub-Section (ii), dated the 10th June, 1992, the Central Government specified a further period of one year commencing on the 16th June, 1992 as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in a part of the said lands described in the Schedules appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire—

- (a) all rights in or over the lands measuring 38.775 hectares (approximately) or 95.817 acres (approximately) described in Schedule 'A', Part I, II, III, IV, V, VI and VII annexed hereto;

And whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 417 (E), dated the 10th June, 1992, issued under sub-section (1) of section 7 of the said Act and published in the Gazette of India Extra-

- (b) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 529.09 hectares (approximately) or 1307.43 acres (approximately) described in Schedule 'B' appended hereto;

Note 1 : The plan bearing No. C-1(E) III/FR/530-193 dated the 13th January, 1993 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Nagpur (Maharashtra) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-700 001, or in the Office of the Western Coalfields Limited, (Revenue Department), Coal Estate, Civil Line, Nagpur, 440 001 (Maharashtra).

Note 2 : Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the aforesaid Act which provides as follows : Objection to acquisition :

"8. (1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation.—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the pro-

duction of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further enquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act."

Note 3 : The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-700 001, has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act vide notification number S.O. 2519, dated the 27th May, 1983, published in Part II, Section 3, Sub-Section (ii) of the Gazette of India, dated the 11th June, 1983.

### SCHEDULE 'A' PART-I

Nand Block

Nagpur Area

District Nagpur (Maharashtra)

Plan No. C-1(E) III/FR/530-193 dated the 13th January, 1993

#### All Rights

Sl. Name of village No.	Patwari circle number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1. Kesalapar	41	Bhiwapur	Nagpur	7.62	Part
	18.830 acres (approximately)		or	7.62 hectare; (approximately)	

Plot numbers to be acquired in village Kesalapar :

4 Part, 5, 6A-6A1-6B part, 7 to 9, 10 part, 11 part, 12, 13/1-13/2-13/3 part, Nallah part.

#### Boundary description:

- A1—A2      Line starts from point 'A' and passes through village Kesalapar in plot numbers 13/1 13/2-13/3, 11, 10, 6A-6A1-6B, crosses nala, then proceeds along the outer boundary of plot number 5 and meets at point A2.
- A2-A3      Line passes through village Kesalapar along the outer boundary of plot number 5, in plot number 4 and meets at point 'A3'.
- A3-A4      Line passes through village Kesalapar along the common boundary of road and plot numbers 4, 7, 8, 9, 12 13/1-13/2-13/3 and meets at point 'A'.
- A4—A1      Line passes along the common village boundary of villages Kesalapar and Besur and meets at starting point 'A1'.

## SCHEDULE 'A' PART-II

Nand Block

Nagpur Area

District Nagpur (Maharashtra)

Plan No. C-1(E) III/FR/530—193 dated the 13th January, 1993

All Rights

Sl. No.	Name of village	Patwari circle number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Kesaiapar	41	Bhiwapur	Nagpur	8.38	Par
		20.708 acres (approximately)		or	8.38 hectares (approximately)	

Plot numbers to be acquired in village Kesalapar:

14, 15 part, 17 part, 18, 19 part, 20 part, 21, 22, 23 part, 24, 25 part, 26 part, nala part.

Boundary description

- B1—B2 Line passes through village Kesalapar along the common boundary of road and plot numbers 14, 15, 18, 19, 21, 22, 24, 25 and meets at point 'B2'.
- B2—B3 Line passes through village Kesalapar in plot numbers 25, 26 and meets at point B 3.
- B3—B4 Line passes through village Kesalapar in plot numbers 26, 25, 23, 20, crosses nala, then proceeds in plot numbers 19, 17, 15 and meets at point 'B4'.
- B4—B1 Line passes along the common village boundary of villages Kesalapar and Besur and meets at starting point 'B1'

## SCHEDULE 'A' Part III

Nand Block

Nagpur Area

District Nagpur (Maharashtra)

Plan No. C—1(E) III/FR/530—193 dated the 13th January, 1993

All Rights

Sl. No.	Name of village	Patwari circle number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Khandalzari	41	Bhiwapur	Nagpur	6.00	Part
		14.827 acres (approximately)		or	6.00 hectares (approximately)	

## Plot numbers to be acquired in village Khandalzari:

18 part, 21 part, 22 part, 23, 27 part, 35/1-35/2-35/3 part, 36/2 part, 37/1-37/2 part, 38/1-38/2-38/3 part, road part.

## Boundary description:

C1—C2	Line starts from point 'C1' and passes through village Khandalzari, partly along the outer boundary of plot number 36/2, then proceeds in plot numbers 36/2, 37/1-37/2 and meets at point 'C2'.
C2—C3	Line passes through village Khandalzari in plot numbers 37/1-37/2, 38/1-38/2-38/3, crosses road, then proceeds in plot numbers 18, 21 and meets at point 'C3'.
C3—C4	Line passes through village Khandalzari in plot numbers 21, 22, then proceeds along the outer boundary of plot number 23, in plot number 27 and meets at point 'C4'.
C4—C1	Line passes through village Khandalzari in plot number 27, crosses road, then proceeds in plot numbers 37/1-37/2, 35/1-35/2-35/3 and meets at starting point 'C1'.

## SCHEDULE 'A' PART IV

Nand Block

Nagpur Area

District Nagpur (Maharashtra)

Plan No. C—1(E) III/FR/530—193 dated the 13th January, 1993

All Rights

Sl. No.	Name of village	Patwari circle number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Khandalzari	41	Bhiwapur	Nagpur	0.50	Part
		1.235 acres (approximately)		or	0.50 hectares (approximately)	

## Plot numbers to be acquired in village Khandalzari:

4  
— part, 5 part.  
I to 21

## Boundary description:

D1—D2—D3—D4 : Line starts from point 'D1' and passes through village Khandalzari in plot numbers 5,  
4

—  
1 to 21  
and meets at point 'D4'.

D4—D1: Line passes through village Khandalzari in plot numbers — 5 and meets  
at starting point 'D1'.  
4  
—  
1 to 21

## SCHEDULE 'A' PART V

Nand Block

Nagpur Area

District Nagpur (Maharashtra)

Plan No. C-1(E) III/FR/530-193 dated the 13th January, 1993

All Rights

Sl. Name of village No.	Patwari circle number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1. Khandalzari	41	Bhiwapur	Nagpur	0.275	Part
	0.679 acres (approximately)		or	0.275 hectares (approximately)	

Plot numbers to be acquired in village Khandalzari:

4  
part, 155/1-155/2 part, 156/1-156/2 part.  
1 to 21

Boundary description:

E1—E2—E3—E4 : Line starts from point E1 and passes through village Khandalzari partly along the outer boundary of plot number 4 in plot number 1 to 21, 156-1/156-2, 155/1-155/2, then proceeds along the outer boundary of plot numbers 155/1-155/2 and meets at point 'E4'.  
 E4—E1 : Line passes through village Khandalzari and proceeds in plot number 155/1—155/2, 4 and meets at starting point 'E1'.

## SCHEDULE 'A' PART VI

Nand Block

Nagpur Area

District Nagpur (Maharashtra)

Plan No. C-1(E) III/FR/530-193 dated the 13th January, 1993

All Rights

Serial No.	Tahsil	Patwari circle number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1. Pirawa		40	Bhiwapur	Nagpur	6.00	Part
	14.827 acres (approximately)		or		6.00 hectares (approximately)	

Plot numbers to be acquired in village Pirawa:

104/1-104/2 part, 123 part, 124 part, 125/A-125/B part.

Boundary description:

F1—F2 : Line starts from point 'F1' and passes through village Pirawa along the outer boundary of plot numbers 104/1-104/2, 123, 124 and meets at point 'F2'.

F2—F3—F4 : Line passes through village Pirawa in plot numbers 124, 125A-125B, 123, 104/1-104/2 and meets at point 'F4'.

F4—F1 : Line passes through village Pirawa along the outer boundary of plot number 104/1-104/2 and meets at starting point 'F1'.

## SCHEDULE 'A' PART VII

Nand Block

Nagpur Area

District Nagpur (Maharashtra)

Plan No. C-1 (E) III/FR/530-193 dated the 13th January, 1993

## All Rights

Sl. Name of village No.	Patwari circle number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1. Pirawa	40	Bhiwapur	Nagpur	10.00	Part
	24.711 acres (approximately)			10.00 hectares (approximately)	
<b>Total of All Rights Area —Schedule 'A' Part I + II + III + IV + V + VI + VII</b>					
$7.62 + 8.38 + 6.00 + 0.50 + 0.275 + 6.00 + 10.00 =$ 38.775 hectares (approximately) or 95.817 acres (approximately)					

Plot numbers to be acquired in village Pirawa:

126 part, 127/1-127/2 part, 128/1-128/2, 130 part, 131/1-131/2 part, 134 part, 135/1-135/2-135/3 part.

## Boundary description:

G1—G2—G3—G4	Line starts from point 'G1' and passes through village Pirawa in plot numbers 135/1-135/2-135/3, 127/1-127/2, 126, then proceeds along the outer boundary of plot numbers 128/1-128/2 in plot numbers 130, 131/1-131/2, 134 and meets at point 'G4'.
G4—G1	Line passes through village Pirawa in plot numbers 134, 135/1-135/2-135/3 and meets at starting point 'G1'.

## SCHEDULE 'B'

Nand Block

Nagpur Area

District Nagpur (Maharashtra)

Plan No. C-1 (E) III/FR/530—193 dated the 13th January, 1993

## Mining Rights

Sl. Name of village No.	Patwari circle number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1. Kesalapar	41	Bhiwapur	Nagpur	110.33	Part
2. Khandalzari	41	Bhiwapur	Nagpur	242.37	Part
3. Betur	41	Bhiwapur	Nagpur	76.08	Part
4. Pirawa	40	Bhiwapur	Nagpur	100.31	Part
				529.09 hectares (approximately)	
				or	
				1307.43 acres (approximately)	

Plot numbers to be acquired in village Kesalapar.

29 to 33, 34 part, 35/1-35/2-35/3, 36 to 39, 40/1-40/2, 41/1-42/2-41/3-41/4, 42/1-42/2, 44/1-44/2-44/3, 54 to 60, 61/1-61/2, 62 to 78, road part, nala part.

## Plot numbers to be acquired in village Khandalzari:

4/1 to 21 part, 5 part, 6, 7, 8/1-8/2-8/3-8/4, 9, 10/1A-10/B-10/C, 11 to 14, 15/1-15/2, 16, 17, 18 part, 19, 20, 21 part, 22 part, 24, 25, 36/1, 36/2 part, 36/3, 37/1-37/2 part, 38/1, 38/1-38/2, 38/3 part, 39 to 41, 42/1, 42/2, 43, 44/1, 44/2, 44/3, 45, 46, 47/1-47/2, 48, 53 to 56, 57A-57B-57C-57D, 58, 59, 60/1-60/2-60/3, 61/1-61/2, 62 to 64, 65/1-65/2, 66A-66B-66C 67, to 69, 72(part), 89, 90, 91/1-91/2, 93 to 96, 97, 98, 99, 100/1-100/2-100/3, 101, 102, 103/1A-103/1B-103/2A-103/2B-103/3, 104, 105, 155/1-155/2 part, road part nala part, canal part.

## Plot numbers to be acquired in village Besur:

185/1—185/2—185/3, 186 to 191, 192/1A-192/1B-192/1C-192/1D-192/2, 193 to 203, 204/1-204/2, 205/1 205/2, 206, 207, 408, 409, nala part.

## Plot numbers to be acquired in village Pirawa:

52 to 56, 57/1-57/1A-57/2-57/3, 58, 59, 60/1-60/2, 61 to 63, 64A-64B, 65/1-65/2-65/3-65/4, 66, 67/1—67/2, 68 to 78, 99, 100/1-100/2, 101, 102/1-102/2, 103, 105 to 110, 111/1-111/2, 112, 113/1-113/2, 114 to 121, 214 to 216, nala part, road part.

## Boundary description:

- A—B** Line starts from point 'A' and passes through village Khandalzari along the outer boundary of plot numbers 25, crosses canal, then proceeds partly along the outer boundary of canal, plot number 22, in plot numbers 22, 21, 18, crosses road, then proceeds in plot numbers 38/1-38/2-38/3, 37/1-37/2, 36/2 along the outer boundary of plot numbers 36/3, 36/1, 48, 53, then proceeds partly along the common boundary of villages Khandalzari and Kesalapar and meets at point 'B'.
- B—C** Line passes through village Kesalapar along the outer boundary of plot number 78, crosses road, then proceeds along the outer boundary of plot number 54, crosses nala, proceeds along the outer boundary of plot numbers 44/1-44/2-44/3, 41/1-41/2-41/3-41/4 42/1-42/2, 38, 29, 34 and meets at point 'C'.
- C—D** Line passes through village Kesalapar along the outer boundary of plot number 34, crosses road, then proceeds along the outer boundary of plot numbers 32, 33, 34 and meets at point 'D'.
- D—E** Line passes through village Kesalapar in plot number 34 and meets at point 'E'.
- E—F** Line passes through village Khandalzari in plot number 72, then proceeds along the outer boundary of plot number 69, crosses canal, then proceeds along the outer boundary of plot numbers 93, 91/1-91/2 and meets at point 'F'.
- F—G** Line passes through village Khandalzari along the outer boundary of plot numbers 91/1—91/2, 90, 89, 103/1A-103/1B-103/2A-103/2B-103/3, 105, 104, crosses nala in plot number 5, then proceeds partly through and partly along the outer boundary of plot numbers 4/1 to 21 in plot numbers 4/1 to 21, 155/1-155/2, crosses nala and meets at common village boundary of villages Khandalzari and Pirawa at point 'G'.
- G—H** Line passes through village Pirawa, crosses nala, then proceeds along the outer boundary of plot numbers 120, 121, 214, 109, 105, 103, 102/1—102/2, 101, 99, road, crosses road, then proceeds along the outer boundary of plot number 78 and meets at point 'H'.
- H—I** Line passes through village Pirawa along the outer boundary of plot numbers 78, 73, 72, 70, 69, 64A-64B, 63, 52, 61, 55, 54 52 then proceeds through village Besur along the outer boundary of plot numbers 207, 409, 205/1-205/2, 204/1-204/2 and meets at point 'I'.
- I—A** Line passes through village Besur along the outer boundary of plot numbers 204/1-204/2, 203, crosses nala, then proceeds along the outer boundary of plot numbers 189, 188, 185/-185/2-195/3 and meets at starting point 'A'.

## मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(महिला एवं बाल विकास विभाग)

पूर्त विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के  
मामले में राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के मामले में

नई दिल्ली, 21 मई, 1993

का. आ. 1302.—राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा किए आवेदन पर और उनकी सहमति से पूर्त विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के खण्ड 10 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आदेश देती है कि नीचे दिए गए ब्यौरे के अनुसार रु. 48,18,000 (रु. अड़तालिस लाख अठारह हजार मात्र) (पचास लाख की छूट कीमत की राशि) स्टेट बैंक ऑफ पटियाला, सूर्या नगर शाखा, गाजियाबाद में 3 महीनों के लिए सार्टिफिकेट ऑफ इण्डियन योजना के अंतर्गत 15.10% की ब्याज दर के 7-5-93 को पुनः निवेश की गई :—

क्रम सं.	राशि	पिछले निवेश की तारीख	भुगतान की तारीख	अभियुक्तियाँ
1. रु.	50,00,000/-	06-02-93	07-05-93	वर्षी हुई राशि सिडिकेट बैंक, हौज खास, नई दिल्ली में 82 दिनों के लिए फिक्स डिपजिट योजना में जमा कराई जायेगी

2. भारत सरकार के तत्कालीन समाज कल्याण विभाग के दिनांक 2 मार्च, 1979 के समय-समय पर यथा संशोधित मा. आ. 120 (ई) की अधिसूचना के साथ प्रकाशित राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के संचालन की योजना के अनुसार प्रयोग किए जाने हेतु उपरोक्त खाता भारतीय पूर्त विन्यास के खातांजी के नाम होगा।

[सं. 13-4/93-टी. आर. II]  
आर. एल. मीना, उप निदेशक

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT  
(Department of Women & Child Development)

IN THE MATTER OF THE CHARITABLE ENDOWMENTS ACT, 1890  
(6 of 1890)

IN THE MATTER OF THE NATIONAL CHILDREN'S FUND, NEW DELHI

New Delhi, the 21st May, 1993

S.O. 1302.—On the application made by and with the concurrence of the Board of Management of the National Children's Fund, New Delhi, as in exercise of the powers conferred by Section 10 (2) of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), the Central Government do hereby order that the sum of Rs. 48,18,000 (Rupees Forty eight lakh eighteen thousand only) (discounted value of Rs. 50,00,000) (Rupees Fifty lakh only) as per particulars given below be reinvested in Certificate of Deposit Scheme for three months in State Bank of Patiala, Surya Nagar Branch, Ghaziabad at the rate of Interest 15.10% per annum w.e.f. 7-5-93.

Sl. No.	Amount	Date of previous Investment	Date of Maturity	Remarks
1.	Rs. 50,00,000	06-02-93	07-05-93	Surplus amount will be deposited in FD for 82 days in Syndicate Bank, Hauz Khas, New Delhi.

2. The above account shall vest in the Treasurer of Charitable Endowments of India to be held by him for being applied in accordance with the scheme for the administration of the National Children's Fund, New Delhi, published with the Notification of the Government of India in the then Department of Social Welfare No. S.O. 120 (E) dated the 2nd March, 1979 as amended from time to time.

[F. No. 13-4/93-TR-II]

MEENA, Dy. Director

## कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 मई, 1993

का. आ. 1303 :—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के भासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुमरण में कल्याण मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति आयोग, नई दिल्ली तथा इसके लखनऊ, भोपाल, शिमला पटना, गुणे, चण्डीगढ़, तिवेन्द्रम, हैदराबाद, वंगलौर, अहमदाबाद, भुवनेश्वर, जयपुर, ब्रिगरतला, मद्रास शिलांग, गुवाहाटी और कलकत्ता स्थित कार्यालयों को, जिनके 80 से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

[मं. ई. 11017/6/93—हिन्दी]

जी. सुन्दरम्, उप सचिव (प्रशासन)

## MINISTRY OF WELFARE

New Delhi, the 11th May, 1993.

S.O. 1303 :—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use for Official purposes of the Union), Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the National Commission for Scheduled Castes and Scheduled Tribes, New Delhi, and its offices located at Lucknow, Bhopal, Shimla, Patna, Pune, Chandigarh, Trivendram, Hyderabad, Bangalore, Ahmedabad Bhuvaneshwar, Jaipur, Agartala, Madras, Shillong, Guwahati and Calcutta, where more than 80% staff has acquired working knowledge of Hindi.

[No. E-11017/6/93—Hindi]  
G. SUNDARAM, Dy. Secy.

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 19 मई, 1993

का. आ. 1304 :—केन्द्रीय सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 138, तारीख 16 जनवरी, 1960 द्वारा प्रकाशित, में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, “धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन निर्वाचित” शीर्षक के नीचे क्रम

संख्या 28 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“28. डा. आर. एल. मित्तल,  
प्राचार्य और विभागाध्यक्ष,  
विकलांग विज्ञान और  
प्रधानाचार्य, सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय,  
पटियाला,

सदस्य की पदावधि 3-4-1994 तक होगी।

[सं. V/11013/12/93—एमई (यूजी)]  
आर. विजयाकुमारी, डैस्ट्रक्ट अधिकारी

## MINISTRY OF HEALTH &amp; FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 19th May, 1993

S.O. 1304.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Health published vide S.O. 138, dated 16th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading “Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3”, for serial number 28 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely :—

“28. Dr. R. L. Mittal, Professor and Head of Department of Orthopaedics, and Principal, Government Medical College, Patiala.

The term of the member shall be up to 3-4-1994.”

[No. V-11013/2/93-ME(UG)]  
R. VIJAYAKUMARI, Desk Officer

## शहरी विकास मंत्रालय

दिल्ली प्रभाग

नई दिल्ली, 24 मई, 1993

का. आ. 1305 :—यतः निम्नान्कित क्षेत्रों के बारे में कुछ संशोधन, जिन्हें केन्द्रीय सरकार अर्धावर्षित क्षेत्रों के बारे में दिल्ली बहुव योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में प्रस्तावित करती है तथा जिसे दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 61) की धारा 44 के प्रावधानों के अनुसार दिनांक 8-8-92 के नोटिस संख्या एफ-20 (6)/84 —एम पी द्वारा प्रकाशित किए गए थे जिसमें उक्त अधिनियम की उपधारा (3) में अपेक्षित आपत्तियों/सुझाव, उक्त नोटिस की तारीख के 30 दिन की अवधि में आमंत्रित किए गए थे।

और यतः प्रस्तावित संशोधनों के बारे में कोई आपत्तियाँ और सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार ने दिल्ली बहुव योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में संशोधन करने का निर्णय किया है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11-क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दिल्ली की उक्त बहुव योजना में एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है।

**संघोधन :** जोन डी-३ में पड़ने वाले और उत्तर में भगवान दास रोड से, पूर्व में मथुरा रोड से, दक्षिण में तिलक लेन गवर्नमेंट क्वार्टर्स के सर्विस रोड से और पश्चिम में भारतीय विधि संस्थान से घिरे लगभग 7611.62 बर्ग मीटर क्षेत्र के भूमि उपयोग को “आवासीय” से “भरकारी उपयोग (लायर्स चैबर)” में परिवर्तित करने का प्रस्ताव है, जिसके साथ निम्नलिखित शर्त होगी:—

- (क) अधिकतम भूमि कवरेज 25 प्रतिशत और एफ ए आर 100, (ख) प्रति 100 बर्ग मीटर निमित्त क्षेत्र पर 3 कार स्थान की पार्किंग सुविधा और (ग) नए बनने वाले भवन की ऊंचाई आस पास के भवनों के अनुरूप होगी।

[सं. के-13011/12/92-डी डी- 1 - बी]  
एस. सी. सागर, अवर सचिव

#### MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

(Delhi Division)

New Delhi, the 24th May, 1993

S.O. 1305.—Whereas certain modifications, which the Central Govt. proposes to make in the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan regarding the areas mentioned hereunder were published with Notice No. F. 20(6)/84-MP dated 8-8-92 in accordance with the provisions of Section 44 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) inviting objections/suggestions as required by sub-section (3) of the said Act, within thirty days from the date of the said notice;

And whereas no objections/suggestions have been received with regard to the said proposed modification;

And whereas the Central Government have decided to modify the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2) of Section 11-A of the said Act, the Central Govt. hereby makes the following modification in the said Master Plan for Delhi w.e.f. the date of publication of this Notification in the Gazette of India.

#### NOTIFICATION

“The land use of an area measuring about 7611.62 sq.m. falling in zone D-3 and bounded by Bhagwan Das Road in the North, Mathura Road in the East, Service Road of the Tilak Lane Govt. Quarters in the South and Indian Law Institute in the west, is proposed to be changed from ‘residential’ to ‘Governmental use’ (Lawyers Chamber), subject to a maximum ground coverage 25 per cent and FAR 100, (b) parking facility @ 3 car spaces per 100 sqm. built up area (c) the height of the new buildings to come up is to be in harmony with the surrounding buildings.”

[No. K-13011/12/92-DD-I-B]  
S. C. SAGAR, Under Secy.

#### नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय

(पर्यटन विभाग )

(होटल और रेस्तरां प्रभाग )

नई दिल्ली, 12 मई, 1993

का. आ. 1306:—भारत के राष्ट्रपति महोदय, हैरिटेज होटलों के विकास को प्रोत्साहित करने की वृष्टि

से, महलों/दुर्गों/फिलों/हवेलियों/किसी भी आकार के निवास-स्थानों को हैरिटेज होटलों में परिवर्तित करने के लिए “पूजीगत सहायता स्कीम” की घोषणा करते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत, 75 वर्ष से अधिक पुराने किसी भी स्मारक / ढाँचे का हैरिटेज होटल के रूप में विकास करने के लिए 5 लाख रुपये या लागत के 10% बराबर, जो भी कम हो, पूजीगत सहायता दी जाएगी परन्तु ऐसी परियोजना पर्यटन विभाग, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित होनी चाहिए। इस स्कीम की शर्तें निम्नानुसार हैं:—

- (1) ऐसी परियोजना नगर निगम नगर पालिका के क्षेत्र से बाहर होनी चाहिए और उस क्षेत्र में अनुमोदित श्रेणियों में 100 होटल कमरों से अधिक नहीं होने चाहिए।
- (2) कोई उपयुक्त वित्तीय संस्था ऐसी परियोजना का मूल्यांकन करके स्वीकार करे। यह सहायता केवल ऐसी परियोजनाओं को मिलेगी जिनके लिए भारतीय पर्यटन वित्त निगम भारतीय औद्योगिक वित्त निगम या राज्य वित्त निगम अरु मंजूर करते हैं।
- (3) वित्तीय सहायता भारतीय पर्यटन वित्त निगम, भारतीय औद्योगिक वित्त निगम, और राज्य वित्त निगमों जैसी वित्तीय संस्थाओं के माध्यम से परिचालित की जाएगी तथा धनराशि वित्तीय संस्थाओं को अवमुक्त की जाएगी जो इस राशि की गणना परियोजना के लिए समग्र अरु इक्विटी अनुपात पर विवार करते समय प्रवर्तकों के कोटे के एक भाग के रूप में करेंगी।
- (4) यह स्कीम दो वर्ष की अवधि के लिए लागू होगी, अर्थात् 31-12-94 तक प्राप्त और स्वीकृत आवेदन-पत्रों को ही इस स्कीम में शामिल किया जाएगा। विभिन्न कार्यकलापों के लिए लगने वाले समय पर निर्भर करते हुए, संवितरण बाद में भी किया जा सकता है।
- (5) यह स्कीम अधिसूचना की तारीख से लागू होगी।
- (5) ये आदेश स्वीकृत वित्त की विनांक 4-5-93 की अनौपचारिक टिप्पणी सं. 838—एफ 2/93 में प्रदत्त सहमति से जारी किए गए हैं।

[फाइल सं. 3-टी एच II ( 6 ) / 92]

के, बी. ईप्पन, अवर सचिव

#### MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM

(Department of Tourism)

(H and R Division)

New Delhi, the 12th May, 1993

S.O. 1306.—To encourage growth of Heritage Hotels, the President of India is pleased to announce Capital Subsidy Scheme for converting places/castles/forts/havelies/residences

of any size into Heritage Hotels. Under the Scheme a capital subsidy of Rs. 5 lakhs or 10% of the cost, whichever is less, will be available for developing any monument/structure over 75 years old into a heritage hotel and the project should be approved by Department of Tourism, Government of India. The Scheme is subject to following terms and conditions :—

- (i) The Project would be located outside areas covered by a Corporation/Municipality and there should not be more than 100 hotel rooms in approved categories in the area.
- (ii) The project should be appraised and accepted by a suitable financial institution. The subsidy is available only on those projects for which loans are sanctioned by Tourism Finance Corporation of India, Industrial Finance Corporation of India or the State Financial Corporation.
- (iii) Financial assistance would be operated through Financial Institutions, i.e., T.F.C.I., I.F.C.I. and S.F.C.s, and the amount would be released to the financial institutions who would count this amount as a part of the promoters quota while considering the overall debt equity ratio for the project.
- (iv) The scheme would be operative for a period of two years, i.e. applications received and sanctioned upto 31-12-94 would be covered under this scheme. The disbursements could even be later, depending upon the time frame for various activities.
- (v) The scheme takes effect from the date of Notification.
- (vi) These orders are issued with the concurrence of Integrated Finance vide their U.O. No. 838 F. II/93 dated 4-5-93.

[File No. 3-TH. II(6)/92]  
K. V. EAPEN, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 मई, 1993

का. आ. 1307 :—पवन हंस लिमिटेड के ज्ञापन और मंस्था अंतर्नियम के अनुच्छेद 38 (क) हारा प्रदत्त प्रक्रियाओं का प्रयोग करते हुए, राज्यपति परिचालन निदेशक (परिवहन और मेरिटाइम) के पद के लिये नये पदधारी एयर कमोडोर जे. एस. राय, वी एम और वार वारु सेना मुख्यालय की नस्वार से ए. वी. एम. के. के. बाबू के स्थान पर फिल्ड निदेशक परिचालन निदेशक (परिवहन और मेरिटाइम) वाय सेना मुख्यालय के पद का कार्यभार छोड़ दिया है, पवन हंस लिमिटेड के निदेशक मंडल में परेन निदेशक नियुक्त करते हैं।

[सं. ए.वी. 13015/81/83—एसीटीएल]  
एम. भट्टाचार्जी, ग्रावर सचिव

New Delhi, the 24th May, 1993

S.O. 1307.—In exercise of the powers conferred by Article 38(a) of the Memorandum and Articles of Association of Pawan Hans Limited, the President is pleased to appoint new incumbent of the post of Director of Operations (Transport and Maritime), Air HQ, A/Cdr. J. S. Rai, VM and Bar, as an ex-officio Director on the Board of Pawan Hans Limited, with immediate effect, vice AVM K. K. Babu who has demitted the office of Director of Operations (Transport and Maritime) Air HQ.

[No. AV. 13015/81/88-ACVL]  
M. PHATTACHARJEE, Under Secy

श्रम मंत्रालय  
नई दिल्ली, 17 मई, 1993

का. आ. 1308 :—ओर्डरांगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार श्रमिति कर्मशाल किलियरिन एजेन्सीज के प्रबन्धसंघ के संघरु नियोजकों और उनके कमंकारों के बीच, यन्त्रवंध में निर्दिष्ट ओर्डरांगिक विवाद में ओर्डरांगिक अधिकारण, गुजरात के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-5-93 को प्राप्त हुआ था।

[म. एल-31012/2/88-डी III (भी)]  
बी. एम. डेविल, डैस्क प्रधिकारी

#### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 17th May, 1993

S.O. 1308.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Gujarat as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of The Director M/s. Commercial Clearing Agencies and their workmen which was received by the Central Government on 13-5-1993.

[No. L-31012/2/88-D.II (B)]  
B. M. DAVID, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI H. R. KAMODIA, PRESIDING OFFICER,  
INDUSTRIAL TRIBUNAL, AHMEDABAD

Ref. (ITC) No. 3 of 1989

#### ADJUDICATION

#### BETWEEN

The Director, M/s. Commercial Clearing Agencies (P) Ltd. 21, Dr. V. B. Gandhi Marg, 2nd Floor, Fort, Bombay-23.

#### Versus

The workmen employed under it.

#### APPEARANCES :

Shri V. Premchaud, Advocate—for the first party.

Shri A. S. Shah and Shri Vishnu M. Joshi, Advocates—for the second party.

#### AWARD

An industrial dispute between the abovenamed parties was initially referred for adjudication u/s. 10(1) of the I. D. Act, 1947 to the Industrial Tribunal, Ahmedabad by the Desk Officer, Government of India, Ministry of Labour under his Order No. L-31012/2/88-D.II (B) dated 21-12-1987. Subsequently under an appropriate Government order it has been transferred to this Tribunal for adjudication.

2. The industrial dispute relates to the question whether action of the management of M/s. Commercial Clearing Agencies Pvt. Ltd. Bombay/Gandhidham in dismissing Shri Manitbhai D. Bhojani, Ex. Customs and Dock Clerk from service w.e.f. 1-3-88 is justified. If not, what relief the workman is entitled to?

3. The second party has in its statement of claim at Ex. 7 has contended that he had joined service of the first party from the year 1974. He had worked there upto the year 1982. Thereafter he had resigned. Then again he was taken up in service in the month of August, 1986. His monthly emoluments were Rs. 1800. He was given appointment letter in the month of November, 1986. His service records were clean and blotless. Then on 10-2-88 he was served with the suspension order. Before that he was not served with a notice. Thereafter on 13-2-88 he was served with a notice terminating his service thereof w.e.f. 29-2-88. This termination of service is mala-fide perverse and hence he has prayed to direct the first party to take him back in service with full back wages.

4. The first party has resisted the statement of claim by filing its written statement Ex. 9, wherein it has inter alia contended that the reference is not at all tenable and so it deserves to be dismissed. It is true that the concerned workmen had rendered the service with effect from 1974 to 1982. He again joined service in the month of October, 1986. He was appointed to the post of Customs and Dock Clerk w.e.f. 1-11-86. He was entrusted with the work of preparation of customs bills etc. His work was not found to be satisfactory. It was denied that his salary was fixed at Rs. 1800 per month. He was not suitable for service. He was asked to work under Shri Prakash Jayram Mhatre. It is denied that he was asked to establish office at Gandhidham. His work was not found to be satisfactory during his probation period. So his probation period was extended from time to time and ultimately his probation period was terminated w.e.f. 29-2-88. It has denied that he was suspended from service. Therefore it has prayed to dismiss the reference with cost.

5. The concerned workman is examined at Ex. 46, whereas the first party has examined Shri Deepakumar Kashiram Kadam at Ex. 59. This is the only oral evidence on the record. The parties have produced some documentary evidence. They rely on the same in support of their respective contentions. I have heard the learned advocates of the parties and I have gone through the entire record of the case.

6. Some facts are not in dispute. The concerned workman was taken up in service in the year 1986. Ex. 40 is the letter given to the concerned workman. It shows that he was taken up in service as Customs and Dock Clerk w.e.f. 1-11-86. However reference must be made to another letter at Ex. 48. It is dated 10th September 1986. It was addressed by the Director of the first party to the Asstt. Collector of Customs, Bombay. It was mentioned therein that Shri Manibhai Bhojani was their full-time employee and payment was made to him. It is a letter of 10th September, 1986. It must be held that on 10th September, 1986 he was in service and so subsequent letter at Ex. 40 would show that he was taken up in service w.e.f. 1-11-86 is not correct. There are, therefore reasons to believe that he was in service at least in the month of September, 1986.

7. Thus it is an admitted fact that the first party has not complied with the provisions contained in Section 25-F of the I.D. Act, 1947. According to it it is not necessary to comply with the provisions of the I. D. Act, 1947. The concerned workman was on probation. It is the contention of the concerned workman that Section 25-F of the I. D. Act, 1947 was required to be complied with in as much as his service appear to have been illegally terminated. The probation period of the concerned workman was extended for a further period of six months from 1-4-87 by a letter at Ex. 41. Thereafter the probation period was further extended for 3 months w.e.f. 1-10-1987 by letter Ex. 47 and thus his probation period was extended till 29-2-88. It is not necessary to refer to these letters because it is an admitted position that the probation period was extended upto 29-2-88. It appears that some complaints were made against the concerned workman. He was informed as to the same. Ex. 64 is the letter dated 3-10-87. Shri Deepakbhai Kadam Ex. 59 has said that it is written by Prakash Jayram. It does not appear to have been written by Prakash Jayram. Shri Deepakumar has said that he had joined the service of the first party from August, 1987. His posting was made at Bombay. He had never gone to any place except Bombay and so he has got no knowledge about what has happened in Gandhidham. He was not in service in the year 1986 when Shri Bhojani was appointed. He does not know whether the concerned workman was replied to Ex. 60. He does not know what work was entrusted to Shri Bhojani. Thus he was examined to prove some letters. However, he was never in Gandhidham and so he never seen Shri Mahtra writing any letter. Still however, he has said that Shri Mahtra had written some letters and to they were exhibited. Proof of the execution of letters will not amount to proof of the contentions of the documents. At the same time proof contents of documents will not amount truth of the contents of the documents. Therefore production of documents by this witness as has been written by Shri Mahtra will not amount to anything. Anyway the fact remains that the concerned workman was discharged from 1-2-88. However, the demand draft for payment upto 29-2-88 was sent to him. In this connection the learned advocate of the first party has drawn my attention to some

citation. He has first drawn my attention to a case of Employers in relation to Mudidih Colliery of M/s. Burrakar Coal Co. Ltd. and The Presiding Officer, Dhanbad and others reported in 1971 (I) LLJ at page 84), wherein it was held that the termination of service of an employee by an employer in exercise of the powers conferred on him by terms of contract will be a right. In the reported case the employees purported to terminate the service of the employee by virtue of powers conferred by the terms of contract and so it has been held that the Industrial Tribunal cannot question its validity. There is no question of probation period. Thereafter my attention was drawn to a case reported in Dhanjibhai Ramjibhai versus State of Gujarat reported in 1985 SC cases L and S) p. 379. In that case probation continued without confirmation after completion of his probation. Hence it was contended that he must be deemed to have been confirmed in service. This submission was negatived by their Lordships. His services were terminated due to unsuitability. As the termination was not stigmatized, opportunity was not required to be given to the probationer. This is a case of Sales-tax Officer who was governed by departmental rules. His case was considered under Article 311. Therefore the decision reported in this ruling is not applicable to the facts of the present case. Thereafter my attention was drawn to the case of Municipal Corporation versus Ashok Kumar Misra (1991) 3 SCC 325. It was a case of Municipal employee who was governed by M.P. Government servants, General Conditions of Service Rules, 1961. Therefore Industrial Law was not applicable. To the present case there is direct ruling in regard to the termination of service of a probationer. It is reported in Karnataka S.R.T. Corp. Versus M. Boraish reported in 1984 1 SCC 244. In that case the service of a probationer was terminated. It was held that Section 2(oo) covers every case of termination of service except those which have been embodied in the definition. It was further held that discharge from employment or termination from service of the probationer would also amount to retrenchment. Their Lordships have considered as many as 10 decisions for coming to this conclusion, besides the definition of retrenchment contained in Section 2(oo) and more particularly the words "for any reason whatsoever" appearing in a definition. Therefore, their Lordships have come to the conclusion that even if the service of a probationer is terminated the mandatory requirement contained in Section 25-F will have to be complied with provided his case does not fall within the effected categories of Section 2(oo). In the instant case the service of the concerned workman were terminated on the ground of unsuitability. His services were not terminated on the ground contained in Section 2(oo). Hence the mandatory requirement in Section 25-F of the I. D. Act, 1947 will be required to be applied. They were not complied with, with the result that the termination of his services without compliance of mandatory requirement contained in Section 25-F of the I. D. Act, 1947 would be bad in law. Hence, the action of the first party in terminating the services of the concerned workman must be held to be bad in law as it clearly flouts the mandatory requirement contained under Section 25-F of the I. D. Act, 1947.

It was submitted that the office at Gandhidham was closed not to be action on the date on which the service of the termination order was issued to the concerned workman. However, this Tribunal is not called upon to decide the question of closure of the establishment of the first party in Gandhidham. This Tribunal is called upon to judge whether the termination of Shri Manibhai Bhojani from service w.e.f. 1-3-88 is justified. I have come to the conclusion that his dismissal/termination from service is in contravention of the imperative requirement contained in Section 25-F of the I. D. Act, 1947. Therefore I pass the following order.

#### ORDER

The reference is allowed. So the termination of service of Shri Manibhai Bhojani w.e.f. 1-3-88 being in contravention of the provisions of Section 25-F of the I. D. Act, 1947 is set aside. Consequently it is held that he continues in continuous service w.e.f. 1-3-88. The first party is directed to pay Rs. 200 by way of cost to the second party and bear its own.

N. N. PATEL, Secy.  
Ahmedabad,

Dated : 29th April, 1993.

H. R. KAMODIA, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 18 मई, 1993

का. आ. 1309 :—जब कि तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, देहरादून के प्रबन्धन एवं उनके कर्मकारों, जिनका प्रतिनिधित्व पैट्रोलियम इम्प्लाइज यूनियन, तेल रसायन भवन, तिलक रोड, दादर, बम्बई-400014 कर रहा है, के बीच एक औद्योगिक विवाद बिचारन किया जाता है।

और जबकि उक्त प्रबन्धन एवं उनके कर्मकार जिनका प्रतिनिधित्व पैट्रोलियम इम्प्लाइज यूनियन कर रहा है, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क को उप धारा (1) के अन्तर्गत एक नियित करार द्वारा उक्त विवाद को विचारन के लिए भेजने पर सहमत हो गए हैं और उक्त विचारन करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेज दी गई है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 10-क की उपधारा (3) के अनुभरण में केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा उक्त करार को प्रकाशित करती है।

करार

(ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अन्तर्गत)

पक्षकारों के नाम

पक्षकार के प्रतिनिधि	कर्मकारों के प्रतिनिधि
तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग	पैट्रोलियम इम्प्लाइज यूनियन

पक्षकार निम्नलिखित विवाद को विचारन के लिए भारत के उच्चतम न्यायालय के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश श्री बी. डी. तुलजापुरकर के पास भेजने के लिए सहमत है।

(1) विवाद के विशिष्ट मामले:—दिनांक 14 जुलाई, 1989 को हुए समझौते की शर्तों को ध्यान में रखते हुए कर्मकार 1 अप्रैल, 1987 से 31 जुलाई, 1989 की अवधि के लिए समयोपरि भर्ते का बकाया पाने के हकदार हैं अर्थात् नहीं।

(2) विवाद से संबंधित पक्षकारों के विवरण (अन्तर्गत स्थापना अथवा उपकरणों के नाम एवं पते सहित)

1. तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, बम्बई, केन्द्रीय व्यापार केन्द्र, 2-ए, बम्बई भवन, बांद्रा (पूर्व) बम्बई-400051

और

इसके अन्तर्गत नियुक्त, एवं पक्षकारों के बीच 14 जुलाई, 1989 को समझौता ज्ञान के अन्तर्गत शामिल कर्मकार।

(3) उस यूनियन का नाम, पैट्रोलियम इम्प्लाइज यूनियन यदि कोई हो, जो कर्मकारों का प्रतिनिधित्व तेल रसायन भवन, तिलक रोड, दादर, बम्बई-400014 करती है।

(4) प्रभावित उपकरण द्वारा नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या

(5) विवाद से प्रभावित या प्रभावित होने वाली संभावित कर्मकारों की अनुमानित संख्या

विवाचक छह माह की अवधि के भीतर या लिखित आपसी करार के माध्यम से बढ़ाई गई अवधि के भीतर अपना पंचाट देंगे। यदि पंचाट उपकरण अवधि के भीतर नहीं दिया जाता तो विचारन का कार्य स्वतः ही समाप्त समझा जाएगा एवं हम नवीन विचारन के सम्बन्ध में विचार-विमर्श करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

हम इस बात में भी सहमत हैं कि विचारन का पंचाट हम पर बाध्यकारी होगा।

पक्षकारों के हस्ताक्षर।

प्रबन्धन की ओर से	यूनियन की ओर से
1. हस्ताक्षर --	ह. --

(एस. के. चावला) अध्यक्ष (राजा कुलकर्णी)  
महाप्रबन्धक (कार्मिक) पैट्रोलियम इम्प्लाइज यूनियन,  
ओ. एन. जी. सी., तेल रसायन भवन, बीट  
तेल भवन, देहरादून वक़्रशाप के पीछे, तिलक रोड,  
दादर, बम्बई-14

#### विचारक को सहमति

सेवा में

सचिव, भारत सरकार,  
श्रम मंत्रालय,  
नई दिल्ली

विवरण:—विचारक को ओद्योगिक विवाद के बारे में संदर्भित ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अन्तर्गत आवेदन।

उपरोक्त मामले पर तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के प्रबन्धन के प्रतिनिधि एवं पैट्रोलियम इम्प्लाइज यूनियन, बम्बई के प्रतिनिधि द्वारा मेरे साथ विचार-विमर्श किया गया था।

ओद्योगिक विवाद (केन्द्रीय) नियमावली, 1957 के नियम-7 के अन्तर्गत यथा अपेक्षित, मैं एतद्वारा नियन-

लिखित शर्तों पर उपरोक्त मामले में विवाचक के रूप में कार्य करने की लिखित में अपनो सहमति देता हैः—

(1) यह पंचाट “नान स्पार्किंग” पंचाट होगा अर्थात् पंचाट बिना कारण बताये दिया जायेगा।  
और

(2) पश्चात् यह वचन दें कि वे मेरे पंचाट को स्वीकार करेंगे और उसे चौनांती नहीं देंगे।

उपरोक्त आधार पर आप ग्रावियक अधिसूचना जारी करने के लिये अग्रिम कारंथाई करें।

भवदीय,

三、1-

(वी.डी.तलजापरकर)

[सं. एल-30013/1/92/आईआर (विविध)]  
र्बा. एम. डेविल्स, ऐस्क अधिकारी

New Delhi, the 18th May, 1993

(v) Estimated number of workmen affected or likely to be affected by dispute. 27187

The Arbitrator shall make his award within a period of six months or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case the Award is not made within the period afore-mentioned, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

We further agree that the award of the Arbitrator be binding on us.

### **Signature of the Parties**

On behalf of the Management On Behalf of the Union

1.

1.

(S.K. Chawla)  
Gr. General Manager  
(Personnel)  
ONGC, Tel Bhawan,  
Dehradun.

President (Raja Kulkarni)  
Petroleum Employees Union  
Tcl Rasayan Bhavan,  
Opp : Beat Workshop,  
Tilak Road,  
Dadar, Bombay-14

#### CONSENT OF THE ARBITRATOR

To,  
The Secretary to the Govt. of India  
Ministry of Labour  
New Delhi

Subject : Applications under Section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947, for reference of an industrial dispute to an Arbitrator.

The matter noted above was discussed by the representatives of the Management of ONGC and the representative of Petroleum Employees Union, Bambay, with me.

As required under Rule 7 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, I hereby give my consent in writing to act as an Arbitrator in the matter noted above on conditions that

- (i) there will be a non-speaking (without reasons) Award; and
  - (ii) the Parties give an undertaking that they will abide by my Award and not challenge the same.

On the above basis, you may proceed to take steps to have the requisite notification issued.

Yours faithfully,  
Sd/-

(V. D. TULZAPURKAR)  
[No. L-30013/1/92-IR (Misc)]  
B. M. DAVID, Desk Officer

नई दिल्ली, २४ मई, १९९३

का. आ. 1310.—जोधपुरिक विद्वाद अधिनिरन, 1947  
(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार तमिलनाडु मद्रास के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुवंश में निर्दिष्ट औद्योगिक विद्वाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण मद्रास पोर्ट ट्रॉट के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18 मई, 93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एज. 33012/7/88-ही.-3(बी)]  
बी.एम. डेविड, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th May, 1993

S.O. 1310.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Tamil Nadu, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Madras Port Trust, Madras-I and their workmen, which was received by the Central Government on 18-5-1993.

[No. L-33012/7/88-D.III (B)]  
B. M. DAVID, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU MADRAS

Wednesday, the 31st day of March, 1993

#### PRESIDENT :

Thiru M. Gopalaswamy, B.Sc., B.L., Industrial Tribunal.  
Industrial Dispute No. 40 of 1989

In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the management of Madras Port Trust, Madras-I.

#### BETWEEN

Thiru K. Venugopal,  
10/F. LIG (TNHB),  
Senumman Koil Street,  
Madras-600081.

#### AND

The Chairman,  
Madras Port Trust,  
Rajaji Street, Madras-600001.

#### REFERENCE :

Order No. L-33012/7/88-D.III (B), dated 17-4-1989, of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Wednesday, the 10th day of March, 1993 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Tiruvallargal R. Ganeshan, S. Sathyamoorthy and R. Gowthaman Advocates appearing for the workman and of Tiruvallargal A. L. Somayaj and R. Arumugam, Advocates appearing for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration this Tribunal made the following.

#### AWARD

This dispute between the workman and the Management of Madras Port Trust, Madras arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-33012/7/88-D.III(B) dated 17-4-89 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

"Whether the action of the management of Madras Port Trust Madras in dismissing Shri K. Venugopal, Assistant Technician (Mechanical) from service w.e.f. 29-4-1987 is justified. If not, what relief is the concerned workman entitled to?"

#### 2. The petitioner workman alleges as follows :

He was working in the Respondent as an Assistant Technician under the control of Chief Mechanical Engineer. On an allegation that he criminally assaulted one Ravindran an electrician working under the Respondent on 19-9-1986 at 9.00 p.m. within the office premises, a charge memo was issued to him. At the Domestic enquiry Ravindran and 2 witnesses Dasta-

ger and Munuswamy were examined. Domestic Enquiry Officer found that the charges have been proved. The petitioner made an application stating that the finding were incorrect that the same should not be accepted and that two of his witnesses be examined. Accordingly Bangarusamy and Purushothaman were examined as defence witnesses. The Domestic Enquiry Officer again found in his 2nd report that the charges have been proved. The Petitioner has received an injury at the hands of Ravindran who gave false complaint as though he was attacked by the Petitioner. The evidence does not prove the charges. The enquiry officer's findings are perverse. Regarding the same instance, the petitioner was criminally prosecuted by the Police before the Metropolitan Magistrate, George Town who acquitted the petitioner of the charges. In any event, the punishment of dismissal imposed without looking into the past record of service is too extreme and severe and it is liable to be set aside. A suitable award may be passed.

#### 3. The Respondent states as follows :

To the charge memo issued on 25-9-86, the petitioner did not give any explanation. On application made by the petitioner to give him further opportunities to prove his case, The domestic enquiry was reopened and two more witnesses were examined, as defence witnesses. The respondent sent a belated letter requesting that another domestic enquiry should be held by a newly appointed Enquiry Officer. This was rejected by the Respondent. The Domestic Enquiry Officer submitted his 2nd report dated 21-3-1987. Then the 2nd show cause notice was issued dated 25-3-87. The Petitioner gave his explanation on 2-4-87. Considering all the facts, the respondent passed an order discharging the petitioner from service. An appeal sent by the petitioner on 18-6-87 was rightly dismissed. The Domestic Enquiry Officer's findings are proved by evidence and they have been upheld by the disciplinary authority. The punishment of discharge is adequate and just. There is no merit in the claim. It is liable to be dismissed.

#### 4. The points for determination are as follows :

- (1) Whether the findings are sustainable
- (2) Whether the punishment of discharge needs to be modified.

#### 5. Points 1 and 2 :

Exhibits W-1 to W-29 and Exs. M-1 to M-3 have been marked. The Domestic Enquiry has been accepted by this Tribunal to be fair and proper. Now we have to assess the evidence given before the Domestic Enquiry Officer and see whether the charges have been actually proved or whether the findings are perverse.

The charge against the petitioner as found in Ex. W-3 is extracted below :

"That Shri K. Venugopal, T. No. 2713, Assistant Technician (Mechanical) has assaulted Shri V. Ravindran, T. No. 5040, Electrician Gr. III on 19-9-1986 at 9.00 p.m. when he was prevented from allegedly attempting theft of electrical material from electrical room of container Terminal Workshop, the misconduct of which is punishable under clause 42 (C) (i) and C (iv) of the Standing Orders for the Port of Madras read with proviso thereof."

A copy of the Domestic Enquiry proceeding contained in Pages 111 to 137 is marked as Ex. W-28. The crucial part of the evidence of complainant Ravindran, Electrician Gr-III runs thus :—

"On that day, 19-9-85, I was attending to my regular work such as checking of batteries, self starters and dynamos for the lorry transport, at that time one Shri Venugopal, fore handling came to the spot. I questioned him why are you here? He has replied me that this is not your father's place, and slapped me and hit me on left cheek and hit near the right eye."

6. This description of the incident is too vague and artificial. While the fact that the Petitioner-Delinquent being workman under the respondent is known to Dastageer and Munuswamy (MWs-2 and 3) it is strange that MW-1 Ravindran took the petitioner to be a total stranger having no right to be found at the container terminal service station within the Port Trust Area. He has no cared to ascertain the identity of the petitioner by enquiring MWs-2 and 3 about the alleged petitioner's attempt to commit theft of electrical wires or articles. MW-1 Ravindran has not spoken about the details. His jumping to a sudden conclusion that the petitioner was a suspect in the premises cannot be believed in the normal course. Further more MWs-2 and 3 Dastageer and Munuswamy said that they heard noise of some commotion and did not see who attacked whom. DW-1 Bangarawamy the first aider has proved that he gave the first-aid to the delinquent for a fresh bleeding injury. Both MW-1 Munuswamy and MW-2 Dastageer told at the domestic enquiry that they saw Venugopal and Ramachandran man-handling each other and rolling on the ground and the separated one from another. The evidence as a whole does not prove that the petitioner—delinquent is the assailant who started the quarrel and charged MW-1 Ravindran in the 1st instance. Petitioner has suggested that the complainant, Ravindran MW-1 was threatened by a co-worker Ravishankar and hence the complainant threatened the petitioner Venugopal thinking that the petitioner was responsible for Ravishankar's outburst. A perusal of the evidence of MW-1 Ravindran reveals that his description of the event does not bring out the whole truth, and that the pattern of event as described by him, cannot be believed as a natural and credible account, in the light of evidence given by other witnesses. The report given by the Domestic Enquiry Officer in Ex. W-90 (Page 53) does not give proper reasoning in support of his conclusion. It is based on surmises of a preconceived mind ready to uphold the charges. Where both the complainant and petitioner have sustained injuries, as a result of the incident, the facile conclusions of the Domestic Enquiry Officer are clearly perverse. It is pertinent to note that the Criminal Court has acquitted the petitioner by its judgement Ex. W-29. The evidence given by the complainant before the Magistrate marked as Ex. W-30 contradicts his evidence given before the Domestic Enquiry Officer. On a consideration of the entire materials, I hold on Point No. 1 that the Domestic Enquiry Officer's findings are perverse and cannot be sustained. Hence there can be no question of imposing any punishment upon the petitioner. The petition is entitled to be reinstated in service with continuity of service and all other attendant benefits.

In the result, an award is passed directing the respondent to reinstate the petitioner in service and give him continuity of service and all other benefits including back wages. No Costs.

Dated the 31st day of March, 1993.

THIRU M. GOPALASWAMY, Industrial Tribunal  
WITNESSES EXAMINED

For both sides :

None.

#### DOCUMENTS MARKED

For Workman :

Ex. W-1—Complaint of Thiru Ravindran, Electrician (Xerox copy).

Ex. W-2/22-9-86—Memo issued to the Petitioner-Workman Thiru K. Venugopal (Xerox copy).

Ex. W-3/25-9-86—Charge memo issued to the Petitioner-Workman by Chief Mechanical Engineer (Xerox copy).

Ex. W-4/1-10-86—do-

Ex. W-5/12-12-86—do-

Ex. W-6/17-12-86—Findings of the Enquiry Officer (Xerox copy).

Ex. W-7/18-12-86—Letter from the Petitioner-Workman to Chief Mechanical Engineer (Xerox copy).

Ex. W-8/24-12-86—do-

Ex. W-9/22-1-87—Memo issued by the Administrative Officer to the Petitioner Workman (Xerox copy).

Ex. W-10/2-2-87—Letter from the Petitioner Workman to the Chief Mechanical Engineer (Xerox copy).

Ex. W-11/9-2-87—Memo issued by the Executive Engineer to the Petitioner Workman (Xerox copy).

Ex. W-12/13-2-87—do-

Ex. W-13/20-2-87—Letter from Petitioner-Workman to the Chief Mechanical Engineer (Xerox copy).

Ex. W-14/20-2-87—Letter from the Petitioner workman to the Enquiry Officer (Xerox copy).

Ex. W-15/25-2-87—Memo issued by the Executive Engineer to the Petitioner-Workman (Xerox copy).

Ex. W-16/28-2-87—do-

Ex. W-17/9-3-87—Letter from Petitioner Workman to the Chief Mechanical Engineer (Xerox copy).

Ex. W-18/10-3-87—Letter from Petitioner-Workman to the Chief Mechanical Engineer (Xerox copy).

Ex. W-19/21-3-87—Findings of the Enquiry Officer (Xerox copy).

Ex. W-20/24-3-87—Letter from Petitioner workman to Chief Mechanical Engineer (Xerox copy).

Ex. W-21/25-3-87—Memo issued by the Chief Mechanical Engineer to the Petitioner Workman (Xerox copy).

Ex. W-22/28-3-87—do-

Ex. W-23/2-4-87—Letter from Petitioner-workman to the Chief Mechanical Engineer (Xerox copy).

Ex. W-24/9-4-87—Memo issued by the Administrative Officer to the Petitioner Workman (Xerox copy).

Ex. W-25/294-87—Memo issued by the Chief Mechanical Engineer to the petitioner workman (Xerox copy).

Ex. W-26/18-6-87—Letter from Petitioner workman to the Chairman (Xerox copy).

Ex. W-27/19-7-87—Memo issued by Chairman to the Petitioner workman (Xerox copy).

Ex. W-28/—Proceedings of the Enquiry Officer (Xerox copy).

Ex. W-29/8-3-87—Judgement of 16th Metropolitan Magistrate, G.T. Madras-1 in case No. 2745/86 (Certified copy).

Ex. W-30/ —Deposition of Thiru V. Ravindran and 2 others examined before 16th Metropolitan Magistrate, G.T. Madras-1 (Certified copies).

#### For Management :

Ex. M-1/10-10-86—Letter from the Chief Mechanical Engineer to the Petitioner Workman (Xerox copy).

Ex. M-2/14-10-86—Reply by petitioner-workman to Ex. M-1 (Xerox copy).

Ex. M-3/31-10-86—Letter from Chief Mechanical Engineer to the Petitioner Workman (Xerox copy).

नई दिल्ली, 24 मई, 1993

का.आ. 1311.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण केन्द्रीय सरकार नम्बर-2 धनबाद के प्रबंधतात्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निश्चिट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण क.डी. कम्पनी हजारीबाग के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17 मई, 93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एम-29011/17/89-प्राइमरा]

के.एम. डेविड, इस्क प्रधिकारी

New Delhi, the 24th May, 1993

S.O. 1311.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2 Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of K. D. Company, Hazaribagh and their workmen which was received by the Central Government on 17th May 1993.

[No. L-29011|17|89.IR]  
B. M. DAVID, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. 2) AT DHANBAD

##### PRESENT :

Shri B. Ram,  
Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947.

Reference No. No. 16 of 1989

##### PARTIES :

Employers in relation to the management of K. D. Company, Hazaribagh and their workmen.

##### APPEARANCES :

On behalf of the workmen.—Shri B. Joshi, Advocate.

On behalf of the employers.—Shri J. P. Singh, Advocate & Shri S. N. Chatterjee, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Lime stone.

Dated, Dhanbad, the 10th May, 1993

#### AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-29011|17|89.I.R., dated, the 31st July, 1989.

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. K. D. Co. Ltd. Sirka, P. O. Argada, Distt. Hazaribagh in not making payment of V.D.A. w.e.f. 1-1-87 to Sri Nageswar Ram and 168 others at par with the V.D.A. payable to the workmen engaged in Bisra Stone Lime Co., Birmitrapur, Orissa is justified. If not, to what relief the workmen concerned are entitled ?"

2. The concerned workmen namely Nageswar Ram and 168 others are demanding payment of V.D.A. at par with the workmen engaged in Bisra Stone Lime Co., Birmitrapur, Orissa with effect from 1-1-87. The concerned workmen claims to be the employees of M/s. K. D. Co. Ltd. Sirka, P. O. Argada, Distt. Hazaribagh. It is stated that previously this K. D. Co. and few others as described in para-2 of the W.S. of the workmen were under managing agency of Bird & Co. In course of time this Bird Group of Companies were taken over by the Govt. of India with effect from 25-10-80 and as stated the Steel Authority of India was entrusted with the responsibilities of the management of the companies on behalf of the Central Government. All the companies except Eastern Investment Ltd (EIL) were engaged in producing minerals like Iron Ore, Manganese, Lime Stone, Fire Clay and Refractories. They were all more or less mining undertakings.

3. The concerned workmen submitted through the W.S. that in the year 1984 four companies namely M/s. O.M.D.C. Ltd., M/s. K.D. Co. Ltd., M/s. B.S.L. Co. Ltd. and M/s. Scot & Sixby Ltd. got amalgamated and came under the management of common board of directors with one Chairman. The Chairman and the Directors were appointed by the Central Government. It was stated that the workmen engaged in all the companies are entitled to be paid V.D.A. @5 paise per point increase in average price index with the base year in 1960 over 317. It was further stated that the average price index for quarter ending 1987 was 752 and the V.D.A. per day for daily rated workers was Rs. 21.75 P. and for monthly paid staff it was Rs. 565.50. This rate of V.D.A. was being paid to all the workmen working in the mines of erstwhile Bird Group of Companies except the workmen working in the mines of K.D. Co. Ltd. The concerned workmen were paid V.D.A. @ 4 paise per point increase prior to 1-1-87.

4. It was stated further that the management of Bird Group of companies were taken over by the Central Government in 1980 on the ground that these companies were suffering loss due to mis-management and the Govt. took responsibilities to manage the business properly and to pay better wages and provide better facilities to the workmen but unfortunately the present management has adopted unfair labour practice and is avoiding payment of normal wages and V.D.A. Accordingly it has been prayed to pass an Award in favour of the concerned workmen.

5. While tracing out the history the management stated through W. S. that K. D. Co. Ltd. started refractory unit in 1971 and employed a number of women to run the refractory but the same got closed in January, 1984 due to regular labour unrest leading to uneconomical operation and heavy loss. Since then the company solely engaged itself in mining of lime stone and fire-clay.

6. Admittedly, the Bird & Co. was nationalised by the Central Govt. with effect from 25-10-80. The management stated that by virtue of the said nationalisation the share held by Bird & Co. vested in the Government of India. It is the case of the management that in K. D. Co. Ltd. the Bird & Co. had 30% share holding and to that extent of share only the vesting took place. Share of K. D. Co. as private owner in the industries was never nationalised and therefore the industries owned by the company retained their private character inspite of the administrative control of the industries by the Central Govt. The management submitted that in view of these facts the industries owned by K. D. Co. cannot be regarded as public undertaking. The Chairman and the Board of Directors are nominated by the Govt. of India for the purpose of administration which must be approved by resolution of the general body meeting. The Govt. of India is not concerned nor does take any financial responsibility.

7. The management further stated that after closure of the refractory the unit the K.D. Co. Ltd. took a decision to retrench the workers in the year 1984. However, the management decided not to retrench the workers but utilized the services in the mining operation. In this way the management took a sympathetic view of the matter considering the fact that there was possibility of refractory unit being re-started in the near future. The management stated that inspite of all hardship the company retained surplus labour and provided yearly increment and other facilities to the workers. It was also stated that the concerned workmen who were engaged primarily in the mining were getting V.D.A. as per notification of the Govt. of Bihar and on closure of the refractories the same V.D.A. which used to be paid to them is still being paid. According to the management since October, 1986 there has been no notification of the Govt. of Bihar in respect of increase of V.D.A. The concerned workmen were getting their wages as per the minimum wages Act. The management also agreed to give them annual increment as per various agreement although no such increment is provided in the minimum wages Act. For these reasons it has been stated that the concerned workmen have got no case and the reference is liable to be rejected.

8. The question for consideration is as to whether the concerned workmen are entitled for V.D.A. at per with the employees of Bisra Stone Lime Co. Ltd?

9. At the very outset some legal aspects of the matter was canvassed at the bar and it was contended on behalf of the management that the dispute under reference was not an industrial dispute within the meaning of Section 2(k) of the I.D. Act, 1947 and hence the reference was in competent and bad in law. That being so the Tribunal had no jurisdiction to decide the matter. It was contended that no concerned workmen was members of the union. There was nothing to show that the union had by any resolution decided to espouse the cause of the workmen before the Tribunal. There was no authority by the workmen to espouse their cause. Reliance was also placed upon the authority reported in 1975 Lab. I.D. at page-1153.

10. The learned counsel further submitted that the Hon'ble High Court and Hon'ble Supreme Court in cantona of cases held that to constitute industrial dispute there must be "community interest" and hence an individual has no right to espouse industrial dispute. It can be raised either by the Trade union or by the workmen individually. When the workmen at the general meeting take a decision for such an espousal and give authority to atleast 5 workmen as representative in absence of trade union. It was stated that the copy of the present reference was sent to the Secretary, Janabadi Mazdoor Kisan Samity but the W.S. was filed by one Sohrai Manjhi the Secretary of the trade union. The learned counsel urged that Janabadi Mazdoor Kisan Samity was not a registered trade union, and the entire reference was bad in law. The learned counsel further continued that prior to 1982 the word "Trade-Union" was not defined under the Industrial Disputes Act and so naturally even un-registered trade union used to espouse the cause of workmen giving rise to so many complications. The Parliament in its wisdom in order to put a ban to such mal-practices included Section 2(qq) by amendment. The newly added section defines Trade union which means it must be a registered under the Trade Unions Act. It was given effect from 21-8-84 and so after the appointed day no un-registered trade union can espouse any industrial dispute.

11. The learned counsel for the workmen, Shri B. Joshi contended on the other hand that such plea was not taken in the W.S. of the management. Even during the course of evidence no witness of the management challenged the status of the sponsoring union. This plea was for the first time canvassed during the argument stage when the evidence of all the sides have already been closed. I think the contention so raised by the learned counsel should not be completely brushed aside. Had this plea been taken earlier the workmen could have taken steps to examine Shri Sohari Manjhi, the Secretary of the union. Definitely no workman has come to testify the claim of V.D.A. but from the evidence of the management it has already been established that since 1987 no V.D.A. is being to the concerned workmen with the increase of price index. Even in the authority cited by the learned counsel for the management their Lordships were pleased to hold as follows :—

"When the authority of the union is challenged by the employer it must be proved by production of material evidence before the Tribunal, to which such a dispute has been referred, that the union has been duly authorised either by a resolution of its members or otherwise that it has the authority to represent the workman whose cause it is espousing. Mere fact that the said Union is registered under the Indian Trade Unions Act is not conclusive proof of its real existence or the authority to represent the workmen."

12. From the authority cited above it is also clear that it was the consistent case of the management from the very beginning that the union had no authority to represent 174 dismissed workmen. This means the appellant had challenged the authority of the union from the very inception of the case. But here in the present reference no such plea was taken in the beginning rather it was simply canvassed at the argument stage.

13. No doubt the names of all the concerned workmen have not been noted in the reference but the management is in-know of the fact as to who and how many workmen from the refractory side had been despatched to the mining side. The identity of the concerned workmen were nowhere challenged and disputed by the management. I think this will not make the reference incompetent.

14. The other important contention of the management was that the industry owned by K. D. Co. Ltd. retained their private character and they cannot be regarded as public undertaking. It was their case that the concerned workmen were getting V.D.A. as per notification of the Govt. of Bihar and even after closure of refractory in 1984 they continued getting the same. In para 6 of the W.S. it has been stated that they are still getting V.D.A. However, according to the union the V.D.A. was completely freezed after 1-1-87. It was contended that since October, 1986 there has been no notification of the Govt. of Bihar in respect of increase in V.D.A. The next important point as disclosed in the W.S. was that the management had been paying the concerned workmen other allowances in the shape of annual increment and interim relief. The management was undergoing financial loss followed by several certificate proceedings and was not in a position to pay V.D.A. to the workmen.

15. The plea of the concerned workman was that after their transfer from refractory to mining side they became entitled for V.D.A. as per minimum rate fixed by the Central Government as the mines falls within the jurisdiction of the Central Government.

16. In order to meet these points I may refer to the evidence of the witnesses examined in the reference. First of all I may refer to the evidence of MW-2 Shri S. B. Mukherjee working as Executive Director of K. D. Co. He stated that they had been calculating V.D.A. @ 4 paise per point in the increase of price index. They had been paying that rate till December, 1986. He also stated that since January, 1987 the price index increased but they did not raise the rate of payment per point. He further stated that they had been paying in other form like interim relief. Here the question arises as to whether interim relief was equivalent to V.D.A.? Definitely this will be answered in negative. Otherwise the concerned workmen would not have insisted upon for V.D.A. MW-1 Shri B. B. Roy is Works Manager in K. D. Co. He stated that since 1986 there has been increase in price index. He further stated that in principle with the increase of price index there should be increase of V.D.A. However, he admitted that they did not increase V.D.A. with the increase of price index. The witness stated as follows :—

"Refactory workers" were provided with V.D.A. but after the closure of the refractory and coming of the workers in the mining side this V.D.A. was stopped."

This statement is more than sufficient to show that the concerned workman have been stopped payment of V.D.A.

17. The learned counsel for the workmen submitted that the very stopping of V.D.A. will arrest the provision contained under Section 9A of the I.D. Act. According to the provision no employer who proposes to effect any change in the condition of service applicable to the workmen in respect of any matter specified in the 4th schedule shall affect such change without giving any notice to the workmen. The whole object of the section is to prevent an unilateral action on the part of the employer changing the condition of service to the prejudice of the workmen. Unilateral withdrawal of any allowance, in my opinion, will amount to change in service condition. According to the W.S. of the workmen the payment of V.D.A. was completely freezed with effect from 1-1-87. This fact has been stated by WW-1 Shri Raj Kumar Sharma who has been working as Supervisor in K. D. Co. He stated that they were getting V.D.A. @ 4 paise per point in K. D. Co. but after 1-1-87 there was no increase in the V.D.A. rather it was stopped. Admittedly, no notice under Section 9A of the I.D. Act was given to the workmen before stopping V.D.A.

18. The management stated that after closure of refractory unit the K. D. Co. Ltd. had taken a decision to retrench the concerned workmen in 1984. But on the request of the union the management took a sympathetic view of the matter and decided not to retrench them but to utilise their services

in the mining operation. It is further stated that this refractory workers could not be usefully employed in mining operation because they had neither experience nor aptitude or willingness to work as mines workers and with the result about 100 workers were surplus receiving idle wages. Here it may be mentioned that the management is not bound to pay without any work and for that there are several other ways to deal with the matter. Perhaps this plea cannot be appreciated that the concerned workmen were not working and getting idle wages. MW-2 stated that the Central Govt. was insisting upon to retrench the concerned workmen who had been taken on the mining side. I think the Tribunal has got to business to express any view either to retain or to retrench but so long the workmen are in the employment they should get their dues.

19. The management stated that share of K. D. Co. as private owner of the industry was never nationalised and so the industries owned by K. D. Co. retained their private character. Actually this plea sounds paradoxical. Admittedly, the Bird & Co. was nationalised by the Govt. of India with effect from 25-10-80. According to the management Bird & Co. had 30% share holding in K. D. Co. and the vesting took place to that extent only. But we have no paper to support this fact. After take over the administrative control of the company went into the hands of the Central Government. In this connection the evidence of MW-2 could be very well looked into who stated that the main demand of the concerned workmen was that they should be paid according to the directions given by the Bureau of public undertakings. The companies undertaken by the Central Govt. are guided by the guideline of the Central Govt. issued from time to time. The Central Govt. issued guideline to the bureau of public undertakings. The witness has denied his knowledge that as per guideline issued by the Central Govt. the workmen were to be paid @ 4 paise per point increase in the price index. MW-1 and MW-2 stated that there has been increase in the price index since 1987 but there was no increase in V.D.A. This increase suggests that it must have increased more than 4 paise per point. Ext. W-4 and W-4/1 are the document showing increase in the price index.

20. The learned counsel for the concerned workmen has yet another point to submit. It was submitted that the sister-concern namely Besra Lime Stone Co. was also taken over by the Central Govt. like K. D. Co. and others but the employees of Besra Lime Stone Mines are getting V.D.A. at the increased rate. Ext. W-2 is the photo copy of the office order showing increase of V.D.A. for the quarter commencing from March, 1988 to May, 1988 @ Rs. 21.75 p. per day for daily rated and piece rated employees. This will come to 5 paise per point in the increase of price index. Similarly Ext. W-3 shows increase in V.D.A. @ 27.05 p. per day for the quarter beginning from December, 1989 to June, 1990 and February, 1992. Reference can also be made to the evidence of MW-1 who stated that his company and Besra Lime Stone Mine were taken by the Central Govt. and from both the mine lime stones are raised. He continued that mining process of both the mines are almost one and the same. Mines Act, 1952 and Mines Regulation are applicable to both the mines. In this very sequence evidence of MW-2 can also be of much help in solving this question. The witness stated that he had heard that the financial condition of all other Govt. undertakings including Besra mines is bad and poor. But they are paying V.D.A. to their workmen.

21. The management has got proved certain notices of certificate proceedings issued against the management just to show poor and financial conditions of the company. They have been marked Ext. M-1 to M-1/5. I think the poor financial condition should not be allowed to stand in the way when in the similar circumstances V.D.A. is being paid to the employees of Besra Stones Mines. Ext. W-1 is the yearwise chart showing production of lime-tone in M.T. The production from 87 to 89 will show the gradual increase and its despatch. Thus on the ground of poor condition the employees should not be forced to work on starvation wages.

1211 GI/93—13.

22. MW-1 stated that they had no requirement of so many persons in Mining side. His evidence in cross-examination will reveal that about 300 contract labours are working in the mining side. This figure is apart from the concerned workmen who were transported from refractory to the mining side. He also stated that all the workmen engaged on mining side are working regularly. In the circumstances, there can be no question of surplus employees in the mining side.

23. There are few other documents on behalf of the management. Ext. M-3 is the photo copy of the revised minimum rate of wages applicable to the workmen of Lime stone mine with effect from 25-10-88. Ext. M-4 and M-4/1 are the photo copies of the voluntary retirement scheme issued by the management in the form of notice. Ext. M-5 is the minutes of the meeting held on 18-1-90 between the officials of K. D. Co. and refractory workers union. The main concern of the meeting was that the workers of K. D. Co. were being paid very low when the neighbouring companies specially CCL is paying very high. Lastly after a long deliberation and keeping in view of the financial position of the company it was decided that the amount of interim relief to be raised from Rs. 65 to 100 per month. Ext. M-6 and M-7 are list of the officers constituting the board of directors. Ext. M-8 is the photo copy of the confidential letters dt. 24-8-81 written to the Labour Superintendent, Hazaribagh intimating lock out in the factory and mines to the company. Ext. M-9 to M-9/2 are the transfer letters to some of the employees transferring them from refractories to mining side. Ext. M-10 series are the audit reports of the company.

24. I have considered various aspect of the matter of this case. Refractory workers were transferred to mining side which completely falls within the domain of Central Government. The V.D.A. @ 4 paise per point increase in price index, which the refractory workers were getting has been stopped since 1-1-87 resulting in violation of the provision of Section 9A of the I.D. Act. It has been proved that Besra Limestone Mines placed in the similar circumstances has been paying V.D.A. @ 5 paise per point to its workers. In the circumstances, the concerned workmen are entitled for V.D.A. @ 5 paise per point increase in the price index with effect from 1-1-87 and the management is directed to implement it within 2 months from the date of the publication of the Award.

This is my Award.

B. RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 मई, 1993

का.ग्रा. 1326—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुमरण में, केन्द्रीय सरकार इंटेरेल कोच फैक्टरी, मद्रास के प्रबंधतात्व के मंबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनवृध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकारण मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18 मई, 1992 की प्राप्ति हुआ था।

[सं. ए.ल-41012/40/86-डी-2(बी) (भाग-1)

के वी.बी. उण्णि, डैम्स अधिकारी

New Delhi, the 19th May, 1993

S.O. 1312.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of integral Coach Factory, Madras and their workmen, which was received by the Central Government on 18-5-92.

[No. I-41012/40/86-D.II(B)(Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
TAMIL NADU, MADRAS**

Thursday, the 29th day of April, 1993

**PRESENT :**—

**THIRU M. GOPALASWAMY, B.Sc., B.L.,  
INDUSTRIAL TRIBUNAL**

**INDUSTRIAL DISPUTE NO. 70 OF 1987**

In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the management of Integral Coach Factory, Indian Railways, Madras).

**BETWEEN**

**Thiru S. Sathianathan,  
Ex. Clerk, Grade-I,  
24-A, Baliamman Koil Lane,  
Villivakkam,**

**AND**

**The General Manager,  
Integral Coach Factory,  
Indian Railways,  
Madras.**

**REFERENCE.—Order No. L-41012/40/86-D.II(B),  
dt. 21-5-87 of the Ministry of  
Labour, Government of India, New  
Delhi.**

This dispute after remand coming on for final hearing on Thursday the 22nd day of April, 1993 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiruvalargal C. Rajan, C. Girish Babu and A. C. Suresh Kumar, Advocates appearing for the workman and of Thiru B. T. Seshadri, Advocate for the Management and this dispute having stood over till this day, for consideration, this Tribunal made the following.

**AWARD**

This dispute between the workmen and the management of Integral Coach Factory, Madras arises out of a reference u/s. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 by the Government of India in its order No. L-41012/40/86-D.II(B), dt. 21-5-87 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

"Whether the action of the management of Integral Coach Factory, Indian Railways, Madras in dismissing the services of Shri S. Sathianathan, Ex-Clerk Grade-I w.e.f. 11-6-84 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman are entitled to and from what date?"

(2) Claim statement allegations are as follows :

The petitioner working as a clerk in shop No. 16 of I.C.F. was sick and he actually reported sick at the ICF Polyclinic at 7.30 hours on 2-11-83. He had already applied for 2 days leave on 2-11-83 and

3-11-83. He did not attend office due to sickness on 2-11-83. Due to enmity, the Head Clerk Ramamurthy gave a complaint that the petitioner entered the office on 2-11-83 at 6.46 hours by punching the G.A. Card, that he behaved in an agitated and violent mood, speaking in filthy language at about 7.30 hours and that in a bid to attack Ramamurthy, he dealt a hand blow which fell on the table breaking the glass sheet of the table. A charge memo was served. The petitioner denied the same. The domestic enquiry was not held in an impartial way. The domestic enquiry officer's findings are not supported by evidence. An order of dismissal was served upon the petitioner and the same is not sustainable. The petitioner had not committed acts of indiscipline, misconduct and insubordination. The petitioner is innocent. It was not possible for the petitioner to leave the Office after committing the alleged acts. The G. A. Card of the petitioner was usually punched by the Head Clerk Ramamurthy on several days, with a bad motive, for showing that the petitioner had attended office even while he did not attend and making false charges against the petitioner. This kind of proxy punching of G. A. Card was done by Head Clerk Ramamurthy with regard to several employees. The said Ramamurthy was charged with misappropriation of cash belonging to the office. Ramamurthy had a grouse against the petitioner on the belief that the petitioner gave information against Ramamurthy regarding misappropriation. At the domestic enquiry, witnesses who were under the influence of murthy, have given evidence. Documentary evidence such as the leave application sent by the petitioner, the G. A. Card of all the employees and the gate pass books relating to 2-11-83 were not produced inspite of the petitioner's demand. The sick certificate issued by the ICF polyclinic on 2-11-83 were also not produced. The doctor has actually certified that the petitioner was sick on 2-11-83. The findings and the punishments are not sustainable. An award may be passed directing the respondent to reinstate the petitioner in service.

(3) The respondent management states in its counter as follows :—

The office superintendent sent a report against the petitioner alleging that the petitioner had tried to assault the Head Clerk Ramamurthy in Shop No. 16 by using hand. A charge memo was issued to the petitioner. The charge memo alleged that the petitioner has abused the Head Clerk Ramamurthy using disrespectful language, that he tried to first Ramamurthy but the blow missed the victim and landed on the table breaking the glass sheet into pieces. These acts amount to violation of the relevant conduct rules. The Petitioner gave a reply denying the charges. At the domestic enquiry 3 witnesses were examined. Evidence reveals that the petitioner was present at the office on 2-11-83 at 6.45 a.m. that he punched the G.A. Card before entering the shop and that after committing the illegal acts he was found missing from the shop from 8.30 a.m. The domestic enquiry officer has given full opportunity to the petitioner to cross examine the witnesses. He recorded the findings to the effect that the charges were proved. The punishing authority accepting the findings as correct gave a second show cause notice. The petitioner's explanation was unsatisfactory. There-

fore, punishment of removing the petitioner from service was awarded. Later the petitioner filed an appeal to the Additional Chief Mechanical Engineer. The appellate authority dismissed the appeal for proper reasons. Then the petitioner moved the central Labour Commissioner for conciliation. The findings recorded by the enquiry officer are fully supported by the evidence. The punishment of dismissal of the petitioner from service is appropriate. The petitioner is not concerned with the gate pass book of Time office. The petitioner actually punched the gate attendance card on 2-11-83. The I. D. is liable to be dismissed.

(4) This Tribunal has already passed an Award in this Case on 27-5-91, setting aside the order of dismissal of the workman and directing the respondent to re-instate him in service. Against the said award the respondent Management filed O.A. No. 1252<sup>10</sup> before the Central Administrative Tribunal, Madras bench which has allowed the application by order dated 16-7-92. By that order, this Tribunal's Award was set aside and the dispute remitted back for a fresh disposal. The reasons for setting aside this Tribunal's award are that this Tribunal has examined the worker as WW1 even while the enquiry has not been held to be unfair and that no reasons for taking fresh or additional evidence have been stated by this Tribunal either in the Award or separately and that for the purpose of exercising powers under sec. 11-A of the I.D. Act, the Tribunal has no power to record fresh evidence.

(5) It is true that although the petitioner has advanced a plea that the Domestic enquiry held against him is unfair he did not press any preliminary issue thereon being framed and answered. Therefore in the light of the observations of the order passed by the Central Administrative Tribunal, I proceed to make an award based upon an appraisal of the evidence already recorded at the Domestic enquiry, and by applying the law to the facts proved by such evidence.

(6) The points arising for determination are as follows :—

1. Whether the findings on the charges recorded by the Domestic enquiry officer are perverse or sustainable?
2. Whether the punishment is extremely disproportionate and harsh? If so what is the modification called for under section 11-A of the I.D. Act.

#### (7) Point No. 1

Copy of the Domestic enquiry proceedings is marked as Ex. M 5. The gravamen of the charge against the petitioner-Sathyananthan is that at Shop No. 16 of I.C.F., Madras the petitioner abused Head Clerk Ramamurthy in a filthy language and assaulted him with his fist while on duty and after the incident he has left the office premises on 2-11-83. For the management, 4 witnesses including the victim, M.W.1 Ramamurthy gave evidence. The testimony of MW1 has been corroborated by M.Ws. 2 to 4. The defence taken by the petitioner charge sheeted employee is one of absence throughout the day and that he has been falsely framed by M.W.1 owing to enmity.

After perusal of the evidence and the reasoning adduced by the Domestic enquiry officer I am of the opinion that the charges against the workman stand proved and that the findings of the Domestic enquiry officer are not perverse.

The Point No. 1 is answered accordingly.

(8) Point No. 2: Admittedly the respondent's past conduct has been free from blemish as stated in Ex. M.8. Going through the appeal made by the petitioner and the conciliation failure report, it becomes clear that the petitioner has been given cash award in an appreciation of his devotion to duty. The petitioner has already reached the age of his superannuation or is about to reach it. The punishment of dismissal or removal from service, which destroys all the terminal benefits is apparently a very disproportionate punishment considering the nature of the assault. Therefore, terminal benefits have to be allowed to the petitioner in the interest of justice by modifying dismissal into discharge. Therefore, in exercising the powers of Sec. 11-A of the I.D. Act, I feel that the petitioner deserves a mode of punishment which preserves his right to receive pension and all other terminal benefits by substituting removal with discharge w.e.f. 11-6-84 by setting aside the punishment of removal from service. Point No. 2 is answered accordingly.

(9) In the result, an award is passed setting aside the punishment of removal from service and in its place, ordering that the petitioner be discharged from service w.e.f. 11-6-84 F. N. and that he be entitled to receive pension and all other terminal benefits as on 11-6-1984 F.N. No costs.

Dated this 29th day of April, 1993.

THIRU M. GOPALASWAMY, Industrial Tribunal.  
\_\_\_\_\_  
WITNESSES EXAMINED

Before Remand

For Workman

W.W.1 : Thiru S. Sathyananthan (Petitioner-Workman).

For Management : None

After Remand

For both sides . None

#### DOCUMENTS MARKED

Before Remand :

For Workman

Ex. W. 117-3-80 : Management's order sanctioning on the spot cash award to the workman Thiru S. Sathyananthan (Copy).

W. 2121-3-86 : Conciliation failure report (Copy).

W. 319-11-83 : Medical Fitness Certificate issued to Thiru S. Sathyananthan by the Medical Officer, Medical Department, Southern Railway (Xerox copy).

W. 417-3-90 : Original of Ex. W-1.

W. 519-11-83 : Original of Ex. W-3.

W. 6|18-5-91 : Letter to WM/M-1 regarding proxy-punching of Gate attendance card of Thiru S. Sathiyanathan by Thiru C. Ramamurthy, Head Clerk.

W-7|21-3-86 : Conciliation Failure Report—Original.

For Management

---



---



---



---

Ex. M. 1|19-12-83 : Charge sheet issued to Thiru S. Sathiyanathan.  
(Workman).

M. 2|30-12-83 : Reply by Thiru S. Sathiyanathan to Ex. M-1.

M. 3|8-2-84 : Enquiry Notice.

M. 4|11-2-84 : Letter from the Workman to the Management acknowledging Ex. M.3.

M-5 : Proceedings of the Enquiry Officer.

M-6|5-4-84 : Letter from the Workman to the Management requesting to give him a chance to defend himself from the charges.

M-7|8-6-84 : Penalty advice.

M-8|18-6-84 : Appeal preferred by the Workman.

M-9|6-8-84 : Order of Appellate authority.

After Remand

For both sides : Nil

महि दिल्ली, 19 मई, 1993

का.आ. 1313 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार इंटेग्रल कोच फैक्टरी, मद्रास के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18 मई, 93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41012/30/90-आईप्रार(डीयू) (भाग)]

के. बी. बी. उण्णी, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th May, 1993

S.O. 1313.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Integral Coach Factory, Madras and their workmen, which was received by the Central Government on 18-5-93.

[No. L-41012/30/90-IR(DU) (Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU MADRAS

Wednesday, the 24th day of February, 1993  
PRESENT :—

THIRU M. GOPALASWAMY, B. Sc., B.L.,  
Industrial Tribunal.

#### INDUSTRIAL DISPUTE NO. 88 OF 1990

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the management of Integral Coach Factory, Madras).

#### BETWEEN :

Thiru N. Sathiamoorthy,  
No. 5|23, Vasantha Garden Street,  
First Lane, Ayanavaram,  
Madras - 600 023.

#### AND

The General Manager,  
Integral Coach Factory,  
Madras - 600 038.

REFERENCE: Order No. L-41012/30/90-IR(DU),  
Ministry of Labour, dated 19-10-1990,  
Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Wednesday, the 29th day of April, 1992 upon pursuing the reference, claim and counter statements and all other material documents on record and upon hearing the arguments of Thiru R. Lawrence, Advocate appearing for the workman and of Thiru S. Venkataramani, Advocate for the management and this dispute having stood over till this day for consideration this Tribunal made the following:

#### AWARD

This dispute between the workman and the management of Integral Coach factory, Madras arises out a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India, in its Order No. L-41012/30/90-IR(DU) dated 19-10-1990 of the Ministry of Labour, for adjudication of the following issued :

"Whether the action of management of Integral Coach Factory, Southern Railway, Madras is justified in terminating the services of Shri. A. Sathiamoorthy, Assistant Ward keeper or SDK/G/Shells Officer? If not, what relief the workman concerned is entitled to?"

The Petitioner states in the claim statement as follows: He entered the service on 11-10-1956 under the Respondent as Khalasi and he was finally working as Asst. Ward keeper from 15-12-1964. He was removed from service by an order dated 26-4-1976 on the ground of conviction by special judge, Madras. His appeal to the Deputy Controller of Stores was dismissed. Later the General Manager of I. C. F. passed an order dt. 22-8-78 in a review application filed by the Petitioner setting aside the order of removal without prejudice to finalisation of further disciplinary proceedings contemplated. The District Controller of Stores then issued a notice dated 29-8-1978 calling upon the Petitioner to show cause against the proposed removal from service. A reply

was sent by the petitioner. Finally the District Controller passed the penalty order dated 23-11-1978 removing the Petitioner from service. An appeal to the Deputy Controller of Stores was dismissed without proper consideration. A review application to the Controller of Stores was again dismissed. The Petitioner, then applied for conciliation under section 2A of the Industrial Disputes Act. As a result, this reference has been ordered. Rule 25(1)(V)(C) of the Railway Servants Discipline and Appeal Rules, 1968 has not been followed by the Respondent in that while a further enquiry was contemplated in the order passed by the General Manager, the disciplinary authority had illegally issued show cause notice dated 29-8-1978 without holding the contemplated enquiry. The District controller/Disciplinary Authority has over stepped his limit in passing the removal order dated 23-11-1978. In passing the order of removal, natural justice has been violated. The very same disciplinary authority who passed the first order of removal could not again pass the second order of removal on 23-11-1978. The Petitioner was not given communication from the Respondent about the further continuation of disciplinary proceeding. Proper subsistence allowance has not been paid to the Petitioner during the period of suspension. The Respondent has unlawfully remitted only 50% of the amount towards provident fund. The Award may be passed directing the Respondent to reinstate the Petitioner in service with continuity, of service, back wage and other benefits.

The Respondent in his counter states as follows :

This industrial dispute is not maintainable. The Petitioner can pursue his remedy only before the Central Administrative Tribunal. The Petitioner was convicted of the offence under Section 161 of the Indian Penal Code read with Prevention of Corruption Act. He was sentenced to undergo one year R.I. by the special judge, Madras by order dated 29-3-1976. On account of the conviction, the Petitioner has become unsuitable for public service. The General Manager took up the petition filed by the Petitioner as a review petition and cancelled the order of removal, but directed continuation of disciplinary proceedings upto finalisation, in terms of Rule 25. As a result, the District Controller of Stores issued a show cause notice dated 29-8-1978 requiring the petitioner to show cause against removal. After considering petitioner's reply an order removing him from service was passed by the District Controller. Then an appeal filed by the Petitioner to the Deputy Controller of Stores was dismissed. Finally the Petitioner submitted a revision petition to the General Manager who after consulting the Railway Rates Tribunal dismissed the review petition. All the orders passed relating to the Petitioner's removal were legally passed. The procedure laid under Rule 25 has been correctly followed. Payment of 50% of contribution to provident fund is valid and in accordance with the satisfaction of the authority about the Petitioner's service. The claim is liable to be dismissed.

The Petitioner in his reply statement alleges as follows :

The Respondent and the authorities below should not have imposed the penalty before the disposal of the first criminal appeal filed by the Petitioner before the High Court Madras. The sentence was finally reduced by High Court from one year to three months in Criminal Appeal No. 375/76. The District Controller of Stores is not a competent authority under rule 25(1)(V)(C) to issue show cause notice and pass an order of removal. The order of the General Manager permitting further continuation of the proceedings, by way of intimation was not communicated to the Petitioner. Nobody below the General Manager who disposed of the review petition has the power to pass the removal order. Therefore the order passed by the District controller is illegal. The reference to the opinion of the Railway Rates Tribunal is irrelevant. The Petitioner was given no intimation about the part played by the Railway Rates Tribunal.

Points for determination are as follows :

- (1) Whether the order for removal of the Petitioner from service under penalty advice dated 23-11-1978 is lawful and valid?
- (2) Whether proper subsistence allowance has been paid?
- (3) To what relief?

Points: The Petitioner Thiru N. Sathyamoorthy has been examined as W.W.1. The Respondent did not give any oral evidence. Exs. W.1 to W.34 have been marked. Admittedly the petitioner was charge-sheeted by the police for taking bribe under section 161 of Indian Penal Code and convicted in a trial by the Special Judge, Madras. The District Controller of Stores of the Respondent under whom the Petitioner was working as a Class-III Staff took action against the petitioner by relying upon the criminal Court's conviction. As the punishment of imprisonment given by the Special Judge is for an offence which involves petitioner's moral turpitude the authority concluded that for Petitioner has rendered himself unsuitable for Public service and therefore the authority considered Petitioner's retention in service as undesirable and passed an order for removal from service with effect from 26-4-1976 by Ex. W-6 order dated 22-4-1976, by involving powers, given under rule 14(i) of the Railway Servants (Disciplinary Appeal) Rules, 1968. This order was passed evidently without issuing a show cause notice to the Petitioner. Petitioner's appeal to the Deputy Controller of Stores was dismissed under Ex. W-8 order. In view of the Supreme Court's judgement with reference to Article 311 of the Constitution of India, the Railway Board has issued Ex. W-9 letters dated 15-7-1978 advising the authorities that cases wherein punishments of removal have already been ordered may be re-opened if applications by the aggrieved servants were still pending. On the basis of this letter of the Railway Board, the general Manager of I.C.F namely, the Respondent herein, acted on the petition Ex. W. 10 dt. 21-6-78 filed by the Petitioner and passed Ex. W-11 order dt. 22-8-78 in the said petition having the way for continuation of further disciplinary proceedings after setting aside the punishment of removal passed under Ex. W-6. The short order Ex. 11 says that

without prejudice to finalisation of further disciplinary proceedings contemplated the penalty of removals of the Petitioner from service is cancelled. The next and impugned order of removal has been passed by the District Controller in proceedings emanating from Ex. W-11 order.

In consequence of Ex. W-11, the District Controller of Stores passed Ex. W-12 order stating that the Petitioner must be deemed to be kept under suspension from 26-4-1976, the date of the first removal, (which has later been set aside). An additional step which the District Controller has rightly taken is that a memorandum was issued by him in the form of Ex. W-13 directing the Petitioner to show cause against the proposal to impose the penalty of removal from service, in exercise of powers conferred by Rule 14(i) of the Railway Servants (D&A) Rules, 1968. The Petitioner has sent his reply Ex. W-14 as his explanation for avoiding the proposed punishment. A main ground urged by him is that his first Criminal Appeal to the High Court of Madras was pending and that till its disposal any final order should not be passed by the District Controller of Stores. He also appealed in the explanation for payment of proper subsistence allowance. The Petitioner has not pleaded that while exercising the powers under Rule 14(i) of the Railway Servants (D & A) Rules, 1968, on the ground of conviction by Criminal Court, that any elaborate domestic enquiry has to be gone through under the rules and that the show cause notice Ex. W-13 issued by the District Controller of Stores was in any way illegal. After considering the Petitioner's explanation, the District Controller has passed Ex. W-15 order dt. 23-11-78 directing the Petitioner's removal from service with effect from 25-11-1978. Against this removal order, the Petitioner has filed his appeal Ex. W-16 on 4-12-1978 to the Deputy Controller of Stores.

The appeal referred to above was dismissed by the Deputy Controller on 29-1-1979 under Ex. W-17 order. Thereafter, the Petitioner has not approached the Respondent by revision or review. On the other hand, he has filed an application under section 2A of the I. D. Act under the original of Ex. W-18. The grounds of attack pressed against the second order of removal Ex. W-15 are that it should have been passed by the Respondent-General Manager himself and not by his subordinate, that the District Controller of Stores who passed the first order of removal should not have again passed the second order of removal Ex. W-15 and that the said order could not be passed prior to the disposal of the criminal appeal by the High Court, Madras. Admittedly, the Petitioner was initially appointed as Kalasi only by an officer representing the General Manager and subordinate to the General Manager. I hold that the District Controller of Stores is a competent authority with delegated powers enabling him to act as and sign on behalf of General Manager in relation to the Petitioner who was not appointed or promoted by the General Manager. The Petitioner has not pleaded before the Deputy Controller of Stores or before the General Manager that the District Controller of Stores was not empowered to remove the Petitioner from service under Rule 14(i) read with other Rules of Railway Servants (D & A) 1968. When the General Manager cancelled the first order of removal, he permitted the continuation and finalisation of further disciplinary proceedings which in substance were taken by the District Controller of Stores by issuing Show cause notice (memorandum), Ex. W-13. No rule has been quoted before us to show that the District Controller of Stores or any other authority should have followed a different procedure other than issuing the Show Cause Notice. I therefore, hold that the procedure followed for awarding the punishment is legally correct and that the District Controller of Stores is empowered

to pass the order of removal of the Petitioner from service on the ground that the Petitioner by incurring punishment for the offence of bribery should not be continued in service. There is no statutory rule prescribing that the order of removal should be passed only after disposal of the appeal pending before the High Court, Madras.

After the removal order passed in the first instance was set aside by the General Manager under Ex. W-11, the District Controller of Stores has issued suspension order Ex. W-12. He states in this order that the Petitioner must be deemed to be kept under suspension from 26-4-1976 onwards. The earlier suspension order in contemplation of enquiry has taken effect from 7-11-75 under Ex. W-5 order. In between these two dates, of two suspensions the petitioner has suffered a removal order, which was later found to be defective and hence cancelled. Hence the second suspension from 26-4-1976 is to be treated as a fresh suspension which is not to be clubbed with the previous spell of suspension for the purpose of calculating subsistence allowance. The Petitioner who has sent Ex. W-22 application to the General Manager for payment of proper subsistence allowance, has not made out a case of his eligibility to receive more than 50 per cent of his emoluments as subsistence allowance.

The ground of punishment of removal being related to conviction by a criminal court, a full-fledged domestic enquiry into a formal charge was not needed in this case. What was contemplated by the General Manager and the District Controller was only the issue of a show cause notice and not the conduct of a normal domestic enquiry required for proving a charge under Service Rules. Hence further disciplinary proceedings meant by the General Manager in his Ex. W-11 order would be nothing more than issuing a show cause notice seeking the petitioner's explanation regarding punishment. Non-payment of proper percentage of Provident Fund contribution or non-payment of correct gratuity will not render the punishment illegal. The case Jayachandran Vs. Canara Bank and others decided by the Kerala High Court and reported in vol. 63 F.J.R. Page 287 is very different from the instant case.

After a careful consideration of the facts and issue of law, I hold that the removal of petitioner from service is lawful and not disproportionate. It follows that he is not entitled to any relief.

In the result award is passed dismissing the claim of the workman. No costs.

Dated 24th day of February 1993.

THIRU M. GOPALASWAMY, Industrial Tribunal

#### WITNESSES EXAMINED

For Workmen

W.W. 1 : Thiru N. Sathyamoorthy (Petitioner-Workmen).

For Management :

None.

#### DOCUMENTS MARKED

For Workman

Ex. W-1/24-12-63.—Note on the spot rewards to workshop staff by the works manager.

W. 2/30-1-64.—Order of Dy. Chief Mechanical Engineer shall issued to the Pte. Workman awarding him "Spot reward" (Xerox copy).

W. 3/30-1-64.—Cash award given to the Petitioner Workman and others for their outstanding performance (Xerox copy).

W. 4/19-4-76.—Letter from Thiru M. S. Menon, Advocate to the Dy. Chief Personnel Officer, I.C.F. Madras.

W. 5/6-11-75.—Suspension order issued to the Petitioner Workman. (Xerox copy).

W. 6/22-4-76.—Order of termination issued to the Petitioner Workman (Xerox copy).

W. 7/29-4-76.—Appeal preferred by the Petitioner Workman to the Dy. Controller of Stores, I.C.F., Madras (Xerox Copy).

- W. 8/21-5-76.—Reply by the Management to Ex. W-7 (Xerox copy).
- W. 9/25-7-78.—Railway Board's letter No. E (D & A) 78-RG 6-36 dt. 15-7-78 (Xerox copy).
- W. 10/21-6-78.—Letter from the petitioner workman to the Management regarding reviewing the penalty imposed (Xerox copy).
- W. 11/22-8-78.—Reply of the Management to Ex. W-10 (Xerox copy).
- W. 12/22-8-78.—Suspension order issued to the Petitioner Workman (Xerox copy).
- W. 13/29-8-78.—Show Cause notice issued to the Petitioner Workman. (Xerox copy).
- W. 14/21-10-78.—Letter from the petitioner workman to the management (Xerox copy).
- W. 15/23-11-78.—Order of removal issued to Petitioner-workman (Xerox copy).
- W. 16/4-12-78.—Appeal preferred by the Petitioner workman to the Dy. Controller of Stores, I.C.F., Madras. (Xerox copy).
- W. 17/29-1-79.—Reply of the management to Ex. W-16 (Xerox copy).
- W. 18/8-2-82.—Application u/s 2(A) of the I. D. Act filed by the Petitioner workman before the Regional Labour Commissioner (Central) Madras (Xerox copy).
- W. 19/12-3-92.—Letter from the Regional Labour Commissioner (Central) Madras to the Commissioner of Labour, Madras enclosing application u/s 2(A) of the I. D. Act of the Petitioner Workman for necessary action. (Xerox copy).
- W. 20/18-6-92.—Letter from the Labour Officer, Madras to the Petitioner Workman. (Xerox copy).
- W. 21/3-4-90.—Conciliation Failure report. (Xerox copy).
- W. 22/7-9-78.—Letter from the Petitioner workman to the management requesting to make arrangements for payment of Subsistence allowance during the period of his suspension (Xerox copy).
- W. 23/17-10-86.—Letter from the petitioner-workman to the Hon'ble Minister of State for Railways, Govt. of India, New Delhi, requesting to pay special contribution to Provident Fund (Xerox copy).
- W. 24/18-6-87.—Letter from the Management to the Pet. Workman denying the payment of special contribution to provident fund. (Xerox copy).
- W. 25/19-1-80.—Letter from Thiru M. S. Menon, Advocate to the President, Free Legal Aid Society, Madras-4 (Xerox copy).
- W. 26/12-2-80.—Letter from Madras District Committee for Legal Aid and Advice, Madras to the Petitioner Workman (Xerox copy).
- W. 27/20-11-80.—Order revoking suspension order of Thiru T. S. Srinivasulu (Xerox copy).
- W. 28/23-1-63.—Letter from the Management inviting Volunteers from Clerks for transfer as Asst. Ward keeper. (Xerox copy).
- W. 29/3-2-73.—Confirmation order issued to Thiru Sankaran Chenchu Kotalah and 20 others for the post of Asst. Ward keepers (Xerox copy).
- W. 30/2-5-75.—Letter from the management to Thiru G. Munuswamy, Sub-Inspector, Protection Force (Xerox copy).
- W. 31/6-1-76.—Order of Chief Security Officer, Railway Protection Force, Madras to Thiru G. Munuswamy, Sub-Inspector, Protection Force for payment of pay and allowances for three months in lieu of his retirement from service (Xerox copy).

- W. 32/21-1-76.—Letter from Security Officer, Railway Protection Force, Madras-3 to Thiru G. Munuswamy (Xerox copy).
- W. 33/22-3-76.—Letter from Thiru G. Munuswamy, to the Chief Security Officer, Southern Railway, Madras Beach, requesting to pay subsistence allowance at enhanced rate & leave due. (Xerox copy).
- W. 34/7-5-76.—Discharge certificate issued to Thiru G. Munuswamy (Xerox copy).

For Management : Nil

नई दिल्ली, 25 मई, 1993

का.आ. 1314—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (d) के उपखण्ड (6) के उपबन्धों के प्रनृसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3119 दिनांक 2 दिसम्बर, 1992 द्वारा लौह अर्थस्क खनन आयोग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये 8 दिसम्बर, 1992 से छः मास की कालावधि के लिये लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था,

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिये बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः श्रव, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (d) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये 8 जून, 1993 से छः मास की और कालावधि के लिये लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं. एस-11017/12/85-झी-1(ए)]

एस.एम. पराशर, अध्यक्ष सचिव

New Delhi, the 25th May, 1993

S.O. 1314.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour S. O. No. 3119 dated the 2nd December, 1992 the iron ore mining industry to be public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 8th December, 1992;

And, whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 8th June, 1993.

[No. S-11017/12/85/D-1(A)]

S. S. PRASHER, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 मई, 1993

का.आ. 1315.—धातुत्पादक खान विनियम, 1961 के विनियम 17 के परन्तुक के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के तत्कालीन श्रम व रोजगार मंत्रालय के दिनांक 23 सितम्बर, 1963 की अधिसूचना सं.का.आ. 2795 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न सारणी में, शीर्षक “भारत” के अन्तर्गत, उप-शीर्षक के अन्तर्गत की गई प्रविधियों में “पूर्ण कालिक अध्ययन पाठ्यक्रम के पश्चात् खनन विषय में डिग्री व डिलोमा प्रदान करने वाले

संस्थानों व प्राधिकारियों की सूची” मद 15 और उससे संबंधित प्रविधियों के पश्चात् निम्नलिखित मध्य तथा प्रविधियां प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्—

1

2

16. खनन संस्थान,	खनन सर्वेक्षण में दो वर्ष का भाग, धनबाद, (बिहार)
	डिलोमा पाठ्यक्रम

(वर्ष 1990 तक पूरा किया गया)

[फाइल सं. एस-62012/1/92-आई.एस.एच.-2]  
आर.टी. पांडेय, उप सचिव

New Delhi, the 28th May, 1993

S.O. 1315.—In pursuance of proviso to regulation 17 of the Miscellaneous Mines Regulations, 1961, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Labour and Employment No. S.O. 2795, dated the 23rd September, 1963, namely:-

In the Table appended to the said notification under the heading “India”, in the entries under the sub-heading “List of Institution and authorities awarding Degree or Diploma in Mining after a full-time course of study” after item 15 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be inserted namely:-

I

II

16. Mining Institute, Bhaga, Dhamtari (Bihar)

Two-year Diploma Course in Mine Surveying

(Completed upto the year 1990)

[File No. S-62012/1/92-ISH-II]  
R.T. PANDEY, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 28 मई, 1993

का.आ. 1316.—कोयला खान विनियम, 1957 के विदिमय 17 के परन्तुक के अनुसाधन में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के तत्कालीन श्रम व रोजगार मंत्रालय के दिनांक 26 जून, 1961 की अधिसूचना सं. का.आ. 1599 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना के साथ लगी सारणी में, शीर्षक “भारत” के अन्तर्गत, उप-शीर्षक के अन्तर्गत की गई प्रविधियों में “(पूर्ण कालिक अध्ययन पाठ्यक्रम के पश्चात् खनन विषय में डिग्री व डिलोमा देने वाले संस्थानों व

प्राधिकारियों की सूची)” मद 14 और उससे संबंधित प्रविधियों के पश्चात्, निम्नानुसित मध्य प्रविधियां प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्—

1

2

15. खनन संस्थान,	खनन सर्वेक्षण में दो वर्ष का भाग, धनबाद, (बिहार)
	डिलोमा पाठ्यक्रम

(वर्ष 1990 तक पूरा किया गया)

[फाइल सं. एस-62012/1/92-आई.एस.एच-II]  
आर.टी. पांडेय, उप सचिव

New Delhi, the 28th May, 1993

S.O. 1316.—In pursuance of the proviso to regulation 17 of the Coal Mines Regulations, 1957, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Labour and Employment No. S.O. 1599, dated the 28th June, 1961, namely:—

In the Table appended to the said notification, under the heading “India” in the entries under the sub-heading “(List of institutions and authorities awarding Degree or Diploma in Mining after a full-time courses of study)” after item 14 and entries relating thereto, the following item and entries shall be inserted namely:—

I	II
15. Mining Institute, Bhaga, Dharbad (Bihar)	Two-Year Diploma Course in Mine Surveying.
	(Completed upto the year 1990)
	[File No. S-62012/1/92—ISH-II]

R.T. PANDEY, Dy. Secy.

